



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 29 ] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 21, 1979 (आषाढ़ 30, 1901)

No. 29 ] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 21, 1979 (ASADHA 30, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—पार्ट 1

#### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीकार, संघ लोक सेवा आयोग, रेल दिभाग और भारत सरकार के संसद और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 24 जून 1979

मं. ए. 35014/1/79-प्रशा० III—सचिव संघ लोक सेवा आयोग, एतदद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी श्री ए. गोपाल कृष्णन् को आयोग के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर स्थानापन स्वर्ग में तदर्थ आधार पर कार्य करने के लिए 21-6-1979 से 31-8-1979 तक की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेश तक जो भी पहले हो नियुक्त करते हैं।

अनुभाग अधिकारी (विशेष) के पद पर नियुक्त होने पर श्री ए. गोपाल कृष्णन् को बेतन समय समय यथा संशोधित वित्त मंत्रालय के का० जा० सं. एफ० ०(२४)ई III/60 दिनांक 4-5-1961 के अनुमान विनियमित होगा।

एम० वालचंद्रन  
अव० सचिव  
हृते सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 जून, 1979

मं. ए. 32013/3/79-प्रशा० I—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के केन्द्रीय सेवा संवर्ग के स्थायी ग्रेड I अधिकारी श्री ए. गोपाल कृष्णन् को 19-5-79 से तीन महीने की अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक इनमें जी भी पहले हो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उपसचिव के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया गया है।

दिनांक, 21 जून, 1979

मं. ए. 32014/1/79-प्रशा० III—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को राष्ट्रपति द्वारा, प्रत्येक के मामते वर्णीय गई अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले

हो, अनुभाग प्रधिकारी के पद पर तदर्थि आधार पर, कार्य करते के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्र. सं०	नाम	अधिकारी जिसके लिये	टिप्पणी
1.	श्री एम० एन० एन० भट्टाचार्य	अनुभाग प्रधिकारी नियुक्त किया गया	2-6-79 से 19-7-79
2.	श्री एम० एन० अरोड़ा	अनुभाग प्रधिकारी नियुक्त किया गया	1-6-79 से 10-7-79
3.	श्री आर० पी० शर्मा	अनुभाग प्रधिकारी नियुक्त किया गया	21-5-79 से 25-6-79
4.	श्री एम० डी० एम० मिनहास	अनुभाग प्रधिकारी नियुक्त किया गया	19-5-79 से 16-6-79
5.	श्री जे० एन० मुद्र	अनुभाग प्रधिकारी नियुक्त किया गया	14-5-79 से 30-6-79

सं० ए० 32014/1/79-प्रशासन-III—संघ लोक सेवा आयोग में केंद्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री के० पी० ग्रैयर को राष्ट्रपति द्वारा, 17-6-79 से 31-7-79 तक की अतिरिक्त अधिकारी के लिये अथवा आगामी अदेशों तक, जो भी पहले हों, उसी संवर्ग में अनुभाग प्रधिकारी के पद पर, तदर्थि आधार पर, कार्य करते के लिये नियुक्त किया जाता है।

एम० बालाचन्द्रन  
अवर सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोक सेवा आयोग

दिनांक 26 जून 1979

सं० ए० 31014/2/76-प्रशासन-I—केंद्रीय भिविन सेवा (बर्गीकरण, नियन्त्रण एवं प्रर्पाल) नियमावली, 1965 के नियम 9 (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस उप-प्रधायक, विशेष पुलिस स्थापना, एवं द्वारा, निम्ननिवित अधिकारियों को दिनांक 20-10-77 से केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना, कार्मिक एवं प्रगतिशील मुद्रार विभाग में मूलरूप में पुलिस उप-प्रधायक के पद पर नियुक्त करते हैं :—

क्रम	अधिकारी का नाम	पद-स्थापन का वर्तमान स्थान	पद जिस पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पहले से स्थायी है	पद जिस पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की शास्त्रा जिसमें पुलिस उप-प्रधायक के स्थायी पद पर पुनर्गठनाधिकार रखा गया
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	बी० एन० शिखा	नगरालैंड (कोहिमा) सरकार में प्रतिनियुक्ति पर	सा० ए० स्कंध कलकत्ता	
2.	के० एन० गुप्ता	सी० आई० य००-१	निरीक्षक	सी० आई० य००-१
3.	एम० पी० नन्दापुरकर	सा० ए० स्कंध, बम्बई	निरीक्षक	सा० ए० स्कंध/बम्बई
4.	सी० आर० चटर्जी	सा० ए० स्कंध, कलकत्ता	निरीक्षक	सा० ए० स्कंध/कलकत्ता
5.	सी० के० पाठक	‘मुख्यालय/जोन-४	निरीक्षक	मुख्यालय
6.	आर० पी० कपूर	सी० आई० य०० (सी०)	निरीक्षक	सी० आई० य०० III)
7.	एन० पी० रार्फा	सी० आई० य०० (एन० सी०)	निरीक्षक	सी० आई० य०० (एन० सी०)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 2 जुलाई 1979

सं० ए० फ० 2/32/79-स्थापना सी० आर० पी० ए० फ० (पर्स )—गण्डूपति 26 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमांडेट श्री आई० जयसिन्हा को अगले अदेशों तक 26 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमांडेन्ट के रूप में अपनी ड्यूटियों के अतिरिक्त 17 बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का कमांडेन्ट नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र प्रसाद,  
निदेशक (पी०)

का० एवं प्र० स० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून 1979

सं० सी० १०१/७२-प्रशासन-५—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री सी० आर० चटर्जी, पुलिस उप-प्रधायक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, में दिनांक 31-५-७९ के अपराह्न में पुलिस उप-प्रधायक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

1	2	3	4	5
8. एम० आर० जयसवाल	देहरादून	निरीक्षक	लखनऊ	
9. हरीश चन्द्र	मा० अ० स्कंध, दिल्ली	निरीक्षक	मा० अ० स्कंध/दिल्ली	
10. रजनीश प्रमाद शर्मा	सी० आई० य० (ई-II)	निरीक्षक	सी० आई० य० (ई-II)	
11. पी० उन्नीश्वरान	मा० अ० स्कंध, मद्रास	निरीक्षक	मा० अ० स्कंध/मद्रास	
12. गुरुरेम मिह	समन्वय प्रभाग	निरीक्षक	मुख्यालय	
13. के० जी० विद्यासागर	एस० य०	निरीक्षक	एस० य०	
14. ए० डब्ल्यू० डेगवेर	एस० आई० य० (कोर्ट सैल)	निरीक्षक	एस० य०	
15. के० सी० कानूनगो	मा० अ० स्कंध, कलकत्ता	निरीक्षक	मा० अ० स्कंध/कलकत्ता	
16. श्रीकृष्ण कुमार सूरी	सी० आई० य० (एफ०)	निरीक्षक	मा० अ० स्कंध/दिल्ली	
17. मुरारी लाल	शिलोग	निरीक्षक	शिलोग	

प्रोत्तिपति पत्रे वालों/स्थानन्तरितों/सीधी भर्ती वालों जिनको इस बैच में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में स्थानों किया गया है/स्थायी रूप से समाहृत किया गया है, को परस्पर वरिष्ठता बाद में निर्धारित कर जायेगा।

सं० ए-19020/2/79-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रमाद से श्री एस० मुश्तकनियम, भारतीय पुलिस सेवा (1958-आंध्र प्रदेश) को दिनांक 16-6-79 के पूर्वाहन से अगले आदेश तक के निम्न पुनिम उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना के रूप में नियुक्त करते हैं।

हीरो ए० शहनी  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

से के० ओ० सु० ब० यूनिट आई० डी० पी० एल० हैदराबाद के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सु० नाथ  
महानिरीक्षक/के० ओ० सु० ब०

#### भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 जून 1979

सं० 11/45/79-प्रशा०-I-11712—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के उड़ीसा संवर्ग के अधिकारी, श्री ए० आर० नन्दा को तारीख 1 जूलाई, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उड़ीसा, कटक में जनगणना कार्य के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री नन्दा का मुख्यालय कटक में होगा।

सं० 11/62/79-प्रशा०-I-11710—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के जम्मू और कश्मीर संवर्ग के अधिकारी श्री ए० एच० खान को तारीख 1 जून, 1979 के पूर्वाहन से अगले आदेशों तक जम्मू और कश्मीर, श्रीनगर में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री खान का मुख्यालय श्रीनगर में होगा।

सं० 11/72/79-प्रशा०-I-11711—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के कर्नाटक संवर्ग के अधिकारी, श्री बी० के० दाम को तारीख 6 जून, 1979 के अपराह्न से अगले आदेशों तक कर्नाटक, बंगलौर में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री दाम का मुख्यालय बंगलौर में होगा।

दिनांक 29 जून 1979

सं० 11/I/77-प्रशा०-I-11790—इस कार्यालय की तारीख 9 प्रैंगल, 1979 की समसंबंधीक अधिसूचना के अनु-

महानिरीक्षक का कार्यालय  
केन्द्रीय अधिकारी भुवनेश्वर बल

नई दिल्ली 110019 दिनांक 29 जून 1979

सं० ई-16013(2)/15/73-कार्मिक—प्रत्याखित होने पर श्री इन्द्रलाल जे० देउसन शा० पु० से० (केरल-65) ने 31 मई, 1979 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट मद्रास पोर्ट ट्रस्ट, मद्रास के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-16013(1)/2/78-कार्मिक—निवर्तन की आयु होने पर श्री बी० मालारेड्डी ने 31 मई, 1979 के अपराह्न

कम में राष्ट्रपति, बिहार पटना में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय के कार्यालय अधीक्षक, श्री एस० के० पाठक को तारीख 31 मई, 1978 के अप्राह्न ते 12 मितम्बर, 1978 तक जनगणना कार्य निदेशक, मणिपुर, इम्फाल में अस्थाई तौर पर, तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री पाठक का मुख्यालय इम्फाल में होगा।

2. राष्ट्रपति, श्री एस० के० पाठक को मणिपुर, इम्फाल में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में तारीख 13 मितम्बर, 1978 से अगले आदेशों तक अस्थायी तौर पर, नियमित आधार पर भी सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्री पाठक का मुख्यालय इम्फाल में होगा।

पी० पदमनाभ  
भारत के मूर् जीकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

बैंक नोट मुद्रणालय

देवाम, दिनांक 22 जून 1979

फा० म० बी०एन्सी/सी०/५/७९—इस कार्यालय की सम-  
संख्यक अधिसूचना दिनांक 27-३-७९ के अनुक्रम में श्री  
बी० वेंकटरमणी की तकनीकी अधिकारी के पद पर तदर्थ  
आधार पर की गई नियुक्ति दिनांक 27-६-७९ से 31-८-  
७९ तक निरन्तर की जाती है।

पी० एस० शिवराम  
महा प्रबन्धक

मुद्रण निदेशालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक जुलाई 1979

सं० के० (21) प्रशासन-II—मुद्रण निदेशक ने  
श्री हरजीत सिंह खन्ना, तकनीकी अधिकारी (फोटो लियो)  
को दिनांक 20-६-७९ के पूर्वाह्न से, अगले आदेश होने तक,  
भारत सरकार पाठ्यपुस्तक मुद्रणालय, चण्डीगढ़ में उप-प्रबन्धक  
(फोटो लियो) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

पी० बी० कुलकर्णी  
संयुक्त निदेशक (प्रशासन)

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 जून 1979

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण  
(स्थापना)

सं० ६/५७४/५४-प्रशासन (राज)-४७६७—सेवा निवृत्ति  
की आयु होने पर, श्री डी० एस० मोरकीमा ने इस कार्यालय

से 31 मई, 1979 के दोपहर बाद से उप-मुख्य नियंत्रक,  
आयात-निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

राजिन्दर सिंह  
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात,  
कुते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

ओद्योगिक लागत तथा कीमत ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 26 जून 1979

सं० पा० १९०११/१२/७९-बी० आई० सी० पी०—ओद्योगिक विकास विभाग से स्थानान्तरण होने पर उद्योग संवर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के अधिकारी श्री जी० बी० माथुर को जनवरी 7, 1979 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक ओद्योगिक लागत तथा कीमत ब्यूरो में प्रति नियुक्ति के आधार पर सहायक सचिव एवं प्रशासन अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

लवराज कुमार  
अध्यक्ष

ओद्योगिक लागत तथा कीमत ब्यूरो

उद्योग मंत्रालय

ओद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त लघु उद्योग का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8/13 जून 1979

सं० १२ (७१०)/७२-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, केन्द्रीय जल आयोग, नई दिल्ली के श्री डी० सी० श्रीवास्तव, उप निदेशक (अर्थ) को दिनांक 26 मई, 79 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (आर्थिक अन्वेषण) के स्थान में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 जून 1979

सं० १२(६४)/७१-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, पटना के श्री आर० आर० फौज-दार, सहायक निदेशक ग्रेड-II (सामाज्य प्रशासन प्रभाग) को दिनांक 25 मई, 1979 (पूर्वाह्न) से छ: महीने की अवधि के लिए लघु उद्योग सेवा संस्थान, इन्दौर में सहायक निदेशक ग्रेड-I (सामाज्य प्रशासन प्रभाग) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 जून 1979

सं० ए-१९०१८(१९६)/७५-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति जी, विस्तार केन्द्र, जालंधर के श्री सुशील कुमार, सहायक निदेशक, ग्रेड-II (चमड़ा/पादुका) को दिनांक 2 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, विस्तार केन्द्र, जालंधर में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (चमड़ा/पादुका) के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 20 जून, 1979

सं० 12 (68)/61-प्रशासन (राजपत्रित) — राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, इलहाबाद के श्री मोहम्मद अकरम, निदेशक, ग्रेड-II (यांत्रिक) को दिनांक 22 अप्रैल, 1979 (पूर्वाहन) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, इलहाबाद में निदेशक, ग्रेड-I (यांत्रिक) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र गुप्त  
चुप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1979

सं० प्र-1/1(1138)/79—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वाग्य श्री बी० के० मस्सेना, अधीक्षक को दिनांक 28-4-79 (अपराह्न) से 15-7-79 तक नीरीक्षक निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के कार्यालय में श्री ज्ञान चन्द के स्थान पर जो बीमारी की छुट्टी पर गये हैं, सहायक निदेशक (ग्रेड 2) के पद पर पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

बृंदण किशोर

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

प्रशासन अनुभाग-6

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1979

सं० ए-17011/(59)/73-प्र-6—निरीक्षण निदेशक मद्रास के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) श्री ए० आर० हुसैनी निवर्तमान आयु होने पर दिनांक 31-5-1977 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

पी० डी० सेठ

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1979

सं० 1/14/78-एस-दो—महानिदेशक आकाशवाणी श्री जेम्ज गोम्ज डी मैलों, प्रशासन अधिकारी, केन्द्रीय विक्रय एकांश, सी० बी० एम०, आकाशवाणी, बम्बई को आकाशवाणी मद्रास में विग्रह प्रशासन अधिकारी के पद पर अस्थाई रूप से 27 अप्रैल, 1979 से नियुक्त करते हैं।

सं० 1/1/79-एस-दो—महानिदेशक आकाशवाणी श्री जे० डी० जौहरी, मुख्यालिपिक/लेखाकार, विवेण सेवा प्रभाग,

आकाशवाणी, दिल्ली को उच्च शक्ति प्रेपित, आकाशवाणी, खाम्पुर में प्रशासन अधिकारी के पद पर, अस्थाई रूप से 26 अप्रैल, 1979 से नियुक्त करते हैं।

एम० बी० सेपाद्वी  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1979

सं० 1/5/78-एस-दो—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और बीमा शुल्क मण्डल, मद्रास से प्रतिनियुक्ति पर क्षेत्रीय हंजीनियर (दक्षिण) आकाशवाणी, मद्रास में लेखा अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे श्री पी० दोरायस्वामी का 7-3-79 को देहान्त हो गया।

बाई वर्मा  
अनुभाग अधिकारी  
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रमाण मंत्रालय

प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1979

सं० ए-12025/2/73-प्रशासन-1/डी एस (मी)—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को 25-6-1979 से आगामी आदेश तक प्रकाशन विभाग में महर्य व्यापार व्यवस्थापक नियुक्त करते हैं।

- (1) श्री ओ० पी० भक्कड़, इस समय नई दिल्ली (मुख्यालय) में तदर्थ व्यापार व्यवस्थापक
- (2) श्री नरेन्द्र मिश्रा, इस समय विक्रम भण्डार, कलकत्ता में तदर्थ व्यापार व्यवस्थापक
- (3) श्री एम० आर० राजगोपालन, इस समय क्षेत्रीय वितरण कार्यालय में सहायक व्यापार व्यवस्थापक
- (4) श्री ईश्वरचन्द्र इस समय नई दिल्ली (मुख्यालय) में सहायक व्यापार व्यवस्थापक

2. व्यापार व्यवस्थापक के ग्रेड में निम्नलिखित स्थानान्तरण/तैनाती के भी तत्काल आदेश दिए जाते हैं:—

क्रम	अधिकारी का नाम संख्या	वर्तमान तैनाती का स्थान	स्थानान्तरण/ तैनात किए जाने वाला स्थान
1	2	3	4
1.	श्री एस० एस० जायसवाल	विक्रम भण्डार, बम्बई	नई दिल्ली (मुख्यालय)
2.	श्री ओ० पी० मक्कड़	नई दिल्ली (मुख्यालय)	विक्रम भण्डार (कलकत्ता)

१	२	३	४
३. श्री नगेन्द्र मिश्रा	विक्रम भण्डार	विक्रम भण्डार,	
	कलकत्ता	बंबई	
४. श्री एम० आर०	क्षेत्रीय वितरण	विक्रम भण्डार,	
राजागोपालन	कार्यालय मद्रास	मद्रास	
५. श्री ईश्वरगन्ध	नई दिल्ली	विक्रम भण्डार,	
		त्रिवेन्द्रम	

सूरज प्रकाश गुप्ता  
उप सचिव

फिल्म प्रभाग  
बम्बई-२६, दिनांक २५ जून १९७९

सं० ई २२०१३/३/७७-सिवन्दी-।—फिल्म प्रभाग बम्बई में दिनांक १२-६-१९७९ के पूर्वाह्न से श्री एन० एन० मिह के महायक प्रशासकीय अधिकारी के पद का कार्यभार ग्रहण करने पर, फिल्म प्रभाग, बम्बई के स्थानापन सहायक प्रशासकीय अधिकारी, श्री एच० जी० भंडारकर, दिनांक १२-६-१९७९ की पूर्वाह्न को अपने स्थायी अधीक्षक के पद पर प्रत्यार्थित हुए।

एम चन्द्रन नाथर  
प्रशासकीय अधिकारी  
हते मुख्य निर्माता

बम्बई, दिनांक २१ जून १९७९

सं० ५/४/५६-सिवन्दी ।—फिल्म प्रभाग बम्बई के स्थायी इन बिट्टीन एनीमेटर श्री बी० आर० डोहड़िग दिनांक ३१-५-१९७९ के दुपरान्ह से स्वैच्छिक आधार पर सेवा-निवृत्त हुए।

नरेंद्र नाथ शर्मा  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी  
हते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय  
नई दिल्ली, दिनांक २८ जून १९७९

सं० ए० १२०२५/१३/७७ प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने डा० प्रमोद कुमार सरीन को ३१ मार्च, १९७९ पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली में स्टाफ सर्जन (दन्त) के पद पर अस्थाई आधार पर तैनात किया है।

केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में स्टाफ सर्जन (दन्त) के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप डा० प्रमोद कुमार सरीन ने ३१ मार्च, १९७९ पूर्वाह्न को डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल नई दिल्ली से वन्त मर्जन के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक ३० जून १९७९

सं० ए० १२०२५/२२/७७ (एफ० आर० एस० एल०) प्रशासन—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने क्षेत्रीय एगमार्क प्रयोगशाला कानपुर के कनिष्ठ कैमिस्ट श्री जी० सी० राय को खाद्य मानक अनुसंधान प्रयोगशाला गाजियाबाद में ३० मई, १९७९ पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक कनिष्ठ विणेलेयक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

शामलाल कुठियाला  
उपनिदेशक  
प्रशासन

परमाणु ऊर्जा विभाग  
विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग  
बम्बई ५, दिनांक १९ जून १९७९

सं० पी० पी० ई० डी०/३ (२८२)/७६ प्रशासन ९५७२—विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक, रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणिया) विभाग, मद्रास के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी (लेखा) श्री एम० एम० मोहम्मद इकबाल को इस प्रभाग में प्रतिनियुक्ति कि जाती पर मई २३, १९७९ के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक रूपमे ६००-३०-७४०-३५-८८०-८० रो० ४०-९६० के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ब० वि० धृते  
प्रशासन अधिकारी

नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना  
नरोरा, दिनांक ३ जूलाई १९७९

सं० न० प० वि० प०/प्रशासन ११ (२४)/७९ एस० ७७३—नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, सिविल अभियन्त्रण समूह कलपकम के वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी०, श्री जयरामन को स्थानापन रूप में, नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर, कार्य करने हेतु १४ जून १९७९ के पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक के लिए नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन  
प्रशासन अधिकारी  
कृते-मुख्य परियोजना अभियन्ता

ऋग्य एवं भंडार निवेशालय

बम्बई ४००००१, दिनांक १९ जून १९७९

सं० डी० पी० एम०/२३(४)/७७-संस्थापन/१६४२८—निदेशक ऋग्य एवं भंडार निवेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, निम्नलिखित ऋग्य मन्त्रालयकों को, सहायक ऋग्य अधिकारी पद

पर स्थानापन्न रूप में कार्य करते हैं, रूपये 650-307-40  
35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-  
1200 के बेतन क्रम में उनके नाम के सामने प्रदर्शित  
समयावधि हैं, इसी निदेशालय में तदर्थ रूप में नियुक्त  
करते हैं :

क० संख्या	नाम	समयावधि
1. श्री एस० एन० देशमुख, 21-2-1979 से 23-3-1979 तक		
2. श्री जे० टी० नेहरुकार 9-4-1979 से 19-5-1979 तक ।		
3. श्री डी० आर० साक्षरे 23-4-1979 से 2-6-1979 तक ।		
4. श्री एन० प्रभाकरन्, 23-4-1979 से 1-6-1979 तक ।		
5. श्री एस० जी० जामसन्देकर 14-5-1979 से 16-6-1979 तक ।		
6. श्री वी० सी० वर्की, 30-4-1979 से 22-6-1979 तक ।		

सी० वी० गोपालकृष्णन  
सहायक कार्मिक अधिकारी

#### परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 25 जून 1979

सं० प ख प्र-1/8/79-प्रशासन-परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री व० क० शर्मा, फोरमैन 'क' (यांत्रिक) को परमाणु खनिज प्रभाग में । फरवरी 1979 को पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी श्रेणी एस० वी० नियुक्त करते हैं ।

सं० प० ख० प्र०-1/8/79-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री एस० सी० सुबुद्धी, फोरमैन (यांत्रिक) को परमाणु खनिज प्रभाग में 1 फरवरी 1979 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी श्रेणी एस० वी० नियुक्त करते हैं ।

दिनांक 27 जून 1979

मं० प ख प्र-1/29/78 प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री ज़फर हुसैन को दिनांक 12 जून, 1979 के पूर्वाह्न से आगले आदेश तक परमाणु

खनिज प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी श्रेणी 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं ।

एस० एस० राव  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

#### भारी पानी परियोजना

बम्बई-400 008, दिनांक जून 1979

सं० 05052/79/4121—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य अधिकारी, श्री नाडावती वेंकटेश्वर गुप्ता, अस्थायी फोरमैन, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को, उसी परियोजना में 1 फरवरी पूर्वाह्न, 1979 से आगे आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी अधिकारी श्रेणी 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं ।

सं० 05052/79/4122—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य अधिकारी, श्री मनोज कुमार चक्रवर्ती, अस्थायी फोरमैन, भारी पानी परियोजना (तलचर) को उसी परियोजना में 1 फरवरी पूर्वाह्न, 1979 से आगे आदेश होने तक के, लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अधिकारी अधिकारी श्रेणी 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं ।

क० शंकरानारायण  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

#### पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

##### भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 29 जून 1979

सं० ए० 22012 (1)/1-79ई०-I —राष्ट्रपति भारत मौसम विज्ञान विभाग में पुणी स्थित मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (पूर्वानुभाव) डा० पी० एस० पंत, को उसी विभाग में नई दिल्ली में दिनांक 21-4-1979 से और आगामी आदेशों तक, मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (भौतिक मौसम विज्ञान और भू-भौतिकी) के पद पर कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं ।

एस० क० दास  
मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक  
प्रशासन एवं भंडार

#### महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1979

सं० ए० 38013/1/79-ई० ए० —निवर्तन आगे प्राप्त कर लेने पर श्री मीर अनवर, नियंत्रक विमान क्षेत्र क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय मदास थोक, मदास एम्परेटर, दिनांक 31 मई, 1979 अपराह्न को सरकारी सेवा से निवृत हो गए हैं ।

दिनांक 20 जून 1979

सं० प० 32013/३/79-ई० प०म०—इस कार्यालय की दिनांक 15-३-७४ की समसंख्यक अधिसूचना के अम में राष्ट्रपति ने सर्वं श्री प०म० रंजन और चमनलाल को तीन माह के लिए अधिकृत 13 अगस्त, 1979 तक या ब्रेड में नियमित नियुक्त होने तक जो भी पहले हो, सामान्य शर्तों के अधीन उप निदेशक नियंत्रक वैशालिक निरीक्षण के ब्रेड में नियुक्त किया है।

वि० वि० जौहरी  
सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहरण

इन्हौर, दिनांक 27 जून 1979

सं० 8/79—श्री शेख अब्दुल, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद (प्र० श्रेणी) ने उनकी अधीक्षक, केन्द्रीय, उत्पाद शुल्क, श्रेणी, 'ख' के पदपर पदोन्नति होने पर दिनांक 14-५-७९ के पूर्वालि में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बहुदीय अधिकारी रेज-1, सागर का कार्यभार संभाल लिया।

श्री आर० के० तिवारी, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (प्र० श्रेणी) ने उनकी अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी 'ख' के पदपर पदोन्नति होने पर दिनांक 1-६-७९ के पूर्वालि में अधीक्षक (नियारक) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, प्रभागीय कार्यालय, सागर का कार्यभार संभाल लिया।

शिवन किशिनधर  
समाहरण

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 8 जून 1969

सं० 3-564/79 ई० ए०—श्री बलबीर सिंह को दिनांक 25-५-७९ (पूर्वाह्नि) से सहायक प्रशासन अधिकारी वर्ग 'ब' (राजपत्रित) के तदर्थ और अस्थाई पद पर केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में उनके मुख्यावास फरीदाबाद के साथ वेतन मान 650-30-780-35-810 ई० बी० 35-880-40-1000 ई० बी० 40-1200 के अन्तर्गत अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

बी० के० बाबेजा  
कृते मुख्य जल भू-विभ

महानिदेशक कार्यालय

केन्द्रीय लोक नियन्त्रण विभाग

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून 1979

सं० 27-ई०/टी० (15)/78-ई० सी० —  
इस कार्यालय के अधिसूचना संख्या 27 ई० टी० (15)/

78 ई० सी० 11 दिनांक 8/13 जून 1979 की चतुर्थ घंटित में दिनांक 5 जून 1979 के स्थान पर 3 जून 1979 (आगामी) समयी पढ़ा जायेगा।

वि० आर० गत्  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते नियन्त्रण महानिदेशक

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 28 जून 1979

सं० 6/5/78-प्र०-२—अध्यक्ष, केन्द्रीय प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित तकनीकी सहायकों/पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-२) मेवा में अतिरिक्त सहायक नियोग/सहायक अधियंत्रा के ब्रेड में उनके नामों के सामने दो गई तिथियों के अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न तौर पर नियुक्त करने हैं।

1. श्री बी० पी० प०म०, फौजदार, तकनीकी सहायक 3-5-1979।

2. श्री ए० के० अमिनहोबी, तकनीकी सहायक 9-5-1979।

3. श्री प्राई० ए० खान, तकनीकी सहायक 3-5-1979।

4. श्री ए०म० ए०न० मोहन्नी, तकनीकी सहायक 3-5-1979।

5. श्री बी० के० सिंगला, तकनीकी सहायक 3-5-1979।

6. श्री बी० जगन्ना, तकनीकी सहायक 3-5-1979।

7. श्री ओ० पी० अरोड़ा, तकनीकी सहायक, 4-5-1979।

8. श्री आर० ए०न० माधुर, तकनीकी सहायक 3-5-1979।

9. श्री जी० जी० पल, तकनीकी सहायक 11-5-1979।

10. श्री डी० के० बबूटा, तकनीकी सहायक 3-5-79।

11. श्री आर० के० शर्मा, तकनीकी सहायक 3-5-79।

12. श्री ए०म० के० सख्ता, तकनीकी सहायक, 4-5-79।

13. श्री ए०च० के० अडूजा, तकनीकी सहायक, 3-5-79।

14. श्री ओम प्रकाश-II तकनीकी सहायक, 3-5-79।

15. श्री मनील कुमार, तकनीकी सहायक, 4-5-79।

16. श्री यू० के० सिंघल, तकनीकी सहायक 3-5-79।

17. श्री ए०स० के० श्रीवास्तव-१, तकनीकी सहायक, 3-5-79।

18. श्री टी० सी० सान्याल, तकनीकी सहायक, 8-5-79।

19. श्री आर० ए०म० मूरजानी, तकनीकी सहायक, 3-5-79।

20. श्री टी० आर० बहल, तकनीकी सहायक, 3-5-79।

21. श्री आर० के० गर्ग, तकनीकी सहायक, 3-5-79।

22. श्री आर० सो० सुम्बाराजू, तकनीकी सहायक, 7-5-79  
 23. श्री राकेश भानोट, तकनीकी सहायक, 3-5-79  
 24. श्री चंदन राय, तकनीकी सहायक, 30-5-79  
 25. श्री आर० सो० तिवारी, तकनीकी सहायक, 3-5-71  
 26. श्री ए० के० मूह, तकनीकी सहायक, 3-5-79  
 27. श्री बट्टों सिंह तकनीकी सहायक, 3-5-79 ।  
 28. श्री ए० एस० राय, पर्यवेक्षक, 8-6-79  
 29. श्री के० एम० संघू, पर्यवेक्षक, 4-6-79 ।  
 30. श्री सुरिन्द्र प्रसाद, पर्यवेक्षक, 8-6-79

संतोष विष्वास  
अध्यक्ष सचिव

**विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय**

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

**कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय**

कम्पनी अधिनियम, 1956 के मामले में और वेस्टएन्ड बैंकिंग प्राइवेट लिमिटेड के मामले में

बम्बई, दिनांक 20 जून 1979

सं० 14690 लि० अजी स० से स्थित उच्चन्यायालय के तारीख 15-11-78 के आदेश द्वारा वेस्ट एन्ड बैंकिंग प्राइवेट लिमिटेड का परिसमाप्त करने का आदेश दिया गया है।

(ह०) अपठनीय  
कम्पनियों के सहायक रजिस्ट्रार

“कम्पनी अधिनियम 1956 और फ्लोरिंशिंग हाइसपरचेज फाईनेंस एन्ड चिटफॉड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 27 जून 1979

स० जी० स्टेट/560/28-86/2497—कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि फ्लोरिंशिंग हाइट परचेज फाईनेंस एन्ड चिटफॉड, प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और गुरुरामदास फाई-नेन्सियर्स एन्ड चिट फन्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 27 जून 1979

स० जी० स्टेट/560/3133/2504—कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गुरुरामदास फाईनेन्सियर्स एन्ड चिट फन्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

“कम्पनी अधिनियम 1956 और मलिक लकी स्कीम एन्ड फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 3 जूलाई 1979

सं० जी० स्टेट/560/2798/—कम्पनी अधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मलिक लकी स्कीम एन्ड फाईनेंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

मत्य प्रकाश तायल  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़

कम्पनी अधिनियम 1956 और ट्रेडकेमिकल एन्ड एड्हेसिव कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 27 जून 1979

सं० (842) 4/560/78-79/1231—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि ट्रेड केमिकल एन्ड एड्हेसिव कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिदियम, 1956 और रायसाहब एम० ग्रोस एन्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 30 जून 1979

सं० (268) 3/560 78-79/1265—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर राय साहब एम० ग्रोस एन्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

पी० के० चटर्जी  
कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार पटना

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हिन्दुस्तान ट्रावल्स एन्ड पवर मिल लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 28 जून 1979

सं० 3709/560 (5)/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद-

द्वारा सूचना दी जाती है कि हिन्दुस्तान ट्रावल्यम् एन्ड पवर मिल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बेणिला ट्रान्सपोर्टिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मंद्राम, दिनांक 28 जून 1979

सं० 3727/560 (3)/79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बेणिला ट्रान्सपोर्टिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और टी० बी० एन० बम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मंद्राम, दिनांक 28 जून 1979

सं० 4404/560 (3)/79 कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर टी० बी० एन० बम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया

तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सी० अच्युतन,  
कम्पनियाँ का महायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बालकृष्ण शाह एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 29 जून 1979

सं० 239/टेक/1593—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मै० बालकृष्ण शाह एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड काम नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेर्सर्ज कन्डोर्झ एन्ड सराफ प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 29 जून 1979

सं० 722 टेक/1594—कम्पनी अधिनियम, 1956 की की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मै० कन्डोर्झ एन्ड सराफ प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना  
कम्पनी रजिस्ट्रार,  
मध्य प्रदेश, ग्वालियर

प्रवृत्त आई० दी० एन० एस०----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालिय, मध्ययक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्स/III/7-79/356—यतः  
मुझ, डी० पी० गोयल

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
हाए से अधिक है

और जिसकी सं० 6711 ब्लाक 9-बी है, तथा जो देवनगर करोल  
बाग नई दिल्ली में स्थित है (अग्री इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 अक्टूबर, 1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की वाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मे, उक्त अधिनियम, की धारा २६९-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्यादा:—

(1) श्रीमनी ममिन्दर कौर पात्नि सरदार निर्मल सिंह  
निवासी 6711 ब्लाक 9-बी देव नगर करोल बाग  
नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री मीताराम पुत्र श्री ओमकार मल निवासी  
मकान नं० 6711 ब्लाक 9-बी०, देव नगर करोल  
बाग नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति न अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राम्येष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की वापील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन ने भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण.——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहों प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

एक छाई मंजिला पक्का बना मकान म्युनिसिपल नं०  
6711 वार्ड नं० 16 जो लीजहोल्ड प्लाट नं० 20 खमरा नं०  
279/152 पर बना है, ब्लाक 9-बी थोकफल 77 वर्ग गज  
है गली नं० 8, प्यारेलाल रोड करोल बाग नई दिल्ली में  
निम्न प्रकार से स्थित है:—

उत्तर: प्यारे लाल रोड

दक्षिण: गली नं० 8

पूर्व: मकान नं० 6712

पश्चिम: मकान नं० 6710

डी० पी० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1 ।

तारीख: 3-7-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०-III/7-79/358—अतः  
मुझे, डॉ० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है  
और जिसकी सं० सी०-58, है तथा जो शिवाजी पार्क रोहतक  
रोड नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावस्था अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
9-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
क्षमित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी पार या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, युक्त अधिनियम की द्वारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) श्रीमति सुशीला कुमारी पत्नि श्री देवराज अरोड़ा  
निवासी सी०-58, शिवाजी पार्क रोड, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)

(2) श्री नरेश कुमार जैन पुत्र श्री रामसिंह जैन  
निवासी मकान नं० 3361, दीनगढ़ नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजाव्व में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वाह निसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाहस्ताक्षरी के  
साथ लिखित रूप जा सकेंगे

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रपुत्र श्रव्यों और पत्नी का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही प्रथम दोनों जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक मंजिला मकान जिसमें दो बैठ रूमस, एक ड्राईंग  
व डाइनिंग एक गैरेज, एक रसोई, एक डब्ल्यू सी० व एक  
लैट्रिन कम बाथ रूम जो प्लाट नं० सी०-58 क्षेत्रफल 418  
घर्गं गज पर बना है कालोनी शिवाजी पार्क, रोहतक रोड,  
एरिया, गांव मादीपुर दिल्ली राज्य दिल्ली में निम्न प्रकार से  
स्थित है:—

उत्तर: मकान नं० ए०-48/49

दक्षिण: सड़क

पूर्व : मकान नं० सी०-60

पश्चिम: मकान नं० सी०-56

डॉ० पी० गोयल,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख: 3-7-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 जुलाई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०-III/7-79/357—अतः  
मुझे, डी० पी० गशयन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिकारम्' कहा गया है), को धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विवास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
लप्ते से अधिक है

और जिसकी सं० जे०-3/137 है तथा जो राजीवी गाँड़न नई  
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 7-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दूरगमान प्रतिफल से, ऐसे दूरगमान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बावजूद उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कावस एम० देसाई पुत्र श्री एम० सी० देसाई  
निवासी जे-3/137, राजीवी गाँड़न नई दिल्ली  
इनके जनरल अटोरनी श्रीमति मेहरू मानक  
देसाई।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमति नीलम खुल्लर पति श्री एस० आर०  
खुल्लर निवासी जे०-3/137 राजीवी गाँड़न,  
नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बंधी अवक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

एक मंजिला मकान जो की होल्ड प्लाट नं० 137 ब्लाक  
जे० क्षेत्रफल 160 वर्ग गज पर बना है राजीवी गाँड़न  
एरिया गंगा ततारपुर दिल्ली राज्य दिल्ली में निम्न प्रकार  
से स्थित है :—

उत्तर : लॉन

दक्षिण : मकान नं० जे०-3/136

पूर्व : सर्विस रोड

पश्चिम : सर्विस लेन

डी० पी० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

पृष्ठ पाईदूरी ३० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली दिनांक 3 जुलाई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एस्य०-III/7-79/359—ग्रतः  
मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस०-15 है तथा जो अजय इन्कलेव, गांव  
तिहार नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुभूति  
में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
नय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-1-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
द्वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री फकीर चन्द पुरी पुत्र श्री केशो नाथ पुरी  
निवासी आर० 8, इन्द्रा मार्किट सड़की मण्डी,  
दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश लाल तलवार पुत्र श्री राम रखा  
मल व उनके पुत्र श्री भारत भूषण तलवार  
निवासी डी० वी० अजय इन्कलेव नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेष्टः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बनुसूची

मकान नं० एस०/15 खमरा नं० 301/1 अजय इन्कलेव  
कालोनी गांव तिहार दिल्ली राज्य दिल्ली में निम्न प्रकार  
से स्थित है।

उत्तर: प्लाट नं० एस०/14  
दक्षिण: प्लाट नं० एस०/16  
पूर्व: सर्विस लेन  
पश्चिम: सर्विस लेन

डी० पी० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख: 3-7-1979

मोहर:

प्रकृष्ट पाई टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा

269वां (1) न मध्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर मायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज III, दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 3 जुलाई 1970

निदेश सं० आई०ग० सी०/एक्य०-III/7-79/360—अतः  
मुझे, डी० पी० गोयल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269वां के मध्यीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिनकी सं० एफ०-26 है तथा जो ग्रीन पार्क नई दिल्ली  
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्हरी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली  
में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के तारीख 28-11-1978को पूर्वोक्त वंशान्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का दावा गृहि कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उमक दृश्यमान प्रतिफल से, एम दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति  
प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे भस्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाय-  
विक रूप में रखित नहीं किया गया है:—(क) प्रस्तरण म हुई क्रमी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
ने या उमन बचने में सुविधा न निए; और/या(ख) क्रमी किसी आय को किसी गृहि ग्रन्थ आमियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
प्रनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 37)  
के प्रदाननाथ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, लिपाने के सुविधा  
के लिए;अतः अ३, उक्त अधिनियम का धारा 269वां के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269वां के उप-धारा (1)  
के मध्यीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) श्री सरवन मिह पुव मिनहान सिंह निपासी सी-  
3/4 रोना प्रताप बाग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश कुमार पुव श्री ओम प्रकाश नायर  
निपासी ग्राम-८ ग्रीन पार्क नई दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
निए कार्यालयी करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितवद्दि किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरों  
के पास निवित में हिए जा सकेंगे।साक्षीकरण:—मैंने प्रदूषन एवं दौर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के द्वाया 20-ए में  
परिभाषित हैं, उन्हीं पर होगा, जो उस  
स्थावर में दिया गया है।

## अनुसूची

एक छाई मंजिला रिहायशी मकान जो कीहौल्ड प्लाट  
नं० 26 ब्लाक एक अधिकारी के दायित्व में कमी  
ग्रीन पार्क नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

उत्तर : प्लाट नं० एफ-25

दक्षिण : प्लाट नं० एफ-27

पूर्व : सड़क

पश्चिम : प्लाट नं० एफ-59

डी० पी० गोयल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-१।

तारीख : 3-7-79

मं हृ:

प्रस्तुत पाई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 प(1) के भवीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, यहावर मायकर प्रायुक्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/ग्राम्य०-III/7-79/361—  
अतः मुझे, डी० पी० गोयल

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उथा अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-के भवीत सूचना प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति; जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए०-7 है तथा जो इन्द्रपुरी नई दिल्ली में  
स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 13-11-1978 को

पूर्वोन्न संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान्त  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
बूझमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमाण प्रतिशत  
ग्राह्य है और अन्तरक (प्रत्यक्षी) और अन्तरिती (अन्तरि-  
तियाँ) के बीच ऐसे सम्बन्ध के लिए तथा पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यात्रिका गप से  
कथि। नड़ी किया गया है:—

(ए) इसका नं० ए० डिसी प्राय की बाबत उक्त  
अधिनियम, 1961 के बोते से उन्नर के दायित्व  
में वैसी जो दृश्यान्त से उक्त संपत्ति के लिए<sup>1</sup>  
निम्नलिखित;

(ब) ऐसी वैसी चाय या फिर बन दी गई आस्तिना  
को, 'जनै भारतीय मायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या उन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ प्रतिरिती द्वारा अकेले ही किया गया;  
या या फिर जाता राफि या छिपाने में सहायता  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-के गम्भीरण में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-की उपधारा (1) के  
अपोन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री वेद प्रकाश वकील ए-112, इन्द्रपुरी नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती बदामी देवी (2) चरन मिह (3) कमल-  
कुमार (4) मंगल मिह (5) विनोद कुमार  
निवासी 6125 नवी करीम नई दिल्ली।

जो यह सूचना बारी करने वाले प्रतिक्रिया के अंतर्गत के  
निए कार्यवाही शुरू होता है।

उक्त संपत्ति के उचित से पूर्वोक्त संपत्ति में कोई शा शावेत —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पंचांगी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
कियो व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन वे भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितयदा  
किये गये व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के गम्भीर  
लिपिन द्वारा जारी करें।

प्रधानमंत्री नं०-हमें प्रयुक्त गवर्नर जी के पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के विधाय 20-के में  
परिभाषित हैं, जी अच्छे होगा जो उस  
अधिकार में विद्या जाए है:

### अनुसूची

एक डेंड्र मंजिला मकान नं० ए०-7, क्षेत्रफल 207 1/2  
वर्गमीटर, इन्द्रपुरी नई दिल्ली में निम्न प्रकार में स्थित है:—

उत्तर: लैन 10 फुट

दक्षिण: सड़क 30 फुट

पूर्व: सड़क 40 फुट

पश्चिम: मकान नं० ए०-8

डी० पी० गोयल,  
मकान प्राप्तिकारी,  
महायह आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज III, नई दिल्ली-1।

तारीख: 3-7-76

मोहर:

प्रकाश भाई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०-I/एस०आर०-III/  
10-78/731—अतः मुझे, अंजनी औजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इकड़े से अधिक है

और जिसकी संभाया कास्तकारी जमीन है तथा जो गांव सुलसान पुर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षहूँ प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक (अत्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा तथा प्रतिफल, निभाविति उद्देश्य के उक्त प्रकाटन की गयी तथा उक्त प्रतिफल, निभाविति के लिए नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अत्तरक के दायित्व में कमी करने या लक्ष्य में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रदोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्रुविक्षा के लिए;

अतः मध्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निभाविति अधिकारी, अर्थातः—

(1) कुमरानी जया राज्य लक्ष्मी शाह पत्नि ले० कर्नल महाराज कुमार साहूल बिक्रम शाह व कुनवारानी महिमाणाह पत्नि श्री राजकुमार मागर बिक्रम शाह इनके अटाँरिनी राजकुमार मागर

3-156GI/79

बिक्रम शाह पुत्र श्री महाराज कुमार साहूल बिक्रम शाह, 17 पुर्वी मार्ग नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति मुमत बंशीलाल पत्नि श्री बंशीलाल निवासी एफ-18, एन० ई० एस० ई० पाट०-१ नई दिल्ली । (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है ।

उक्त समाति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाये में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे ।

प्रबंधीकरण :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

कास्तकारी जमीन 23 औरा 5 बिस्वा जिनके खसरा नं० नीचे दिये हैं द्यूबैल व फेंसीग वायरस के साथ है ।

खसरा नं० एरिया]

96/2	(1-0)
78/2	(1-0)
6	(4-16)
12	(4-16)
22	(4-16)
96/26	(2-1)
78/19	(4-16)

जो गांव महारौली में स्थित है ।

अंजनी औजा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख : 3-7-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-य(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1,

दिल्ली-1, तारीख 5 जुलाई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०-III/10-78/697—अतः मुझे, अंजनी ओजा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के प्रधीन संक्षेप प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 23 है तथा जो सेंट्रल लेन (बंगाली मार्किट) नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाभूत अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी का कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 12-10-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के निए अनुरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पूर्ण प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अंतर, निम्नलिखित प्रक्रियां, प्रयोग:—

(1) श्री मोहिन्दर प्रशाद जैन पुत्र स्वर्गीय श्री महाबीर प्रशाद जैन निवासी 25 सेंट्रल लेन नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री प्ररुप कुमार (2) अनील कुमार (3) रविन्द्र कुमार पुत्राण स्वर्गीय श्री गंगा प्रशाद (4) श्रीमनी राज लक्ष्मी पति श्री विष्णु कुमार निवासी 1688, गली पराठे वाली चान्दनी चौक दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्थानोक्तरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० 23 सेंट्रल लेन जो 300 वर्ग गज के प्लाट पर बना है, ब्लाक 205-सी० प्लाट नं० 60 है बंगाली मार्किट नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

उत्तर: 25 सेंट्रल लेन नई दिल्ली

दक्षिण: 21 सेंट्रल लेन नई दिल्ली

पूर्व : सड़क

पश्चिम : खेल का मैदान

अंजनी ओजा

मकान प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 5-7-1979

मोहर:

प्रकाश प्राइंटी ट्रॉ एन्ड एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1,

दिल्ली-1, तारीख 4 जुलाई 1979

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर०- 11-  
78/785—अतः मुझे, अर्जनी श्रोजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 91 है तथा जो नेशनल पार्क लाजपत नगर नई  
दिल्ली में स्थित है (प्रीत इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई  
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के प्रधीन, तारीख 11-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी छन या प्रथा प्राप्तियों  
को, जिन्हें पारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया  
वा या किसी जाना आहिए वा, किसाने में सुविधा के  
लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसर  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपचारा (1)  
के अधीन विभिन्न अधिकारी, पर्यात :—

(1) श्री राजेश्वर कपूर पुत्र श्री केशवा नन्द निवासी  
35-ए०, निजामुद्दीन पूर्व नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्रीमति सुशोभा रानी परिन श्री डॉ पी० सिंह  
निवासी 1, नेशनल पार्क नई दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वी अधिकारी वर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी भी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**इष्टीकारण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसंधान

एक प्लाट जिसका नं० 91, क्षेत्रफल 200 वर्ग गज  
है, नेशनल पार्क, लाजपत नगर में नई दिल्ली में स्थित  
है।

अर्जनी श्रोजा  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4-7-1979

मोहर :

## प्र० प्र० प्र० आई०टी०एम०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

बारा 269वां (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-1

तारीख 4 जुलाई 1979

निवेश सं० आई०ए०सी०/एक्य०-I/एम० आर०-III  
10-78/696—अतः मुझे, अर्जनी ओजाआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी बारा 269वां  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० 76 (दूकान) है तथा जो भगत निह  
मार्किट नहीं विल्ले, में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुगृह,  
म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
नहीं दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 9-10-1978 को  
दूर्बोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित का गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, तेसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रतिगति से अधिक है और अनुरक्त (प्रन्तरका) भी र  
प्रस्तुरितों (प्रमाणितियों) के बोच ऐसे प्रस्तुरक के लिए तब पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के प्रस्तुरक के कायित्र न  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
ओर/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयन्दर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनावं प्रस्तुरिती प्राय प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की प्राय 269वां के प्रनुस्तरम  
में, मैं, उक्त अधिनियम को बारा 269वां की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्जनी—

(1) आ रामनाथ पुत्र श्री अनन्त राम निवासी इ-  
160, बी० क० दत्ता कालोनी नई दिल्ली  
(अन्तरक)

(2) श्री रोपनलाल खांडपुर पुत्र श्री हरबन्स सिंह  
खांडपुर निवासी क्यू०-49, डी० एस० लाजपत-  
नगर, नई दिल्ली (अन्तरित)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के नम्बर में कोई भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी अवधियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी अवधि द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़  
किसी अन्य अवधि द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रस्तोकरण :-**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के प्रधाय 20क में परिभाषित हैं, वही  
मर्यादा होगा जो उन प्रधाय में दिया गया है।

अनुत्तमी

एक सरकारी बनी दूकान न० 76 क्षेत्रफल 399 वर्गफुट  
2/3 ग्राउण्ड फ्लोर की दूकान व 1/3 पहली मंजिल का  
फ्लैट, भगतसिंह मार्किट नहीं दिल्ली में स्थित है।

अर्जनी ओजा  
सकाम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 4-7-1979

मोहर:

प्रस्तुप आर्द्ध० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 जून 1979

निवेश सं० ए० आर०-II/ए० पी० 302/79-80—अतः  
मुझे, वी० एम० शोषाद्रि

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
वाहार मूल्य 25,000/- इयरे से अधिक है  
और जिसकी संख्या सी० टी० ए० स० 853, 853/1, 853/2,  
853/3, 853/6 है तथा जो मरोल में स्थित है (और  
इससे उपावद अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीन-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय में बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख 22-12-1979  
(विलेख सं० स० 1033/78) को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) पौर अन्तरिती (अरित्तियाँ) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्पष्ट से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावजूद उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम; आ  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनाले अन्तरिती द्वारा प्रकट भी किया  
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा

(1) के अल्ला निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नील जैन क्राइडो (2) ड्रायल अंथनी क्राइडो  
(3) विनस्टन जॉनेफ क्राइडो (4) को लिन व्हीकटर  
क्राइडो (5) अंसटोर वॉमस क्राइडो (अन्तरक)

2. मेसर्स एल० एल० बिल्डर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अस्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंध बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से  
किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किए  
अन्य अवित्त द्वारा, अधोदृस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होता है। जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 103/78 बम्बई उपरजिस्ट्रे-  
टर अधिकारी द्वारा दिनांक 22-12-78 को रजिस्ट्र किया  
गया है।

क्षी० नृस० शोषाद्रि,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बम्बई।

दिनांक: 28-6-1979

मोहर:

प्रकल्प घाइ० टी० एन० पस०—

आयकर प्रधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की वारा

२६९ च (१) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक २९ जून १९७९

निदेश सं० ए० आर० ४/८६४/७९-८०—अतः मुझे,  
ज्ञाह० एस० शेषांत्री।

आयकर प्रधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा जाय है), की  
अतः ३६९-व के प्रधीन संबंधम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य २५,०००/- रु० में प्रतिक है।

और जिसकी सं० सर्वे नं० ७४ अंग सं० टी० एस० ५६४ है  
तथा जो मुलुंड गांव में स्थित है (और इससे उपावद  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधि-  
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
१९०८ (१९०८ का १६) के अधीन दिनांक ४-१२-१९७८  
(विलेख सं० सं० १४३४/७८) को।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की जाई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रतिक है और अन्तरक  
(अन्तरक्षी) और प्रत्यक्षी (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
दराव से उक्त प्रत्यक्ष विविध में वास्तविक रूप से उचित  
नहीं किया जाय है:—

(क) अन्तरण से ही किसी बात की बाजार उक्त  
प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के बाबत के  
शावित्र में कमी करने या उससे बचने में  
तुलिका के लिए; बांर्य/या

(क) ऐसी किसी प्राप्त या किसी बन या गम्भ आस्तियों  
को, जिन्हे सारसोय आयकर प्रधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त प्रधिनियम, या  
अन्तरकर प्रधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
के प्रयोगमाने प्रत्यक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया  
जाय या या किया जाना आवृद्ध या, छिपाने  
में सुविदा के लिए;

अतः, यदि उक्त प्रधिनियम की वारा २६९-व के  
अनुसरण में, ये, उक्त प्रधिनियम की वारा २६९-व की  
उपाधारा (१) के प्रधीन निम्नलिखित अवक्षितों, अतः:—

(१) श्री लक्ष्मण मारया भोर, आंनंदीबाई लक्ष्मण भोर  
(अन्तरक)

(२) श्री बघोस्तवा आंबेडकर को० हाऊसींग सोसायटी  
लि० (अन्तरिती)

ओ वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यालयाद्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के रास्तन्य में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
मूल्याने की तारीख में ३० दिन की प्रवधि  
जो भी प्रतिक बाद में समाप्त होती है, के  
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति  
द्वारा;

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
दित्यद जिसी प्रथा व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**प्रधीनकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रधाय २०-क में परिमाणित  
हैं, वही ग्रंथ होगा जो उस प्रधाय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० १४३४/७८ बम्बई उप-  
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक ४-१२-७८ को रजिस्टर  
किया गया है।

ज्ञाह० एस० शेषांत्री,  
सक्तम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बम्बई।

दिनांक: २९-६-१९७९

मोहर:

प्रहृष्ट प्राई. टी० एन० एन०—

(1) श्री जेम्बूदास

(अन्तरक)

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) प्राना० टेक्स्टेन्स्प्र

(अन्तर्गतों)

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 फरवरी 1979

निदेश सं० 41/ ग्रो० मा० पी०/78—ग्रत: मुझे,  
ओ० आनन्दराम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन सवाल प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० है प्रधिक है

और जिसकी सं० है, जो नागरकोवील में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, नागरकोवील (डाक० सं० 3654/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृद्धमान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृद्धमान प्रतिफल से ऐसे बृद्धमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरित मिलित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अनुरित से हुई किसी धारा की बाबत, उक्त अधिनियम के वधीन कर देने के प्रस्तरक के दाविद्वय में कमा करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

64 सेंट भूमि और घर, नागरकोवील में।

(ब) ऐसी किसी धारा या किसी घन या ग्रथ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनामं अन्तरितो हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ओ० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, मद्रास।

गत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपचारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्चात ।—

दिनांक : 1-2-1979

मोहूर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम० ——

(1) श्री डी० वो० चंद्रिराज श्रीए० अदरस

(अन्तरक) ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री प० ए० पलनीगल चेंट्रीया०

(अन्तर्गत)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मार्च 1979

निदेश सं० 44/ श्रो० स०० टो०/78—यतः, मुझे,  
श्रो० आनन्दराम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन भक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर भवन, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
इ० से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 1 है, जो कासी मेस्टी स्ट्रीट,  
दरमपुरी में स्थित है (श्रो० हमसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रो० पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम०  
श्रा० श्रो०, दरमपुरी वेस्ट (डाक० सं० 1087/78) में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 26-10-78 को

पूर्णकांत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अनुदृष्टि से अधिक है  
और अस्तरक (अन्तर्को) और अन्तरिती (अस्तरितियों) के  
बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है—

को यह सूचना आरी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए  
कार्यालयाद्वारा करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के पम्बन्ध में कोई भी प्राप्तिप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त हो गी हो, के भीतर पूर्वान्त व्यक्तियों में  
में किसी व्यक्ति का द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में  
किये जा सकें।

**इकट्ठीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के प्रध्याय 20 के परिभाषित है, वही  
पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

(ख) अस्तरण न हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दृश्यमान  
में कमी करने पा इससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/था

अनुसूची।

भूमि श्रो० चर, डोर सं० 1, कासी मेस्टी स्ट्रीट, दरमपुरी  
में।

श्रो० आनन्दराम,  
भक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, मद्रास।

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के प्रमुखरूप में,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अवार्ता :—

तारीख: 2-3-1979  
मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी. एम. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा  
269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 20 अप्रैल 1979

निवेदण सं. 13/अमटू०/78—आतः मुझे, ओ० आनन्दराम प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 186 है, जो देवांगर स्ट्रीट, पलनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीरर्टा अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० ओ० I, पलनी (डाक० सं. 1308/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-10-1978

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टय- मान प्रतिफल के लिए प्रमत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी छन या अन्य प्रासितियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ओ० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, मद्रास।

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के प्रनुष्ठण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित अविवादित, अवार्ति :—

(1) श्री आर० सोरीराजुलु चेट्टीयार (अन्तरक)

(2) श्री जनवा मेहमूब नीवा (अन्तरिती)

जो यह सूचना बारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी घासेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, और भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुवौकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ पर्व होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

भूमि और घर, डोर सं. 186, देवांगर स्ट्रीट, पलनी में।

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की बारा 269-व के प्रनुष्ठण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित अविवादित, अवार्ति :—

प्रकृष्ट प्राप्ति दी॰ एन॰ एस॰—

(1) श्री आर० मुन्द्रेसन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 मई 1979

निवेश सं० 10/प्रकृष्ट०/78—यतः मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 49-एन०-1 है जो होल्ड बरिमल ग्राण्ड रोड डिङ्गुगल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-III डिङ्गुगल (डॉक० 1662/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 31-10-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखत में बास्तविक रूप से करित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रस्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अधिकारी, पर्याप्त—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही मर्यादित होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 9, होल्ड बरिमल ग्राण्ड रोड, डिङ्गुगल।

ओ० आनन्दराम,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
प्रर्जन रेज, मद्रास।

तारीख : 7-5-1979  
मोहर :

प्रस्तुप थाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, तारीख 20-5-1979

निदेश सं० 35/अक्टू०/78—यतः मुझे, ओ० आनन्दराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 129, 130 और 131 अंगपानायकन स्ट्रीट मद्रास में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०ए० अरा०-१ मद्रास नार्थ (4060/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 अक्टूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्दरूनी प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाहर उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी व्यवय या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के प्रत्युत्तरमें, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अवार्ता:—

(1) श्री मदन मोहन जी मन्दिर द्रस्ट

(अन्तरक)

(2) (1) सर्वश्री ए० एम० ईदरीस (2) ए० जी० अताल्ला (3) ए० जी० लक्मन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बाबत के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वित्तबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वचौकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण 129, 130, और 131 अंगपानायकन स्ट्रीट मद्रास-१

ओ० आनन्दराम  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-१, मद्रास।

तारीख : 20-5-1979

मोहर :

प्रकल्प घाई० टी० एन० एस०---

आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, तारीख 20-5-1979

निदेश सं० 40/श्रोक्टो०/78—यतः मुझे, श्रो० आनन्द-  
राम

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11, मिल्लरस रोड कीलपाक मूद्रास-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०ओ०-I मद्रास नार्थ (4278/78) भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अक्टूबर, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षित (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(अ) अस्तरण से हुई किसी याय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक ये कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी याय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः इन उक्त प्रधिनियम की बारा 269 व के प्राप्तरण में, उक्त प्रधिनियम की बारा 269 व की उपलब्धारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित अपक्रियाओं, अवृत्त—

- (1) श्री नेसमणि डेनियल जोस फारअमला बंगाल (अन्तरक)
- (2) (1) तर्मराज मोचम फरनन्डे (2) बेनिलडस निमल फरनन्डो (3) फांसिस न्यूटन फरनन्डो (4) बरनार्ड नवीन फरनन्डो (5) फांसिस किस फरनन्डो (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अपक्रियाओं पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपक्रियाओं से किसी अपक्रित द्वारा प्रश्नोद्देशाभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।
- (ब) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपक्रित द्वारा प्रश्नोद्देशाभारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**अपक्रितरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण नं० 10, मिल्लर रोड, कीलपाक, मद्रास-10

श्रो० आनन्दराम  
सक्षम प्रधिकारी  
सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण)  
ग्रन्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 20-5-1979  
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एन० एस०  
प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 मई 1979

निर्देश सं० 21/प्रकृतो०/78—यतः मुझे, आ० आनन्दराम,  
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 223, 224, 225 और 226 सेलम रोड़,  
तिरुचंगोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्रधिकारी के कार्यालय, एस०  
आ० आ० तिरुचंगोड (1409/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
अक्टूबर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्  
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक से रूप से छपित नहीं किया गया है।—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व प्रम्य प्राप्तियों  
को जिस्ते भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थं प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के  
लिए।

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्राहीतः—

1. (1) श्री सी० लक्ष्मीयामाल  
(2) श्री सी० रघुचन्द्रन  
(3) श्री सी० विजयकुमार  
(4) श्रीमती जयंती

(अन्तरक)

2. (1) श्री आ० लोगनाथन  
(2) श्री आ० स्वामिनाथन  
(3) श्री आ० रघुनाथन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मद्रास

निर्माण डोर नं० 223, 224, 225 और 226 सेलम  
रोड़, तिरुचंगोड।

ओ० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख 24-5-79  
मोहर।

## प्रारूप घाई० टी० एन० इस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1979

निर्देश सं० 9/अक्तू०/78—यत् मुझे, श्रो० आनंदराम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 173 और 174 है जो बंगलो स्ट्रीट तिरुचंगोड़ में स्थित है (और इसमें उपावद्व में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, एम० आर० श्रो० तिरुचंगोड़ (1453/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्वीकृत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्थि विशेष से प्रधिक है और अन्वरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्वरण से हृदृ किसी आय की वावत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के शायित्व में कभी छरने या उससे छरने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रतिक्रियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पातः—

(1) श्री एम० आर० राजन

(अन्तरक)

(2) श्री टी० आर० कुमारराजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आइ में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताकरी के पास सिखित में किये जा सकें।

**इष्टोक्तरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों पीर पर्दा का, जो सूक्ष्म प्रधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रथाय में विद्या गया है।

अनुसूची

निम्नांग डोर नं० 173 और 174 बंगलो स्ट्रीट तिरुचंगोड़

श्रो० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, मद्रास

तारीख 26-5-1979

मोहर:

प्रस्तुत आई० दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

### 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 मई 1979

निर्देश सं० 19/अक्टू/78—यतः मुझे, ओ० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 253/2ए 1ए तिरुपत्र-नकुड़रम गांव तिरुपत्रनगुनरम पंचायत मदुरै डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ओ० मदुरै (1041/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीनियम तारीख अक्टूबर 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तररण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व मन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए:

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) अधीन अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती राधा लाजपति

(2) श्रीमती वी० आर० विमालझी के मार्फत रवि एंड कम्पनी, मदुरै।

(अन्तरक)

2. (1) श्री के० एन० के० एस० के० एन० सोकलिन्गम चेतियार

(2) श्रीमती के० एन० एस० मीनाक्षी आची (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तिरुपत्रनकुड़रम व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में तिहबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और फैक्टरी निमाण आर० एस० नं० 253/2ए 1ए तिरुपत्रनकुड़रम गांव तिरुपत्रनकुड़रम पंचायत मदुरै डिस्ट्रीक्ट

ओ० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 26-5-79

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी ० एन० एस०-----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 मई 1979

निर्देश सं० ३/ अक्टूबर/78—यतः मुझे श्रो० आनंदराम मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 73/4 डी एक पी० पट्टी मेट्रोर डेम में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्रधिकारी के कार्यालय, एस० आर० श्रो० मेचेरी (डोक्यू नं० 1802/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षकों) और प्रत्यक्षिती (प्रत्यक्षितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी आय की बावजूद उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्ति को जिन्हें भारतीय मायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थं प्रत्यक्षिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के प्रत्यक्षरण में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात् :—

(1) श्रीमती वल्ली अम्माल

(अन्तरक)

(2) लक्ष्मी थियेटर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ किसी भव्य व्यक्ति द्वारा प्रत्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रारूपों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रो० श्रो० सी० नं० 1802/78

भूमि और थियेटर विलिंग एस० नं० 73/4 डी० एक पी० एन० पट्टी मेट्रोर डेम सेलम डिट्रिस्ट।

श्रो० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 29-5-1979

मोहर :

प्रकरण प्राइंट टी० एन० एस० ——  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269वाँ(1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-1, मद्रास कार्यालय  
 मद्रास, दिनांक 31 मई 1979

निर्देश सं० 17/अक्टूबर/78—यतः मुझे श्रो० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 वाँ के अधीन संक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जितका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 8, बेसन्त रोड, सोक्कीकुलम मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबन्द में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जै० एस० आर० 1, मदुरै (आक नं० 3844/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1978 को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अनुसृति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य ग्राहकों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जावा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 वाँ के अनुसार में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269 वाँ की उचावारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवादि :—  
 5—156GI/79

(1) श्रीमती सरस्वती अम्माल

(अन्तरक)

2. (1) श्री एस० विद्यमार नाथार  
 (2) श्री सिवसुभरमनियम  
 (3) श्री सुरेश और  
 (4) श्री आनंद (नाबालिंग) (अन्तरित)

को यह सूचना आदी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अधीन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एडमीकरण :—इसमें प्रदूषस शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयोग होगा, जो उस अधाय में दिया गया है।

अनुसूची

आकुमेन्ट नं० 3844/78-जै० एस० आर०-1, मदुरै भूमि और निमाण डोर नं० 8, बेसन्त रोड, सोक्कीकुलम, मदुरै।

श्रो० आनंदराम,  
 संक्रम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख: 31-5-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटो० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा  
२६९व (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, विनांक ३१ मई १९७९

निर्देश सं० २४/शक्तवर/७८—यतः मुझे थो० आनंदराम, प्रायकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९व (१) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सखे नं० ५८७/४, ५८९/९, ५८९/६ और ५८९/१ अग्रीकलचरल भूमि, अम्पमपालमम गांव डिन्डुगल तालुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे० एस० आर० I, डिन्डुगल (डाक ५४८/७८) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख अक्टूबर १९७८ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या सक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९३७ का २७) के प्रयोजनावे अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः, प्रत, उक्त अधिनियम की धारा २६९व के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा २६९व की अधीकरण (१) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अपारतः—

- (१) श्री मोहम्मद सलीक
- (२) श्री शाहूक अमीद
- (३) श्री अब्दुल करीम
- (४) श्री अब्दुल मजित
- (५) श्री अबुबकर
- (६) श्री सिकन्दर।

(अन्तरक)

२. श्री नेता मोहम्मद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निये एतद्वारा कार्यवाहिया सुझ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहीप :—

(क) इस सूचना के राजान्न में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, अषोहस्ताक्षरी के पास तिलिन में फ़िए जा सकेंगे।

इन्द्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गय है।

डाकुमेन्ट नं० ५४७/७८ जे० एस० आर० I, डिन्डुगल अग्रीकलचरल भूमि सर्वे नं० ५८९/४, ५८९/३, ५८९/६, ५८९/१ अम्पमालमम गांव डिन्डुगल तालुक।

श्रो० आनंदराम,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: ३१-५-७९

मोहर :

प्रकृष्ट प्राप्ति दी० एवं० एस०-----

(1) श्रो के० एम० वेनाटेस्वररत्न

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(अन्तरक)

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

(2) (1) श्रीमती ए० डी० जया

भारत सरकार

(2) श्री ए० डी० जौ० डरमाम्बाल

कार्यालय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)

(3) श्री ए० डी० जौ० प्रेमा

अर्जन रेज 1, मद्रास

(4) श्री ए० डी० मसिकला।

(अन्तरिती)

मद्रास, दिनांक 14 जून 1979

निर्देश सं० 11/प्रकृष्टबूर्झ/78—यतः मुझे श्रो० आनंदराम, शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 70, तमिल सनाम रोड मदुरै में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय एम० आर० श्रो० पुतुमन्डपम (डाकु० 1861/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख प्रकृष्टबूर्झ 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तुरकों) और अन्तरिक्षीय (प्रस्तुरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धि में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से ही किसी प्रावृत्ति वाले बावत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तुरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्रावृत्ति या किसी घन या पन्थ प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 ए० 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया गया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रबृत्त उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन ननिम्नलिखित व्यक्तियों, वर्ता :—

(1) श्रो के० एम० वेनाटेस्वररत्न  
(2) (1) श्रीमती ए० डी० जया  
(2) श्री ए० डी० जौ० डरमाम्बाल  
(3) श्री ए० डी० जौ० प्रेमा  
(4) श्री ए० डी० मसिकला।

(अन्तरिती)

को पढ़ सूचना जारी करके एवं० सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**सम्प्रीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्द भार पदा का, जो उक्त प्रधिनियम, के अन्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही पर्य दोगा, जो उसके प्रस्तुरितियों में दिया गया है।

अनुसूची

भाकुमेटल 1861/78 भूमि श्रो० निर्माण डोर न० १० तमिलनगर रोड मदुरै।

श्रो० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीख 14-6-79

मोहर :

प्रात्प्र शार्दूली० एम० एस०—————

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन गृहना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-१ मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 25/अक्टूबर/78—यह मुझे श्रो० आनंदराम, सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 5, जनरल कालिन्स रोड मद्रास-7 में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० श्रो० परमिसेट (डाकू० न० 1073/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1978 को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रानकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से कूहि किसी धार्य की वादत उक्त प्रष्ठ-मियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी धार्य या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, मिन्नलिखित अविक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री अन्तोनी केशव केल्ली
- (2) एस० ए० पी० श्राविकारस।
- (3) श्रीमती मेरी पेटरीमिया कोवन

(अन्तरक)

2. (1) श्री वी० कास्तीलाल जैन
- (2) श्री एस० सुरेश कुमार
- (3) श्रीमती एस० शान्ता दे
- (4) श्रीमती एम० गोदावरी ब

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भावेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्ति द्वारा;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य अविक्ति द्वारा अधिहस्ताकरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

**स्थावरीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अब होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डाकुमन्ट न० 1073/78 एम० आर० श्रो० परमिसेट  
भूमि और निर्माण  
डोर न० 5 जनरल कालिन्स रोड मद्रास-7।

श्रो० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-१ मद्रास

तारीख: 15-6-79

मोहर :

प्रह्ल प्राईंटी एन० एस० --

(1) श्रीमती मोहम्मद आमिशा बीवि

(अम्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्रीमती ए० एस० सेयर जोवरा बीवि

(अन्तरिती)

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास, विनांक 15 जून 1979

निर्देश सं० 46/अक्टूबर/78—यतः मुझे ओ० आनंदराम, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 211 अंगपनामकन स्ट्रीट है जो मद्रास-I में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ए० एस० आर० ओ० नार्थ मद्रास (डाक नं० 3950/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्षण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्षण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया जाये है।—

(क) प्रत्यक्षण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के विवरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविस्तरों, अर्थात्—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

डाकुमेन्ट नं० 3950/78 एस० आर० ओ० नार्थ मद्रास, भूमि और निर्माण डोर नं० 211, अंगपनामकन स्ट्रीट, मद्रास-I।

ओ० आनंदराम  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, मद्रास

तारीखः 15-6-1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी ० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायकर प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जून 1979

निवेश सं० 6721—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विवाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 39 है तथा जो, सूरप्य मुदली स्ट्रीट, मद्रास-5 में स्थित है (और इसे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मद्रास नारत (डाकूमेंट्स सं० 749/78) में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित राजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रष्टरित की गई है और मुझे यह विवाह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्प्रदृश्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या प्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या अन्तरक प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उपरोक्त में सुविधा के लिए;

यतः आय, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्रीमती एम सुसीदा अम्मान और एम० समवनतम चेट्टी  
(अन्तरक)

(2) श्री के० जमाल मोहीठीन, जे० जेनामदी बीबी  
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घाटेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 39 सूरप्य मुदली स्ट्रीट मद्रास-5 (डाकूमेंट सं० 749/78)।

राधा बालकृष्ण  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II मद्रास

तारीख : 22-6-79

मोहर :

प्रस्तुति प्राप्ति दी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269प(1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-II, मद्रास  
 मद्रास, दिनांक 22 जून 1970

निर्देश सं० 6766—अतः, मझे, राधा बाल कुण्णन्  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
 के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 20 है, तथा जो बजने कोविल स्ट्रीट,  
 नंदमपाख्यम, मद्रास-89 में स्थित है (ओर इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
 में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय  
 मद्रास नार्थ (डाक्यूमेंट सं० 4621/78) में रजिस्ट्रीकरण  
 अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
 अक्टूबर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)  
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
 तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
 निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा  
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या गन्य आस्तियों  
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
 घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया या पा किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपशारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवतः:—

1. श्रीमती वी० सीतालक्ष्मी  
 श्रीमती एन० कल्याणी  
 (अन्तरक)  
 2. श्रीमती प्रभा चक्रवर्ती  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;  
 (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी गन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताशरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

बृकुसूची

भूमि और निर्माण 20, बजने कोविल स्ट्रीट, नंदमपाख्यम  
 मद्रास-89।

(डाक्यूमेंट सं० 4261/78)

राधा बालकुण्णन्  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 22-6-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, १९८१ (१९६१ का ४३) की धारा

२६९व (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक २२ जून १९७९

निवेश सं० ६६१५—यतः, मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य २५,०००/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ९-बी, राठवरठ राल्लियट्स है, तथा जो रोड, मद्रास-४ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलायुर (डाकूमेंट सं० १४२१/७८) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन, तारीख अक्टूबर १९७८ में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि प्रस्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रत, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपभारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

१. श्री ई० के० पारथासारथी

श्री संजय पारथासारथी

(अन्तरक)

२. डॉक्टर, वरधराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५ दिन के भीतर उन्न स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एप्लीकेशन:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण ९-बी, राठवरठ राल्लियट्स रोड, मद्रास-४।

(डाकूमेंट सं० १४२१/७८)।

राधा बाल कृष्णन्

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख २२-६-१९७९

मोहर :

प्रूलत माई० टी० ए३० एम०

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269वा०(1) के प्रभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 जून 1979

निर्देश मं० 8401—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा० के प्रभीन संक्षेप प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० में प्रधिक है और जिभकी मं० आर० एस० मं० 54.5, 54.6 और 54.7 है, तथा जो करपूर ग्राम, नंनिलम तालुक में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, तिरुवाहर (डाकूमेंट मं० 2229/78 के अधीन, अक्टूबर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यहाँपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तुरिती (प्रन्तगितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रभीन करने के अन्तरक के वायिक में किसी करने या उसमें इच्छने में सुविधा के लिए; और, या

(ख) ऐसी किसी पाय या किसी भन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः पर, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा० के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269वा० की उपभारा (1) के प्रभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6-156GI/79

1. श्री आर० एस० एम० रामनाथन चेट्टियार

(अन्तरक)

2. श्री टी० नटगजन

(अन्तर्गिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण आर० एस० मं० 54.5 54.6, 54.7 करपूर ग्राम, नंनिलम तालुक।

(डाकुमेंट मं० 2229/78)।

राधा बालकृष्णन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 22-6-1979

सोहर :

प्रकाश प्राईंटी० ई० एन० एस०--  
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1979

निरेंग सं० जे०-५७/७९-८०—यतः, मुझे, के० एस०  
वेंकट रामन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ष  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारब  
है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11-5-404 है, तथा जो रेडहील्स-हैदराबाद  
में स्थित है (और इसमें उपरबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
प्रधीन, नारीख अक्टूबर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारब है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एवं प्रतिशत अधिक है और अन्तर (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के सिध्य  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने वे सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किनी पाय गा फिनी धन गा अन्य आसेन्टों  
को, जिन्हे भारतीय शायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
शन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता थाहिए था, छिगने में  
सुविधा के लिए;

वह। अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष के प्रनुसरण  
में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्तः—

1. डाक्टर फिरोज हुमैन 11-5-404 रेडहील्स हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. डाक्टर जवाद हुमैन पिता मुस्तानमर अली जिसका  
अदिपती मुस्तानमर अली है 11-5-404 रेड हील्स  
हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजन के  
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में होई भी ग्राहकों :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तक्सम्बन्धी अधिकारी के  
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अधिकता द्वारा अधिकारी के पास  
निवित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
प्रधिनियम', के अन्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही बर्च होगा, जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 11-5-404 रेड हील्स हैदराबाद में है वस्ती  
नं० 1087 वर्ग मीटर है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3886/78  
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-6-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1979

निर्देश सं० जे०/५८/७९-८०—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि इथावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 2-24 है, तथा जो शीघ्रनीपल्ले गउ में स्थित है (और इसमें उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोर्कर्ना अधिकारी के कार्यालय, वरनगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के प्रधीन, नारीख अक्तूबर 1978 का

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्राप्तिरिति (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन, करने के प्रत्यरक के वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1951 (1951 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के सुविधा के लिए;

यतः यह, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात्:—

1. श्री पीकला धेन्द्रस्या इपागुडेम गाउ जनगाऊ तालूक वरनगल—जिला

(अन्तरक)

2. श्री पारसी शंकर राउ पिता लीनगद्या शीघ्रनीपले गाऊ तालूक वरनगल—जिला

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप:—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तसम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधीक्षाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बर नं० ग्राम पचायत नं० 2-24 शीघ्रनीपली गाऊ वरनगल—जिला रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 4105/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय वरनगल में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-6-1979

मोहर :

प्रृष्ठ प्राइंटी टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त कार्यालय  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1970

निर्देश सं० जे०-५९/७९-८०—यतः, मुझे, के० एम० वेक्ट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सभ्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 5-९-२४/८२ है, तथा जो लेक हील्स मस्ना हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीर्ना अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के प्रन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्यातः :—

1. मैमर्म फिरदोस घर नं० 5-९-२४०/८२ लोक हील्स रास्ना हैदराबाद

(अन्तरक)

2. हैदराबाद दीन होटल्स प्राइवेट 5-९-२४/८२ लेक हील्स रास्ना हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजंन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के उजंन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५ दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोस्त्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एष्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 5-९-२४/८२ कहा जाता है हैदराबाद हैंडल्स लेक हील्स रास्ना हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० ४४५/७८ उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेक्ट रामन  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-६-१९७९

माहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी ० एन० एस० —

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1979

निर्देश मं० आर ए मी 60/79-80—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संरक्षित विस्तर बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी मं० 15-1-503/बी/29 है, तथा जो अर्णोक मार्कीट हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्न अधिकारी के कार्यालय दूदबौली में रजिस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 अक्टूबर 1978 को पूर्वोक्त संरक्षित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित रद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) प्रतिफल से हुई किसी ग्राम की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी विसी ग्राम या फिसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा न लिए

अतः प्रय, उक्त प्रधिनियम को ग्राम 269व के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 268व को उपलब्ध  
(1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, पर्वातः—

- मैसर्म भारत कम्पनी घर नं० 15-1-503 सीदीयंबर बाजार हैदराबाद (अन्तरक)
- श्री कनक दोषी पिता रत्नी लाल दोषी घर नं० 15-1-503/B/29 अर्णोक मार्कीट, हैदराबाद। (अन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेपः—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितचढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोक्त्वाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही शब्द होंगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

आफिस नं० 15-1-503/बी/29 द्वा० मंजिला सतह पर अर्णोक मार्कीट सीदीयंबर बाजार हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1219/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय दूदबौली।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-6-1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1979

निर्देश मं० आर ए भी 61/79-80—यतः, मुझे के० एस० वेंकट रामन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

श्रीर जिसकी मं० पीट नं० 9-1-155 और 156 मेवासटीयन रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 अक्टूबर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विषय में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें सारलीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती विजया लक्ष्मी राघवन घर नं० 40-बी नेवासटीयन रास्ता सिकन्दराबाद।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती राजकपूर घर नं० (18-ए ईस्ट मरिडपली) (घर नं० 9-1-155 और 156 नेवासटीयन रास्ता) सिकन्दराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोतुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रस्तुतीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही पर्यंत होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 9-1-155 और 156, मेवासटीयन रास्ता, निकन्दराबाद का विभाग है—रजिस्ट्री वस्ताविज नं० 2586/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय, सिकन्दराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-6-1979

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

भारत कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1979

मं० आरए मी 62/79-80—यस्. मुझे के० एम० वेंकटरामन, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी पोर्ट मं० 9-1-155 और 156 है, जो सेवामटीयन रास्ता स्थित है (श्री इसमें उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे छचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इन उक्त अधिनियम की धारा, 269 व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपशारा (1), अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्रीमती विजयलक्ष्मी रघवन घर नं० 40-बी सेवामटीयन मार्ग सीकन्द्राबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लीलाधुना घर नं० 40-ए में सेवामटीयन मार्ग सीकन्द्राबाद।

(अन्तरिती)

(3) श्री रवीकुमार श्रीहोरी 9-1-155 सेवामटीयन मार्ग मिकन्द्राबाद। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रांडे के तिए कार्यालयीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोहरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 9-1-155 और 156 का बीयारा है जो सेवामटीयन मार्ग सीकन्द्राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2587/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय सीकन्द्राबाद में।

के० एम वेंकटरामन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-6-1979

मोहरः

प्रकाश प्राईटी लिमिटेड

भ्राता प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269 प (1) के प्रधीन सूचना

भारत मरकार  
कार्यालय, महायक आयकर व्याकुन्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद  
हैदराबाद नारीख 13 जून 1979

सं० आर एसी 63/79-80—यस: मुझे के० एस० बैकट रामन  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०  
से प्रधिक है,

और जिसकी सं० भलगी नं० 7 घरमें, जो 22-7-269/3  
दीवानदेकड़ी में स्थित है और इसमें उपाखड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ने प्रधिकारी के  
कार्यालय आजमपुरा में रजिस्ट्रकरण प्रधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 19 अक्टूबर 78 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल  
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परदृश प्रतिशत प्रधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच  
ऐसे अस्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कर्मी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या धनराशियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या बनकर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अट: प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा के अन्तरण में,  
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपचारा (1) के  
प्रधीन निवनिवित व्यक्तियों प्रवार्ता :—

(1) मैमर्सै शाह बीलडर्मे 22-7-269/3 दीवान  
देकड़ी हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) अब्दुल मनार पुत्र मुहमद ईब्राहिम इंडीया  
टेनर डाग मरीना मारकीट दीवानदेकड़ी हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना बारो हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रतीन के लिए  
कार्यदातियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रतीन के पंचव में रोई पो प्राप्ती :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्स्वान्तरी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, प्रबोहस्तानी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोट पश्चों का, जो उक्त  
प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही पर्याप्त होगा, जो उक्त प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मरगी नं० 7 मकान न० 22-7-269/3 दीवानदेकड़ी  
मरारंग मारकीट, हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज न० 2940/  
78 उप रजिस्ट्री कार्यालय आजमपुरा में।

के० एस० बैकटरामन  
मध्यम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13 जून 1979

मोहर :

प्रख्यात प्राइवेट लो० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) : प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 13 जून 1979

सं०आरए सी 64/79-80—यतः मुझे कें० एस० वेंकट रामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के प्रधीन संश्लेषण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि इयाकर अधिनियम, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 12/743, 12/744 है, जो एस०-वी-एन०  
रास्ता वारंगल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,  
वारंगल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन अक्टूबर 78 में  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के बिंदु पर्याप्ति की गई है और भूते यह विश्वास करने  
का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति  
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में बास्तविक  
ज्ञप्त हो कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बहन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगान्वय अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

यतः श्रद्धा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरमें,  
मैं, सहत प्रधिनियम की धारा 269-ए की अपेक्षा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवृत्त :—

7—156GI/79

(1) श्री अडिपु वेनकटाद्री पिता वेनकटरमनन्न,  
— वारंगल (2) डी सुवर्णा लक्ष्मी वारंगल।  
(अन्तरक)

(2) श्री तुम्मा कीटेशवराराऊ पिता वीरास्वामी  
(2) तुम्मा उपेनद्रम्मा पत्नी जगनादम  
घर नं० 12/744-वारंगल  
(अन्तरिक्ती)

जो यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के  
लिए कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भीतर उक्त सम्बन्धी में हितवद्ध  
किसी अवधि द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**उपलब्धीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

घर-नं०-12/743, 12/744, एस-वी एन० रास्ता वारंगल  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3988/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय  
वारंगल में

कें० एस वेंकटरामन  
संभम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद : 13 जून 1979

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(1) श्री मीरकीकायत अली खान 9-4-86 शेखपेट  
मुनीर बाग हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) दी-शैडीयल को अपरेटिव मोसायटी लि०  
3-5-804/2/3 हैदरगुण्डा हैदराबाद

(अन्तरिती)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1979

सं० आरएसी 65/79-80—यतः मुझे के० एस० वेक्टरामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-घ  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०  
से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन नं० 141, 142, 143 है, जो  
शेखपेट गांव में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
बैरताबाद में रजिस्ट्रेफरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16). के प्रधीन अक्टूबर 78  
में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चह प्रतिशत से अधिक है और अल्टरक (अन्तरक) और  
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्थरण  
निम्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के  
दांत्य में कमी करने या उससे बचने म सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त अधिनियम, की बारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1)  
प्रधीन निम्नलिखित अवक्त्रियों अर्पति :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यादिपा शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवक्त्रियों में से किसी अवक्त्र द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन सरवे नं० 141, 142, और 143 घर नं०  
9-4-86 शेखपेट गांव हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज़ नं०  
2730/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय बैरताबाद में।

के० एस वेक्टरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13 जून 1979  
मोहर :

प्रारूप पाई० टी० एन० एस०—

आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269८(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1979

सं० आर एसी 66/79-80—यतः मुझे के० एस० वैकटरामन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० बी-एफ०-५ है, जो पुनमश्रपार्टमेंट चिरंगाली हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति, का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियमित में वास्तविक रूप से रुपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख)ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य वास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या दून-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब; उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269८ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री भगवती प्रसाद पिता मातादीन घर नं० 3-5  
170/ए०/९ नारायण गुडा, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्री यु० कुपुस्वामी घर नं० १; ८-७०२/३१/२  
नालाकुनटा, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यापे:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20-क में परिचायित हैं वही पर्याप्त होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट नं० बी० 1/एफ० ५ तीसरी मंजील पर घर नं० ५-८-५१२ से ५१७ सी चीरंगाली लेन हैदराबाद (पुनम अपार्टमेंट) रजीस्ट्री दस्तावेज नं० ४६६२/७८ उप रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वैकटरामन

सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13 जून 1979

मोहर :

प्रस्तुप आई० दी० एन० एस०—

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1979

सं० आर ए सी 67/79-80—यतः, मुझे, के० एस वेंकटरामन ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1 और 2 पहली मंजिल का घर 5-8-518-519 चौरंगली लेन हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाशद अनु-सूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल विवर में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम को वापत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रामकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: ग्रन्त, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त के प्रधिनियम की धारा 269-व की उपग्रामा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती तारामनी पत्नी गीरीराज गोयल जी पी ए० होल्डर न० 5-3-1053 शनकरबाग असमान गंज हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती शरदाबाई पत्नी बाला परशाद घर न० 5-9-5 सैफाबाद, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामकर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रामपाल न० 1 और 2 प्रामोर्स न० 5-8-518 और 519 जगदोण मार्कीट चौरंगली लेन हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज न० 4590/78 उग रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रामकर आयुक्त निरीक्षण  
प्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 13-6-1979  
मोहर

प्रस्तुप प्राइ. टी. एन. एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269वा(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, तारीख 16 जून 1979

नं० 68/79-80 —यतः मुझे, के० एस० वेंकटरामन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3-5-783/22 है, जो कीनगकीटी हैदराबाद में  
स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय  
रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अन्तर्बर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का  
पक्ष्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
धारात्मक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य धास्तियों  
को जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः यब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा के  
अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्री के० बाहमी नारायण 5-9-194/2 धीरा-  
गल लैन हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कलीद बेगम पत्नी श्रीबीन साले 23-8  
367 श्रीबीनडा हैदराबाद।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अज्ञन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्यों में से किसी अवित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु  
किसी अवधि अवित द्वारा, अधोदत्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्राप्तीसीम नं० 3-5-783/22 कोंनगकीटी रास्ता है-  
राबाद वीस्टोन 296 वर्ग यार्ड दस्तावेज नं 4583/78  
उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-6-79

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० ई०० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 16 जून 1979

सं० 69/79-80—यतः मुझे को० एस० वेंकट रामन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 6-3-674/1 है, जो पंजागूटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्ररता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के सिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री प्रेमजी लालजी पुत्र श्री लालजी मेघजी पंजागूटा हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री विजयाश्रमन्द मदुरी पुत्र श्री राजेश्वर 6-3 674/1 पंजागूटा हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजेन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कुल जमीन धर नं० 6-3-674/1 वीर्संल 800 है)  
यार्ड बेरामपेट पंजागूटा हैदराबाद में रजीस्ट्री दस्तावेज नं० 4573/78 अप रजीस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

को० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज हैदराबाद

तारीख: 16-6-1979

मोहर:

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंथन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1979

निर्देश सं० 70/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट-  
रामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 6-3-674/1 है, जो पंजाबूटा हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1978 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे असरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त असरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से दूर है किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों  
में, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती डारा प्रकट नहीं किया गया था, या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;वर्त, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—1. श्री प्रेमजी लालजी पिता लालजीमेघजी पंजाबूटा  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मदुरी राजेश्वर पिता स्वर्गीय कृष्णद्या घर नं०  
8-2-416 बनजारा हिल्स हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए  
कार्यवाहियों करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र पर प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, उक्त अधिनियम, के ग्रन्थाय 20-क में परिभाषित हैं वही  
प्रथम होगा जो उस आयकर में विद्या गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन और घर नं० 6-3-674/1 बेगमपेट रास्ता के  
पास में हैदराबाद विस्तेन 1093/वर्गार्ड रजिस्ट्री इस्ताबेज  
नं० 4698/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रंथन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-6-1979

मोहर :

प्रकल्प प्राइंटी० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायालिय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1979

निर्देश सं० 71/79-80—गत: मुझे के० एस०  
वेंकट रामन

ग्राम्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ष  
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० 8-3-933 है, जो श्रीनगर कालीनी में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कायालिय, हैदराबाद केरताबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रस्तुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के वन्देह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तुरण में हुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी तरने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसा किसी ग्राम या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिस्मे भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
प्रस्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए या, छिपाने में युविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ष के अनुसरण में,  
मैं, उक्त प्रधिनियम, की आरा 269-ष की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री पी० नारायण राउ घर नं० 8-3-933 प्लाट  
नं० 7 श्रीनगर कालीनी हैदराबाद।  
(अन्तरक)

(2) श्री एस० राघवन अमृत निवास घर के पिछे  
बैक गली हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामेण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
आक्रित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनद्व इसी  
प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधानहस्ताक्षरी के पास सिक्कित  
में किए जा सकेंगे।

इन्द्रोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 8-3-933 प्लाट नं० 7 श्रीनगर कालीनी हैदराबाद  
रजिस्ट्री कायालिय और दस्तावेज नं० 2809/78 और  
केरताबाद में।

के० एम० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-6-1979

मोहर :

प्रकृति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269ए(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जून, 1979

निर्देश सं० 72/79-80—यतः मुझे के० एस० बेंकट-  
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पासनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० खेती योग्य जमीन सर्वे नं० 15 है, जौसाहिबनगर गांव में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भंडिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8-156GI/79

(1) श्री करवारंगया पिता नम्रता निवासी गाडिया नारक जी० पी० ए० पोचारी मलया घर नं० 16-11-739 गडीग्राम हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० वी० पुरनया 1-8-80/3 चिककड़ालनी हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तर्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

खुली मीन विम्तीर्ण 5 एकड़ सर्वे नं० 15 में है साहिबनगर कुर्द हैदराबाद ईस्ट रजिस्ट्री इस्ट वेज नं० 6185/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट।

क० एस० बेंकट रामन  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-6-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1979

निर्देश सं० 73/79-80—यतः मुझे के० एम० वेंकट  
रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये में प्रधिक है और जिसकी सं० 5-9-161, 160/3, 160/4, है, जो चापल रास्ता हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1978 में

पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में व्यक्तिगत रूप से कथित नहीं किया गया है : -

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्य में कमी बताने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बत या मन्त्र प्राप्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रथोनांद प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प के प्रस्तरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् : —

1. (1) श्री मुलतान हुसैन बीन उमर  
(2) श्रीमती मुलतान जहान बैगम पत्नी उमरबीन  
(3) श्रीमती कमर खान बैगम पत्नी खानप्रारीफ  
खान घर नं० 5-9-161 चापल रास्ता  
नामपत्ती हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सीताजैसिंह पत्नी पी० जी० जैसिंह  
प्लाट नं० 1 बंसीलालपेट सिफन्दाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रदंत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप : —

(क) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना जी जानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में मामाल होती हो, के भीतर पूर्णक व्यक्तियों में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोइस्टारी के पास लिखित में किए जा नहोंगे।

स्वधोइस्टरगः—इसमें प्रधुका शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के महायाप 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उस प्रधायाप में दिया गया है।

### अनुसूची

वो मंजिला घर और खुली जमीन मलगीयों नं० 5-9-161, 160/3, 160/4, चापल रास्ता नामपत्ती हैदराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4188/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेंकटरामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-6-1979

मोहर :

प्ररूप माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जून, 1979

निर्देश सं० 74/79-80—यतः मुझे के० एस० बेकट  
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 5-3-24 है, जो जीरा सिकन्द्राबाद में स्थित  
है (और इसमें उत्तरवाह अनुसूची में और पूर्ण व्यप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
अक्टूबर 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण,  
लिखित में वास्तविक रूप से अस्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
ओर/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात :—

(1) श्रीमती ए०० मीनाक्षी पत्नी एस नारायणस्वामी  
5-3-25 जीरा सिकन्द्राबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हेमलता के० कोटक पत्नी किरन कुमार  
वी० कोटक

(2) श्रीमती राजानी एम० कोटक पत्नी महेन्द्रा  
कुमार वी० कोटक घर नं० 2-2-132  
एम० जीरास्ता सिकन्द्राबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित ॥ किए जा सकेंगे

संघीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-3-25 जीरा में सिकन्द्राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 2660/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद।

के० एस० बेकट रामन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-6-79

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1979

निर्देश मं० 75/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट  
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-घ के प्रधीन संकाय प्राधिकारी को यह विवाह संकरन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी मं० 6-3-674/1 है, जो पंजागटा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाह संकरन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिशत अविक्षित है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में आस्तिक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी याय की वावत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/एवं

(ख) ऐसी किसी याय या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की वारा 269-घ के प्रकृतरण में, उक्त अधिनियम की वारा 269-घ की उच्चारण (1) के प्रधीन निम्नलिखित अविक्षितीयों अवधारित :—

1. श्री प्रेम जी लालजी पिता लालजी मेषजी पनजागुटा हैदराबाद।  
(अन्तरक)
2. श्री मधुसूदन मादुरी पिता स्वर्गीय नरसीम्मा राज 6-3-674/1 बैगमपेट हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को पृ० सूचना आरो करने पूर्वान्त मम्पति के घञ्जन के लिये कार्यशाहियां करता है।

उक्त मम्पति के घञ्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अविक्षितों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंध बाद में ममात्प होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षितों में से किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र निश्चित में किये जा सकेंगे।

इष्टव्याकरण :—इसमें प्रयुक्त अव्यां और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अवधार 20-क में यथा परिभाषित है, वही अव्यां होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 1080 वर्ग गज नं० 6 3-674/1 बैगमपेट हैदराबाद रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 2788/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद में।

के० एस० वेंकट रामन  
संकाय प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-6-79

मोहर :

प्रकल्प शाई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1979

निर्देश सं० 76/79-80—यत मुझे के० एस० बैंकट  
रामन

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 3-6-545/1-2 है तथा जो हिमायत  
नगर हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1978  
में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), तो बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वस्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरण के दायित्व  
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
छमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना आहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती के० विजयस्मा पति के० द्वृष्टिरेखा० 3-6-545/1  
हिमायत नगर, हैदराबाद  
(अन्तरक)
2. श्री फकीर चन्द पिता भगतराम बहादुर पुरा,  
हैदराबाद-2  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तापील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताधारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 3-6-545/1 और 2 हिमायत नगर हैदराबाद  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4387/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय  
हैदराबाद में।

के० एस० बैंकट रामन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख 16-6-1979

मोहर

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीकण)

अर्जन रेज़ हैदराबाद.

हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1979

निर्देश सं० 77/79-80—यत मुझे के० एस० वेंकट  
रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन तक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 6-23-2259 है, जो निजामाबाद में स्थित  
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निजामाबाद में  
रजिस्ट्रीरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
अन्तर्वर 1978 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
ओर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चबैश से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायरी में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
अनन्कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों व्यक्ति :—

1. श्री बी० लिंगोजी पिता मरसौजी घर नं० 6-14-10  
हुयालवाड़ी निजामाबाद  
(अन्तरक)

2. श्री सरदूल मिंग पिता राम सिंह कलीलवाड़ी निजामाबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकलियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविकलियों में से किसी अविक्त द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**उपलब्धीकरण :**—इसमें प्रयोक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 6-23-2259 दुबा रास्ता निजामाबाद रजिस्ट्री  
वस्तावेज नं० 5521/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय निजामाबाद  
में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीकण)  
अर्जन रेज़, हैदराबाद

तारीख : 16-6-1979

मोहर :

ब्रह्म प्राई० टी० एन० एस०--

1. श्री प्रेमजी लाल जी पिता लालजी मंघजी 6-3-673

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

पंजाबुदा, हैदराबाद

(अन्तरक)

भारत सरकार

2. श्रीमती कलाविजया आनन्द 62-सी सरदार पटेल  
रास्ता मिक्कलदराबाद

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1979

निर्देश सं० नं० 78/79-80—यतः मुझे, को० एम०  
वेंकट रामन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के  
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-674/1 है तथा जो पंजाकुदा हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है) रजिस्ट्रेक्टरी अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद  
में रजिस्ट्रेक्टरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन अक्टूबर 1978  
में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन गा अन्य प्रासितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
विद्या गया है।

अनुसूची

खुली जमीन 6-3-674/1 बीर्सन 1200 वर्ग यार्ड  
पंजाबुदा हैदराबाद रजिस्ट्रेशन स्टार्टेज नं० 4515/78 उप-  
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

को० एम० वेंकट रामन  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-6-1979

मोहर :

प्ररूप प्राइंटी० टी० एन० एम०  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा  
269 व (1) के अधीन मुद्रण  
शास्त्र सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद  
हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1979  
निर्देश सं० नं० 79/79-80—यतः, मुझे, के० एस०  
बैंकटरामन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पहलात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 12-5-139, 142, 143 है तथा जो तार्ताका मिकन्दराबाद में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1979 को पूर्णत तस्वीर के उपादान प्रतिफल के लिये अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्वर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्वरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरूप लिखित में वात्तविक रूप में किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में तुझे नियोगी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर रहे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पा उपर्याहने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या फँसी बन या अन्य प्राप्तियों को जिस्में भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम को धारा 269-व को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मास्टर महेश बी० दीतोया अधिकारी वी० ए० दीतोया  
और भैसर्य दीतोया बनजारा हॉल्म, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. डाक्टर लूरी किशन राऊ यधो राज 12-1-334  
लालापेट, मिकन्दराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह भूता बाया करके पूर्वोक्त नमाने के बंदून के लिए कार्यालय लेता है।

इस तारीख के अर्जन जे संबंध में कोई भी प्रभेतः—

(क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में अमान्य होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविन द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधाइलालारी के पाम लिखित में किए जा सकें।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पश्चों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमाखित है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० 12-5-139 143, 143 जनीन घर  
और श्रीनाल 1994 वर्ग माउंट विजयपुरी तार्तर के पास  
मिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2518/78 उप  
रजिस्ट्री अधिकारा, मिकन्दराबाद में।

के० एम० वैष्णवरामन

प्रधायक अधिकारी

प्रधायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-6-1979

नोटः :

प्रकृष्ट प्राइंटी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1979

निर्देश सं० नं० 80/79-80—यतः मुझे, के० एस०  
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह दिशासकरने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 15-1-503/ए/72 है तथा जो अशोक  
मार्कीट में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय छद्मीली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पश्चात् प्रतिफल प्रविहित है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन प्राय आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्राशकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के  
प्रयोजन में, मे. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की  
उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्बासि :—  
9—156GI/79

1. श्रीमति मुनीबाई पर्वा मोहन लाल, 15-2-403  
अणो० मार्कीट, हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. मैमर्स भारत कंस्ट्रक्शन वर्सनी 15-1-503 अशोक  
मार्कीट, हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरात्मक व्यक्तियों पर  
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी दून्य व्यक्ति द्वारा, अधिंहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विद्या  
पवा है।

### अनुसूची

मलगी नं० ८/72 जमीन का सतह पर धर नं० 15-1-  
503, अशोक मार्कीट सीदीमबार बाजार रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 1254/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय छद्मीली  
में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद  
तारीख । 16-6-1979  
मोहर :

प्रहृष्ट पाई ० टी००८० एम०—  
भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1979

निवेश सं० नं० 81/79-80—यतः मुझे, कौ० एस०  
वेंकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० में शक्ति है।

और जिसकी सं० 15-1-503/ए/73 है तथा जो सिद्धीयेम्बर  
बाजार हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय हुद्दबौली गें रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1978  
को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रन्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारत-  
विक पृष्ठ से कवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी  
हरन वा उससे बचने में भुविष्णा के लिए; और/या

(ख) ऐसो इसी भाव गा किसी वा या अन्य आस्तियों  
को, जिस भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
षन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के ग्राहणनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
ग्रण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपग्राहा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती मुझे बाई पती मोहन लाल 15-2-403  
सिद्धीयेम्बर बाजार, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. ममसं भारत कंस्ट्रक्शन कम्पनी 15-1-503  
सिद्धीयेम्बर बाजार, हैदराबाद।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वकृत संपत्ति के प्रजन्म के  
लिए कायांवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजन्म के संबंध में कोई भी व्यापेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहृस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय  
में दिया गया है।

### अनुसूची

चर नं० 15-1-503/ए/73 अशोक मार्किट सीदीयेम्बर  
बाजार हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1269/78 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय, हुद्दबौली में ।

कौ० एस० वेंकटरामन  
सधम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-6-1979

प्रस्तुप मार्ई० टो० एन० एस० --

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की व्यापा

269-प ( 1 ) के पर्याल सूचना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जन 1979

निर्देश सं० 82/79-80—यतः, मुझे, केंद्र एस० बैंकट  
रामन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वाँ  
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है।  
और जिसकी सं० 12-5-3/1 है, तथा जो गरनाका सिकन्दरा-  
बाद मे स्थित है (ओर इससे उपावड्ड अनुसूची मे और पूर्ण  
रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय,  
मिहन्दराबाद मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1978  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ये यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तिमी (अन्तिमियों) दे खोल ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में शास्त्रिक रूप मे स्थित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आप की शब्द, उसके व्यधिनियम के अधीन कर देने के अस्वरूप के अस्तित्व में कर्मा करने या उपर से बचने में मुखिया के लिए धोरण।

(ब) ऐसा हिस्पो ग्राम या निवां बन या अन्य आस्तियों को जिसमें भारतीय ग्राम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ग्राम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्रयोजनार्थ अम्भरिस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिया ने में सविधा के लिए;

अतः अब, उन अधिनियम की धारा 269-ए के प्रभुसरक्ष में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अवैन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्जाति :—

1. श्रो राज आनन्द राम पिता श्री अनंदराम 131—  
“ऊगास” श्री नगर कालोनी, हैदराबाद।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती तुलसी देवी पति तुलसी राम 12-5-3/1  
बत्कम्पा कुट्टा, सिकन्दराबाद।  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वानुसन्धान के अंतर्गत इसे कार्यवाहियां करता

**उच्च समति** के अर्जे। के सम्बन्ध में जोई भी आवेदन :-

(क) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्मती व्यक्तियों पर मूलना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबन्ध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूलना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा यथोऽन्ताक्षरी के पास आदित्रि में किए जा सकें।

**प्रयोगीकरण** — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिस्थिति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

અનુસંધી

घर ० 12-5-3/1 बतकम्मा झुन्टा, सिकन्दराबाद  
वीसर्वं 478 वर्ग यार्ड, रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2615/78  
उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद म।

के० म० बेंकट गाम  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
धर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 16-6-1979  
मोहर

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
26८ व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
ग्रंथन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 जून 1979

निर्देश सं० नं० 83/79-80—यहाँ, मुझे, के० एस०  
वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26८-व  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 15-1-503/ए/3 है, तथा जो अशोक  
मार्कीट हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपादान अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय  
दूदबौली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, अक्तूबर 1979

में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित छोड़ गई है और मूल्य यह विवास करने  
का कारण है कि यथात् उक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (पातरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तब पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस स्थावरण लिखित में  
बास्तुचिह्न का में लिखा दी गया है:—

(क) प्रत्येक नं. ५३ किसी धारा को बाबत, उक्त  
अधिनियम की अस्तीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुश्किल के  
लिए। भौतिक।

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किसी जानावर हिए वा उसके में सुविधा  
के लिए;

अब: यह, उक्त अधिनियम, की धारा 26८-व के अनुसरण में,  
उक्त अधिनियम, की धारा 26८-व की उपचारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. (1) श्री भरत कुमार 21-1-773 पटल मार्कीट  
हैदराबाद  
(2) ईश्वर लाल 21-7-84/1 गंजी बजार  
हैदराबाद  
(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती मंगी बाई  
(2) श्री उदय कुमार (मैनर) रखबाला पिता  
श्री भरत कुमार 15-2-744 उसमानगंज  
हैदराबाद (अन्तरिती)  
3. श्री गोरी पांकर मालठे, इंडस्ट्री हैदराबाद (वह व्यक्ति  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए  
कायंबाहियाँ करता हूँ।

उक्त पंचति के यांत्रिक संबंध में कोई भी अस्त्रैप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्यो अधिकारी पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी अवृत्ति द्वारा;  
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद  
किसी अन्य अधिकारी, अधिकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**सामूहिकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के प्रधानाय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अधार्य में दिया जवा  
है।

### अनुसूची

मत्ती नं० 15-1-503/ए/3 अशोक मार्कीट सदीयेम्बर  
बजार हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1270/78 उप रजिस्ट्री-  
कार्यालय दूदबौली हैदराबाद में।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रंथन रेज, हैदराबाद

तारीख : 16-6-1979

मोहर :

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—————

प्रावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज बिहार, पटना

पटना, दिनांक 2 अप्रैल 1979

निदेश सं० III-314/अर्जन/79-80—अतः, मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन संशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० डीड नं० 6609 है, तथा जो होर्लिङ नम्बर 60/59 सर्किल नम्बर 15, वार्ड नं० 16 पटना म्यूनिसिपल कार्पोरेशन मञ्जी बाग थाना पिखौर पटना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-10-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रतिफल (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिरक्त के विवित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा देने लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, आमन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती दाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती बीबी रविया खातुन पटनी स्वर्गीय मिस्टर गुलाम बारीश, एकजीविगत रोड, पटना (विजय बैंक के नजदीक) के निवासी।

(अन्तरक)

(2) श्री निहाल अमरक (नाबालिक) सुपुत्र श्री मुहम्मद असरक, प्रो० पटना ग्लास हाउस, पटना-4 (दरजीटोला का निवासी) (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**प्रतिकरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

5 से 6 लाखपूंस कमरा, 3 कट्टे जमीन के रकवा पर जो होर्लिङ नम्बर 60/59 सर्किल नम्बर 15, वार्ड, नम्बर 16 जो महल्ला मञ्जी बाग थाना पीरवहौर, जिला पटना तथा पटना म्यूनिसिपल कार्पोरेशन के अन्तर्गत जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 6609 दिनांक 26-10-78 में वर्णित है और जो जिला अवर निर्बन्धन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
संशम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख: 2-4-79

मोहर :

प्रेरूप आई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 2 अप्रैल 1979

सं० 111-313/प्रजन/79-80—ग्रतः मुझे, ज्योतिन्द्र  
नाथ,

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० डीड नं० 6608.होल्डिंग नम्बर 60/59  
है, तथा जो संकिल नम्बर 15, बाँड नम्बर 16 पटना  
म्यूनिसिपल कार्पोरेशन संज्ञिकाग थाना पीछाहीर पटना में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 26-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी ब्रन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें, भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

ग्रतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपाधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अपर्याप्त:—

(1) श्रीमती बोवो रविया खातुन पत्नी स्वर्गीय मिस्टर<sup>१</sup>  
गुलाम बारीश, एकजीवीशन रोड, पटना (विजय  
बैंक के नजदीक) के निवासी।

(अन्तरक)

(2) श्री अमल अमरक (नाबानिक) सुपुत्र श्री महम्मद  
अमरक, प्रो० पटना ग्लाम हाउस, पटना-4 (दरजी  
टोला का निवासी)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किंग जा सकेंगे।

संपादकीयरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तोन पम्का एम० 3 कट्टे जमीन के रकवा पर जो होल्डिंग  
नम्बर 60/59 संकिल नम्बर 15, बाँड नम्बर 16 जो  
महल्ला संज्ञिकाग थाना पीछाहीर जिला पटना तथा पटना  
म्यूनिसिपल कार्पोरेशन के अन्तर्गत जो पूर्ण रूप से दस्तावेज  
संलग्न 6608 दिनांक 26-10-78 में वर्णित है और जो जिला  
अवर निबंधन पदाधिकारी पटना के द्वारा पंजीकृत है।

ज्योतिन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बिहार, पटना।

दिनांक : 2-4-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार पटना

पटना, दिनांक 8 जून, 1979

सं० III-321/अर्जन/79-80—अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के मध्यीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना हो० नं० 88, सेंटलमेंट प्लाट नं० 158 देवघर नगर पालिका है, तथा जो मौजा पुरनदाहा, शहर देवघर जिला संथाल परगना में स्थित है (और इससे उत्पन्न अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देवघर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-10-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यक्ष के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यक्ष विधियाँ में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें पारस्तोय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनालं प्रत्यक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया गया था पा किया जाना चाहिए था, दियाने में मुद्रिता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की प्राय 269-ना के प्रत्यक्ष में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपलाप्त (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री रवीन्द्र नाथ मित्रा अतीन्द्र नाथ मित्रा, अर्था मित्रा एवं अशोक मित्रा सा०-25, राजा दिनेश्वर स्ट्रीट कलकत्ता-9 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरण देवी सराद्ध जीजे श्री अभय कुमार सराफ सा०-वैद्यनाथ धाम, देवघर, जिला संथाल परगना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाही करता है ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माझेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्पर्यांशी अक्षितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अक्षितयों में से किसी भावित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अक्षित द्वारा अधिवृहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

उपर्युक्त अवधि :— सबै प्रत्यक्ष गम्भीरों और पत्रों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही गम्भीर हागा जा उम प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का रकबा करीब 18 1/2 कट्टा (रोहीनी स्केल के अनुसार) है, जिसका प्लाट नं० 158, वार्ड नं० 12, होल्डिंग नं० 95 (नया) एवं 88 (पुराना) है जो देवघर नगरपालिका के अन्दर है । यह जमीन मौजा पुरनदाहा, देवघर जिला संथाल परगना में स्थित है । इसका निवंधन जिला अवर निवंधक, देवघर में हुआ है, जो दस्तावेज़ सं० 4328 दिनांक 28-10-78 में पूर्णतया बर्णित है ।

ज्योतीन्द्र नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बिहार पटना,

तारीख : 8-6-79

मोहर ।

प्रलेप आई० टी० एम० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 8 जून 1979

सं० III-320/अर्जन /79-80—प्रतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वर्षात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प(1) के अधीन सकारात्मक प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० पुराना हो० नं० 88 नया 95 वार्ड नं० 12 देवघर नगर पालिका है, तथा जो मौजा पुरनदाहा शहर देवघर में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी के कार्यालय देवघर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षता की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिक्रिया से अधिक है और प्रत्यक्ष (भास्तरकों) और प्रत्यक्षित (प्रत्यक्षितयों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से तुझे किसी पाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या भव्य प्राप्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घन-कर० अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए, लिपाने में मुविद्धा के लिए।

अतः बब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-प(1) के अनुसार मैं, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, असौत ।—

(1) श्री रथोन्द्र नाथ मित्रा, अतीन्द्र नाथ मित्रा, अधरा मित्रा एवं अशोक मित्रा, सा०-25, राजा विनेन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता-9।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती किरण देवी सराफ जीजे—श्री अभय कुमार सराफ सा० वैद्यनाथ धाम, देवघर जिला संथाल परगना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का एकड़ा 7415 वर्ग फीट है जिसके कुछ भाग एक मंजिला एवं कुछ भाग दो मंजिला है, इसे "दी० रीट्रीट" से जाना जाता है, यह मौजा पुरनदाहा तालक कुथीप्रागरा देवघर जिला संथाल परगना में स्थित है। इसका होल्डिंग नं० 88 (पुराना), 95 (नया) वार्ड नं० 12 जो देवघर नगरपालिका में है। इसका पंजीयन जिला अवार निवासिक देवघर में हुआ है, यह पूर्णतया दस्तावेज सं० 2621 दिनांक 19-10-78 में वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राप्तिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, बिहार, पटना

तारीख : 8-6-1979

मोहर :

प्रकाश मार्क्स टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 19 जून 1979

निदेश सं० 111-330/अर्जन/79-80—ग्रतः मुझे  
ज्योतीन्द्र नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-व के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से प्रधिक है,

और जिसकी सं० तौजी नं० 227/15347, खाता नं० 342 एवं सर्वे  
प्लाट नं० 372 है, तथा जो मौजा मौलानाचक, महाल सादीक पुर  
योगी, पटना में स्थित है (और इससे उपानद अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन  
दिनांक 20-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अस्तरिती  
(अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक इण्ड  
से कठित नहीं किया गया है:—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के प्रधीन करने के प्रस्तरक के वायिष्य में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्क-ए  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रत्युत्तरण में,  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपलापा (1) के  
प्रधीन, निम्नलिखित अधिनियमों, अर्थात्:—

10-156GI/79

1. श्री राम नारायण प्र० सिंह वल्द स्व० रामेश्वरी प्र० सिंह,  
साकिन चौधरी टोला, थाना—सुलतानगंज, जिला—  
पटना, वहैसियत मोबातार आम मिन जानीव श्रीमती शैल  
कुमारी देवी, जौजे, श्री नरेन्द्र नारायण शर्मा सा०-  
चौधरी टोला लगरनाथ सिंह लेव, थाना सुलतानगंज, पटना  
(अन्तरक)

2. श्री प्रनिल कुमार सिन्हा वल्द श्री रामानुज प्रसाद सिंह  
सा०/पो०—महारा, थाना—बिहारशरीफ जिला—नालन्दा  
हाल, मोकाम "महारा हाउस", भिखनापहाड़ी, पटना।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रबंधिया तत्संबंधी अविक्षियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी प्रबंधिया बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से  
किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
धन्य अविक्षित द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**प्रधानीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम  
के प्रध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही प्रबं  
द्धीया जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक भाग जिसका रक्कड़ा 1 कट्टा; 1 धूर 3½  
धुरकी करीब (1441 वर्ग फीट) जो दिवाल से घिरा है भौजा  
मौलाना अक महाल सादीक पुर योगी, थाना—करमकुआ, जिला—  
पटना में स्थित है। यह पूर्णतया दस्तावेज सं० 6485, दिनांक  
20-10-78 में वर्णित है। इसका पंजीयन जिला प्रबंध निवासक  
पटना में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 19-6-79

मोहर:

प्रध्यप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 19 जून, 1979

निदेश सं० 111-329/अर्जन/79-80—अतः मुझे  
ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थानीय सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० तौजी नं० 227/15347, खाता नं० 342 है,  
सर्वे प्लाट नं० 372 है तथा जो मौजा मोलानाचक महाल  
सादीकपुर जोगी थाना बदम कुओं में स्थित है (और इससे  
उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 20-10-78 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्दहृ  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण निकित में वाहन-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम नागराज प्रसाद सिंह बल्द श्री रामेश्वरी प्रसाद साकिन हाल चौधरी टोला थाना सुलतान गंज, जिला पटना बहैसिंगत मोखनार आम मिन जनीव श्रीमती शैलकुमारी देवी जौजे श्री नरेन्द्र नाराण श्रीमती माकिन चौधरी टोला जगर नाथसिंह लेन, थाना सुलतानगंज, पोस्ट भेदन्द्र, जिला पटना।

(अन्तरक)

2. श्री अरविन्द प्रसाद सिंह बल्द रामानुज प्रसाद सिंह निवासी ग्राम व पोस्ट मयरा थाना बिहारीशरीक जिला नलिन्दा।

वर्तमान "मधरा ढाउम" भिखनापहडी, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वथ में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजान्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजान्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैताभ्यामी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

दृष्टव्यकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन का रक्का 1 कट्ठा, 7 धूर, और 5½ धूरकी चाहरदिवारी के साथ जो करीब 1845 वर्ग फैट का है, यह मौजा मोलाना बक महाल सादीकपुर जोगी थाना कदमकुमार जिला पटना में स्थित है। यह पूर्णतया दस्तावेज संख्या 6484, विनांक 20-10-78 में वर्णित है जिसका पंजीयन जिला प्रबन्धन, पटना में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 19-6-79

मोहर:

प्रकृत माई० टो० एन० एर०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्रेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 19 जून, 1979

निदेश सं० 111-328/अर्जन/79-80—ग्रतः मुझे ज्योतीन्द्र

नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी तौजी नं० 227/15347, खाता नं० 342 एवं  
सर्वे प्लाट नं० 372 है, तथा जो भौतिक सामान्यावक, महाल  
सादीकपुर योगी थाना कदमकुञ्जों पटना में वित्त है (और  
इससे उपावड़ अनुमूली में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीवरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन तरीख 20-10-1978  
को पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथार्थतः सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तर (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिपित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही नियी अवधि की बात, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कियी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनान्तर्यामी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में  
सुविधा के लिए;

अवधि अवधि, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मेरे उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अन्तरण, अवधि:—

1. श्री रामनारायण प्रमाद मिह बल्द श्री रामसेश्वरी  
प्रसाद मिह, सा० हाल चौधरी टोला, थाना—सुल्तानगंज,  
जिला—पटना वहैसियत मोखतार आप मिन जानीब  
श्री मती शैल कुभारी देवी जीजे थी नरेन्द्र साकिन  
चौधरी टोला, जगरनाथ मिह लेन, थाना—सुल्तानगंज,  
(अन्तरक)

2. श्रीपती करण देवी जीजे श्री रामानन्द मिह साकिन  
महानन्द पुर, थाना—बरिया, जिला बेगमगाय, हाउस हाल  
मोकाम, पहारा हाउस, भिक्षना पहाड़ी, पटना।  
(अन्तरिती)

की यह सूचना जाय करके पूर्वोत्ता सम्पत्ति के अन्तर्गत के  
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के अन्तर्गत में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस द्वारा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की नापील ये 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि आदि में समाप्त होती हो, न भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में ते किमी अनियत द्वारा;

(ख) इस द्वारा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकारी के पास  
नियमित में किए जा सकें।

**स्वाहीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के पठाय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, उनी भी होगा यो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुप्रूची

जमीन का रक्का 3 कट्ठा 3 धूर 5 धूर की जिसमें जर्जर  
अवधि में कमान बना है (गाँड़न हाउस) जो करीब 4304  
वर्ग कीट है यह मौजा मोत्तावक महाल सादीकपुर योगी,  
थाना—कदमकुञ्जों पटना में स्थित है। यह पूर्णता दस्तावेज सं०  
6483 दिनों 20-10-78 में वर्णित है। उमा-पंजीकृत जिला  
आवर नियन्त्रक पटना में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
गक्षम प्राधिकारी  
महापक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्रेत्र बिहार, पटना।  
तारीख: 19-6-1979  
मोहर :

प्रह्लप प्राई० टी० एन० एस०-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के प्रधीन सूचना  
भारत सरकार

कायांवय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना  
पटना, दिनांक 19 जून, 1979  
निदेश सं० 111-327/अर्जन/79-80—अतः मुझे ज्योतीन्द्र  
नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
हजार से अधिक है

और जिसकी सं० तीजी नं० 227/15347, खाता नं० 342,  
सर्वे लाट नं० 372 है, तथा जो मौजा मौलाना चक महाल  
सादीकपुर, जोगी पटना में स्थित है और (इससे उपावद  
मनुसूची में और पूर्ण लिस्ट से वर्णित है) रजिस्ट्री हार्ट अधिकारी  
के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के प्रधीन 20-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वापर, उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के  
वापित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आदि था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः घब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखण  
में, वै उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
प्रधीन निम्नलिखित अवित्यों अवधारित:—

1. श्री रामनारायण प्रसाद सिंह, बल्द श्री रामेश्वरी  
प्रसाद सिंह, सा० चौधरी टोला, पो० महन्दू, जिला  
पटना अटर्नी पावर वास्ते श्रीमती शेल कुमारी देवी  
जीजे श्री नरेन्द्र मा० शर्मा सा० चौधरी टोला,  
जगन्नाथ सिंह लेन, पटना।

(अन्तरक)

2. श्री रामानन्द प्रसादसिंह बल्द स्व० राम बिलास प्रसादसिंह  
सा०/पो० सदानन्दपुर थाना, बलिया, जिला बेगुसराय  
वर्तमान: मधरा हाउस, भिखानपहाड़ी, पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्यों में से किसी अवित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद  
किसी अन्य अवित द्वारा अधोहस्ताकारी के पास-  
लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20 के परिभावित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

### मनुसूची

जमीन का कुल रकवा 3 कट्टा, 10 धूर, 4 धूरकी जो  
दिवाल से घिरा है, जिसमें आम का वृक्ष है, मौजा मौलानाथक  
महाल सादीकपुर जोगी, थाना कदमकुआं, जिला पटना में स्थित है।  
इसका पंजीयन दस्तावेज सं० 1487, दिनांक 20-10-78 को जिला  
प्रब्रह निबन्धक पटना में हुआ है जो पूर्णतया वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 19-6-1979

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना कार्यालय

पटना, दिनांक 19 जून 1979

निर्देश सं० 111 -326/अर्जन/79-80—यतः मुझे  
ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० तीजी नं० 227/15047 खाता नं० 342 है, तथा जो सर्वे प्लॉट नं० 372 मौजा मौलाना चक्र महाल सादीक-पुर जोगी थाना फरम कुंआ पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20 अक्टूबर 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के मनुस्तरमें, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात :—

(1) श्री राम नारायण प्रसाद सिंह बल्द श्री रामेश्वरी प्रसाद सिंह सं० हाल चौधरी टोला थाना सुलतानगंज जिला पटना व हैमियत मोखतार आम भिन जनीब श्रीमती यैल कुमारी देवी जीजे श्री नरेन्द्र नारायण शर्मा साकिन चौधरी टोला, जगर नाथ सिंह लेन थाना सुलतानगंज पोस्ट महेन्द्र जिला पटना।

(अन्तरक)

2. श्री सहजानन्द प्रसाद सिंह बल्द श्री चदुनन्दन प्रसाद सिंह साकिन लोदीपुर थाना अस्थावां पो० अमाबन जिला नालन्द वर्तमान राजेन्द्रनगर रोड नम्बर 10 (4), नेतजी पब्लीक स्कूल पटना के मकान में।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

एषटीकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अन्य होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

मनुस्तरी

जमीन का रकबा 2 कट्ठा 11 धूर 16 धूर की जिसमें जर्जर अवस्था में मकान चाहरदिवारी के साथ बना है (गाँड़न हाउस) जो करीब 3525 वर्गफीट है, यह मौजा मौलाना चक्र महाल सादीकपुर जोगी थाना केंद्रमुंजां जिला पटना में स्थित है। यह पूर्ण तथा दस्तावेज संख्या 6486 दिनांक 20-10-78 में वर्णित है जिसका पंजीयन जिना अवर निबन्धक, पटना में हुआ है।

ज्योतीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, विहार, पटना

तारीख : 19-6-79

मोहर :

प्रलूब आई० टी० एत० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 19 जून 1979

निर्देश सं० 111-325/अर्जन/79-80/ --अतः मुझे  
ज्योतीन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग  
के अधीन सभी प्रायिकारी को, यह विष्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी मं० होलिङ नं० 132/130(पुराना) 140/161  
(नया) है, तथा जो संकिल नं० 20ए, वाई नं० 7 जो  
न्यू एरिया कदम कुश्मा जिला-पटना में स्थित है (ओर  
इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
5 अक्टूबर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकृत के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
फ्रेश प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों)  
और अन्तरिक्षों (प्रत्यक्षितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिकृत निम्ननिमित्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
संलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी प्राय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्यक्षरूप  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपस्थारा (1)  
प्रधीन निम्ननिमित्त अधिनियमों, पर्यातः:—

1. (ए) श्री आत्मा राम खक्षा पिता स्व० डा० शाली आम  
खक्षा 45/11 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली वर्तमान  
पता कदम कुश्मा, पटना जिला पटना।

(बी) श्री विमला खक्षा पुत्री स्व० डा० शाली आम  
खक्षा 42, हार्डिंग रोड, थाना, गर्दनी बाग पटना  
(अन्तरक)

2. श्रीमती राम प्यारी देवी पति राजमनु राय ग्राम  
निर्भय दिहरा थाना—नशरी, पोम्प बसौदी जिला-  
भोजपुर (आरा)।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यालयों रखता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस मूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधिया तत्पञ्चन्धी व्यक्तियों पर  
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस मूचना के राजस्व में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्वाक्षोरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्राप्ति व पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

पूरे राज्ये चार कट्ठे में से एक कट्ठा दो मंजिला पक्का  
मकान जो फूलम्बू से जला जाता है जिसका होलिङ नं०  
132/130(पुराना), 140/161 (नया) संकिल नं० 20ए,  
वाई नं० 7 है जो न्यू एरिया कदम कुश्मा जिला पटना पर स्थित  
है तथा जो रजिस्ट्रार ऑफ पटना द्वारा पंजीकृत दस्तावेज  
संख्या 6282 दिनांक 5-10-78 में पूर्ण रूप से वर्णित है।

ज्योतीन्द्रनाथ

सहायक आयकर आयुक्त\_(निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 19-6-79

मोहर:

प्रमुख आडॉ टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 19 जून 1979

निदेश सं० 111-324/अर्जन/79-80/ —यतः मुझे ज्योतिन्द्रनाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

ओर जिसकी सं० होल्डिंग नं० 132/130 (पूराना) 140/161 (नया) संकिल नं० 20-ए, बाड़ी नं० 7 में स्थित है (ओर इसमें उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-10-78 पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखि० में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी हिसी आय वा किसी धन वा अन्य आविष्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

1. (1) श्री नरेन्द्र खन्ना पिता आत्मा राम खन्ना 45/11 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली द्वारा एटौरनी की श्री आत्मा राम खन्ना।

(2) श्रीमती निर्मला दीवान पति श्री ईश्वर दाम दीवान "ग्रामोनिक" कोलाबा, बम्बई-400005 द्वारा एटौरनी मिस० विमला खन्ना पुर्वी स्व० डॉ० शालीग्राम खन्ना 42 हॉटिंग रोड थाना नईगढ़नीवाग जिला पटना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राम दुलारी देवी पुर्वी श्री दुधेश्वर सिंह ग्रा०/पोल्ट्र अन्धेरी थाना महार जिला भोजपुर (आरा)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा भक्ते।

**इष्टोकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पूरे रक्वे चार कट्ठे में से एक कट्ठा दो मंजिला पक्का मकान जो फूकाघू में जाना जाता है जिसका होल्डिंग नं० 132/130 (पूराना) 140/161 (नया) संकिल नं० 20-ए, बाड़ी नं० 7 है जो न्यू एरिया कदम कुशां जिला पटना पर स्थित है तथा जो रजिस्ट्रार आफ पटना द्वारा पंजीकृत दस्तावेज़ संख्या 6283 दिनांक 5-10-78 में पूर्ण रूप से वर्णित है।

ज्योतिन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-II, बिहार पटना

तारीख : 19-6-79

मोदर :

प्रस्तुप पाई० टो० एन० एस०--

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 19 जून 1979

निर्देश सं० 111/323/अर्जन/79-80/ ---यतः मुझे  
ज्योतिन्द्र नाथ

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए  
से अधिक है

और जिसकी सं० 132/130(पूराना) 140/161  
(नया) संकिल नं० 20-ए, वार्ड नं० 7 जो न्यू एरिया कदम  
कुओं में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 5-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
कल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक अन्तरकों और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरग के लिए तम पाया जाया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग लिखित में  
बास्तविक रूप से किया नहीं होता गया है :--

(क) अन्तरग में ही किसी आय की वाचन, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का विषय वा वर्ता या अन्तरिती का,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में,  
ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत निम्नलिखित अधिकारी, यथार्थ ;--

1. (1) श्री प्रदीप खन्ना (नावालिंग), पिता श्री आत्मा  
राम खन्ना द्वारा गार्जीयन, 45/11 ईस्ट  
पटेल नगर, नई दिल्ली वर्तमान पता मोहल्ला  
कदम कुओं, पटना, जिला पटना।

(2) मिस शारदा खन्ना, पुत्री डा० शालीग्राम खन्ना  
एन-98 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-110048  
द्वारा एटौरनी मिस० विमला खन्ना पुत्री  
शालीग्राम खन्ना 42 हॉलिंग रोड, थाना  
गढ़नीबाग, जिला पटना।

(अन्तरक)

2. श्री राम नरेश चौधरी दिता श्री काली चौधरी द्वारा  
श्री मुनेश्वर प्रसाद, मोहल्ला गोलबागीचा, एल०  
पून० सहाय रोड, थाना कोतवाली जिला, गया।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के  
लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती अधिकारी पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विश्वास  
किसी भव्य अधिकता द्वारा, अस्त्रहस्ताक्षयी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रधायाप 20-क में यथा परिभ्राष्ट है.  
वही पर्व होगा, जो उप प्रधायाप में दिया गया है।

#### अनुसन्धानी

पूरे रक्जे चार कट्ठे में से एक कट्ठा दो मंजिला पक्का  
मकान जो फूलधू से जाना जाता है जिसका होलिंग नं०  
132/130(पूराना), 140/161(नया), संकिल नं० 20-ए,  
वार्ड नं० 7 है, जो न्यू एरिया, कदम कुओं जिला पटना पर  
स्थित है तथा जो रजिस्ट्रार, पटना द्वारा पंजीकृत दस्तावेज  
संख्या 6284 दिनांक 5-10-78 में पूर्ण रूप से वर्णित है।

ज्योतिन्द्रनाथ  
सकाम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 19-6-79  
मोहर :

इकाय पाईंटो टी० एन० एस०—————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा  
269(1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 19 जून 1979

निर्देश मं० III-322/अर्जन/79-80/ —यन्तः मुझे  
उपोन्नीन्द्र नाथ

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ख  
के प्रश्नीन सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०  
से अधिक है।

और जिसकी सं० होटिंग नं० 132/130 (पुराना) 140/161  
(नवा) संकिल नं० 20ए, वार्ड नं० 7 जो न्यू एरिया  
कदम कुआं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्यी में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय  
पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 5-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये उब याद गदा प्रसिद्ध,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरक लिखित में वास्तविक  
रूप से रखित नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यरक से हुई किसी याद की बाबत उक्त व्यक्ति-  
नियम के प्रश्नीन कर देने के प्रत्यरक के साधित्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या पर्यायास्तियों  
को जिस्ते भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या अन्तरकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगसार  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया  
जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिये;

अतः प्रथा, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की आरा 269-घ की उपारा (1)  
के प्रश्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रवाना :—

11—156G/79

1. (1) श्री मनमोहन खन्ना पुत्र आत्मा राम खन्ना,  
45/11 इंटर पटेल नगर, नई दिल्ली द्वारा  
गैटौरनी श्री आत्मा राम खन्ना।
- (2) श्रीमनी उमिला कुकोजा पत्नी श्री के०  
पृ० कुकोजा एन-98 ग्रेटर कैलाश-I,  
दिल्ली-48 द्वारा एटौरनी मिल विमला  
खन्ना पुत्री घ्व० डा० शालीग्राम खन्ना  
42 हाँडिंग रोड, थाना गर्दनीवाग, जिला  
पटना।

(अन्तरक)

2. श्री मुरज नारायण राय (नावालिंग) पुत्र श्री रामायण  
राय महल्ला गोनबागीचा, गोवरामार, थाना कोतवाली  
जिला गया गाँजियनशिंग आफ श्री रामायण राय  
पुत्र श्री राजमुन राय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोवृस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर  
प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के  
प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही  
प्रयोग होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया  
है।

#### अनुसूची

पूरे रक्के चार कट्ठे में से एक पक्का दो मंजिला पक्का  
मकान जो फूल व्यू में जाना जाता है जिसका होटिंग नं०  
132/130 (पुराना), 140/161 (नवा), संकिल नं० 20ए,  
वार्ड नं० 7 है जो न्यू एरिया कदम कुआं जिला पटना पर स्थित  
है, तथा जो रजिस्ट्रार आफ पटना द्वारा पंजीकृत दस्तावेज  
में छापा 6285 दिनांक 5-10-78 में पूर्ण रूप से वर्णित है।

जपोन्नीन्द्र नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 19-6-79

मोहर :

प्रकाश प्राइंटी०टी०एन०एस०--  
मायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 4 मई 1979

निर्देश मं० 884—यतः मुझे बी० बी० मुब्बाराव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी मं० 186 और 187.3 है, जो डेल्टा गन्धवरम  
में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमबाजीपेटा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 21-10-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पञ्चदू अतिशत प्रधिक है और अस्तरक  
(अस्तरकों) और अस्तरिकी (अस्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
चर्देश से उक्त अस्तरण निम्नलिखित रूप से किया  
नहीं किया गया है—

(अ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अद्वितीय  
के प्रधीन नह देने के अस्तरक के दायित्व में कभी  
करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धारा या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भरतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसर  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधार्ति:—

1. श्री प्रम० मत्यनारायण भूर्ती आयन्दा।  
(अन्तरक)
2. श्री जी० कांडलाराव पी० गन्धवरम।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के  
लिए कार्यालयीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत संबंधित मोहर भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
ओर भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितवड़ किसी भूम्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताभारी  
के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रधार्य 20-क में परिभासित  
हैं, वही बर्च होगा, जो उस प्रधार्य में दिया  
गया है।

## अनुसूची

अमबाजीपेटा रजिस्ट्री अधिकारी ने पाठिक अंत 31-10-78  
में पंजीकृत दस्तावेज नं० 1369/78 में निगमित अनुसूची  
संपत्ति।

बी० बी० मुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, काकीनाडा

तारीख: 4-5-79

मोहर:

प्र० प्र० श्रीमद् श्रीमद्भवाराव  
प्र० श्रीमद्भवाराव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकोनाडा

काकोनाडा, दिनांक 10 मई 1979

निर्देश सं० 885—यतः मुझे बी० बी० सुब्बाराव  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के प्रधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 3-39-1, 2 और 3 है, जो भीमवरम में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भीमवरम में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन,  
तारीख 18-10-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त  
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के  
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
प्रनक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में वे, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)  
के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री के० रामचन्द्राराव  
(2) श्री के० मजा भूशन राव  
(3) श्री के० गोपाला कृष्णाराव  
(4) श्री के० बाला कावेकटेश्वराव  
(5) श्री के० रामामोहन राव  
(6) श्री के० विक्केकान्दराव भीमवरम।

(अन्तरक)

2. (1) श्री एम० रामासीतथा  
(2) श्री बी० सुयविती कोहकोन्लु बल्लीपाडु।

(अन्तरिती)

3. (1) मैमसं लेंड रिफारम आफीस  
(2) प० के० राय  
(3) श्री पी० जे० राजु भीमवरम।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरण** :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

भीमवरम रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अन्त 31-10-78  
में पंजीकृत दस्तावेज़ नं० 2089/78 में निर्गमित अनुसूची  
संपत्ति।

बी० बी० सुब्बाराव  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, काकोनाडा

तारीख : 4-5-79

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

प्रधानमंत्री, 1961 (1961 का 43) की घारा  
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेट्र, भोपाल

भोपाल, तारीख 6 जून 1979

निदेश सं० आई० ए०सी०/एक्वी०/भोपाल/1276/79-80  
अतः मुझे डी० सी० गोयल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जमकी में मकान है, तथा जो रत्नाम में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रत्नाम में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 9 अक्टूबर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, देसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिलित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतिक के वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनन्कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ए के प्रमु० सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए की उपशारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मोती लाल (2) श्री वीर चन्द्र पुत्र श्री भेंसु  
लाल जी भंडारी निवासी करवड़ तहसील  
पेटलावाद जिला शावुग्रा

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश चन्द्र और श्री मोती लाल बाफना  
निवासी नीम चौक रत्नाम।

(अन्तरिती)

को पूर्वानुमति द्वारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधन के  
लिए कार्यानुसारी करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिप्रयोगः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्धी अवित्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पव्वोक्तरदः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभ्रान्ति हैं  
वा प्रयुक्त होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

दाई मजिला मकान नगरपालिका बियरिंग नं० 33,  
वार्ड नं० 30 स्थित नीम चौक रत्नाम।

डी० सी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 6 जून 1979

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी एन० एस०————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
296-घ (1) के प्रधीन सूचना-

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 जून, 1979

निंदेश सं० आई० ए० सी०/एक्स्ट्री०/भोपाल/1277—अतः  
मुझे डी० सी० गोयल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
296-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है  
(और हमसे उपावड़ अनुमूली में और पूर्ण के रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
17 अक्टूबर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अन्तरण विधित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(इ) अन्तरण से हुई किसी धारा की वादत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के वायिक्ष में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी धारा या किसी धन या धन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें मारतीय मायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया थाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

यह, उक्त अधिनियम, की धारा 296-घ के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-घ की  
उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवैद :—

(1) श्री गयाप्रसाद मर्ड पुत्र स्व० श्री अयोध्या प्रमाद  
गर्मा निवासी गामापुरा, जबलपुर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री कश्यप पत्नि श्री शारदा प्रसाद  
कश्यप, निवासी इन्डिस्ट्रियल कालोनी कंचदार,  
जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके दूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाकेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में  
से किसी अधिकता द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अधिकारी द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

संबोधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रधायाय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय  
में दिया गया है।

#### अनुसूची

नगर पालिका विधानिंग प्लाट नं० 2/4/4 व 274/5  
पर स्थित मकान श्रीतलामाई वाँड, गामापुरा, कुण्डा कालोनी  
जबलपुर।

डी० सी० गोयल

मध्यम अधिकारी

महायकर मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 6 जून 1979

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेव, भोपाल

भोपाल, तारीख 12 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्टी०/भोपाल/79-80/1278—  
अर्तः, मुझे छी० सी० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान भाग है, तथा जो खालियार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खालियार में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28 अक्टूबर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिपत्ति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (पन्द्रहकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम, मेरे उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, प्रमाणतः:—

(1) श्री सत्यनारायण पुत्र श्री रमेशवर लाल जौहरी दीनत गंग, लश्कर ग्वालियर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी श्री यदुनाथ सिंह चतुर्बेंदी, चतुर्बेंदी पथ, भिन्ड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभ्रान्ति हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 12/93 मानिक विलास से प्रसिद्ध का भाग साथ खुली भूमि स्थित ज्ञांसी रोड लश्कर।

डी० सी० गोयल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 12-6-1979

मोहर :

प्रकाश प्राईटी एन० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेट्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जून 1979

निदेश सं० आई० प०० सी०/पक्वी०/भोपाल/79-80/1279  
अतः, मुझे डी० सी० गोयलआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके उपचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए  
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को महिलाओं का कारण है  
कि दूषावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु.  
से अधिक हैजिसकी सं० मकान भाग है तथा जो ग्वालियर में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
27 नवम्बर 1978को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनुरक्षित की जाई है और मुझे महिलाओं का कारण है कि यकापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उ के दृश्यमान अतिक्रम से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती-  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सब पाया गया  
प्रतिफल, निम्ननिमित्त उक्त से उक्त अन्तरण फिल में  
वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तराय से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

प्रतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रतिनियम की धारा 269-ए की उपाधारा (1)  
के अधीन निम्ननिमित्त अवित्यों, पर्याप्तः—(1) श्री रामेश्वर लाल जौहरी पुत्र श्री मोती लाल  
जौहरी दौलत गंज लक्ष्मण, ग्वालियर।  
(अन्तरक)(2) श्री वीरेन्द्र मिह चतुर्वेदी पुत्र श्री यदुनाथ मिह  
चतुर्वेदी, चतुर्वेदी पथ भिन्ड।  
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बचत के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अवित्यों पर सूचना जी  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से  
किसी अवित्य द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद  
किसी अन्य अवित्य द्वारा, अबोहस्ताकारी के पास  
सिवित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होता, जो उस अन्याय में दिया  
गया है।

## प्रनुसूची

मकान नं० 12/93 मनिक विलास से प्रमिद्ध 4 का भाग  
माथ खुली भूमि स्थित ज्ञांसी रोड लक्ष्मण।डी० सी० गोयल  
सक्षम अधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपालतारीख : 12-6-1979  
मोहर :

प्रकाशन आई०टी० एम०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन थोव, भोपाल

भोपाल, तारीख 12 जून, 1979

निदेश सं० आई०टी० सी०/प्रकृती०/भोपाल 79-80/1280—

अतः मुझे, डी०सी० गोयल

आयकर-अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी मूल्य मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्ना अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्तर्गत, 6 नवम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपशारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा :—

(1) श्रीमती केशवदाई पत्नी श्री मूलचन्द्र जी जय-सवाल जुम्मानी, जवाहर चौक, भोपाल।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मनोरमा पत्नी डा० कैलाश चन्द्र गोयल उपमती मार्ग, उज्जैन और श्री ग्नेश कुमार पुत्र श्री गोपाल दाम प्रग्राम, जवाहर चौक, जुम्मानी भोपाल।

(अन्तिम)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20 का परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

नीन मंजिला मकान नं० 8 रक्षा 479 वर्गफुट (मन्तोप कुटी) जवाहर चौक, जुम्मानी, भोपाल।

डी० सी० गोयल

मक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 12 जून 1979

मोहर :

प्रकाश प्राईंटी एन्सीसी—

आवकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 12 जून 1979

निवेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/79-80/1281—  
ग्रतः, मुझे डी०सी०गोयल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के प्रधीन सलम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए  
है प्रधिक है

और जिसकी सं० मकान है तथा जो भोपाल में स्थित है  
(और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय भोपाल रजिस्ट्रीकरण  
प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 19 नवम्बर  
1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथ वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त प्रत्यक्षरण लिखित में वास्तुविह कर्त से कठित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम,  
के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनावं  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यह, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरमें;  
में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन,  
निम्नलिखित अवक्षितियों, प्रत्यक्षित, —

12-156GI/79

(1) श्री उबेदुर रहमान पुत्र श्री मो० रमजान खाँ  
मोती मस्जिद के सामने सुल्तानिया रोड, भोपाल।  
(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद नजीर कुरैशी पुत्र श्री कादर बक्श  
कुरैशी बरखेडी नगर, भोपाल।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी हरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए  
जारीकर्ता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी व्याप्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तस्वीरधी अवक्षितियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि वाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षितियों में से किसी  
अवक्षित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्वाक्षर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य अवक्षित द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के प्रध्याय 20क में परिचित  
है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 28, मोती मस्जिद के सामने, सुल्तानिया  
रोड भोपाल।

श्री० सी० गोयल  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख : 12 जून 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, तारीख 12 जून 1979

निदेश सं० आई०ए०सी०एक्वी०/भोपाल 79-80/1282—  
अतः मुझे डी०सी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान भाग है, तथा जो इन्दौर में स्थित  
है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बर्णित है), रजिस्ट्रीर्ट अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में,  
रजिस्ट्रीर्करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
25 नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आक्षितबों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् :—

(1) निवय चन्द्र पुत्र गोपाल राव जी मिथोनकर 29,  
पुष्पा कुंज सोसाईटी अहमदाबाद गुजरात।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती राजकुमारी पत्नी डा० ज्ञान चन्द्र पहाड़िया  
ब्रोटी ग्वाल टोली इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजावत में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरग्रही अक्षितयों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अक्षितयों में से किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दक्षिण तरफ का आधा भाग मकान नं० 4 भूमि 11438  
वांकुट माथ पुराना मकान साऊथ तुकौ गंज इन्दौर।

डी०सी०गोयल  
सभाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, भोपाल

तारीख : 12 जून 1979

मोहर :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 24th June 1979

No. A.35014/1/79-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri A. Gopalakrishnan, a Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, to officiate on an *ad hoc* basis Section Officer (Special) in the Commission's office for the period from 21-6-1979 to 31-8-1979, or until further orders whichever is earlier.

2. On his appointment to the post of Section Officer (Special), the pay of Shri A. Gopalakrishnan will be regulated in terms of the Ministry of Finance Deptt. of Expenditure O.M. No. F. 10(24)-E.III/60, dated 4th May 1961, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN

Under Secy.  
for Secy.

Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 16th June 1979

No. A.32013/3/79-Admn.I.—The President has been pleased to appoint Shri S. K. Bose, a permanent Grade I Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission on *ad hoc* basis for a period of three months w.e.f. 19th May 1979 or until further orders, whichever is earlier.

The 21st June 1979

No. A. 32014/1/79-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C. S. S. cadre of Union Public Service Commission to officiate as Section Officer on an *ad hoc* basis for the periods indicated against each or until further orders whichever is earlier.

Sl. No.	Name	Period for which promoted as Section Officer	Remarks
1	2	3	4
1.	Sh. N. M. L. Bhatnagar	. 2-6-79 to 19-7-79	
2.	Sh. M. N. Arora	. 1-6-79 to 10-7-79	
3.	Sh. R. P. Sharma	. 21-5-79 to 25-6-79	
4.	Sh. S. D. S. Minhas	. 19-5-79 to 16-6-79	
5.	Sh. J. L. Sud	. 14-5-79 to 30-6-79	

No. A.32014/1/79-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri K. P. Iyer, a permanent Assistant of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission, to officiate, on an *ad hoc* basis, as Section Officer in the same cadre for a further period from 17-6-79 to 31-7-79 or until further orders, whichever is earlier.

S. BALACHANDRAN

Under Secy.

(Incharge of Administration)  
Union Public Service Commission

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 2nd July 1979

No. F.2/32/79-Estt.CRPF(PERS.II).—The President is pleased to appoint Shri I. Jayasimha, Commandant, 26 Bn, CRPF as Commandant, 17 Bn, CRPF in addition to his own duties as Commandant, 26 Bn, CRPF, until further orders.

NARENDRA PRASAD  
Director

## DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 26th June 1979

No. C-9/72-Ad.V.—On attaining the age of superannuation, Shri C. R. Chatterjee, Dy. Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation relinquished charge of the office of Dy. Superintendent of Police with effect from the afternoon of 31st May 1979.

The 30th June 1979

No. A-31014/2/76-AD.I.—In exercise of the powers conferred by Rule 9 (2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules 1965 Director Central Bureau of Investigation & Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints the following officers substantively to the post of Deputy Superintendent of Police in the Central Bureau pf Investigation/Special Police Establishment Department of Personnel & Administrative Reforms with effect from 20-10-77.

Sl. No.	Name of the Officer	Present place of posting	Rank in which already permanent in C. B. I.	Branch wherein lien kept on the post of D. S. P in C. B. I
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	B. N. Sinha	. On depu- tation to Govt. of Nagaland (Kohima)	Inspector	GOW/ Calcutta
2.	K. N. Gupta	. CIU-I	Inspector	CIU-I
3.	M. P. Nandapurkar	. GOW/ Bombay	Inspector	GOW/ Bombay
4.	C. R. Chatterjee	. GOW/ Calcutta	Inspector	GOW/ Calcutta
5.	C. K. Pathak	. Head Office Zone-IV	Inspector	Head Office
6.	R. P. Kapoor	. CIU (C)	Inspector	CIU-III
7.	N. C. Verma	. CIU (NC)	Inspector	CIU(NC)
8.	R. Jaiswal	. Dehradun	Inspector	Lucknow
9.	Harish Chandra	. GOW/ Delhi	Inspector	GOW/ Delhi

1	2	3	4	5
10.	Rajnish Pd. Sharma	CIU(E) II	Inspector CIU(E) II	
11.	P. Unnikrishnan	GOW/ Madras	Inspector GOW/ Madras	
12.	Gursem Singh	Coord. Div.	Head Office	
13.	K. G. Vidhyasagar	S. U.	—	S. U.
14.	A. W. Degwakar	SIU (Court Cell)	—	S. U.
15.	K. C. Kanungo	GOW/ Calcutta	—	GO/ Calcutta
16.	Asokh Kumar Suri	CIU(F)	—	GOW/ Delhi
17.	Murari Lal	Shillong	—	Shillong

Inter-se-seniority amongst the promotees/transferees/direct recruit who have been confirmed/permanently absorbed as Dy. Superintendents of Police in CBI in this batch will be fixed subsequently.

No. A-19020/2/79-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri S. Subramanian, IPS (1958-Andhra Pradesh), as Deputy Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment, with effect from the forenoon of 16-6-1979 and until further orders.

HERO A. SHAHANEY  
Administrative Officer (E)  
C.B.I.

#### DIRECTORATE GENERAL, CRPF FORCE

New Delhi-110001, the 29th June 1979

No. O.II.1067/78-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. B. Krishna Prasad, Junior Medical Officer (GDO: Grade-II) of Base Hospital-II, CRPF Hyderabad, with effect from 14th March 1979 (AN).

A. K. BANDYOPADHYAY  
Assistant Director (Adm.)

#### OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 29th June 1979

No. E-16013(2)/15/73-Pers.—On repatriation Shri W. J. Dawson IPS (Kar-65) relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit Madras Port Trust, Madras w.e.f. the afternoon of 31st May 1979.

No. E-16013(1)/2/78-Pers.—On attaining the age of superannuation Shri B. Mallareddy relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit IDPL Hyderabad w.e.f. the afternoon of 31st May 1979.

S. NATH  
Inspector-General/CISF

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 28th June 1979

No. 11/45/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A. R. Nanda, an officer belonging to the Orissa Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore with effect from the forenoon of 1st June 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Nanda will be at Cuttack,

No. 11/62/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A. H. Khan, an officer belonging to the Jammu and Kashmir Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Jammu and Kashmir, Srinagar with effect from the forenoon of 1st June 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Khan will be at Srinagar.

No. 11/72/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Das, an officer belonging to the Karnataka Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore with effect from the afternoon of 6 June 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Das will be at Bangalore.

The 29th June 1979

No. 11/1/77-Ad.I.—In supersession of this office notification of even number dated 9-4-1979, the President is pleased to appoint Shri S. K. Pathak, Office Superintendent in the office of the Director of Census Operations, Bihar at Patna as Assistant Director of Census Operations on a purely temporary and *ad hoc* basis, in the office of the Director of Census Operations, Manipur, at Imphal, with his headquarters at Imphal, with effect from the forenoon of 31st May 1978 up to 12th September 1978.

2. The President is also pleased to appoint Shri S. K. Pathak as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Manipur at Imphal with his headquarters at Imphal, on regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 13th September 1978, until further orders.

P. PADMANABHA  
Registrar General, India

#### MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 22nd June 1979

F. No. BNP/C/5/79.—In continuation to this Deptt's Notification of even number dated 27th March 1979, the *ad-hoc* appointment of Shri V. Venkataramani, as Technical Officer (Intaglio Printing) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period from 27th June 1979 to 31st August 1979.

P. S. SHIVARAM  
General Manager

#### DIRECTORATE OF PRINTING New Delhi, the 7th July 1979

No. K(21)-AII.—The Director of Printing is pleased to appoint Shri Harjit Singh Khanna, Technical Officer (Photolitho) to officiate as Deputy Manager (Photolitho), Govt. of India Text Books Press, Chandigarh, with effect from forenoon of 20th June, 1979, until further orders.

P. B. KULKARNI, Jt. Director (Admn.)

#### MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

##### (DEPARTMENT OF COMMERCE)

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 25th June 1979

##### IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/574/54-Admn(G).—On attaining the age of superannuation Shri D. S. Morkrima relinquished charge of the

post of Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st May 1979.

RAJINDER SINGH

Dy. Chief Controller of Imports and Exports  
for Chief Controller of Imports and Exports

BUREAU OF INDUSTRIAL COSTS AND PRICES

New Delhi-110 003, the 26th June 1979

No. A-19011/12/79-BICP.—On transfer from the Department of Industrial Development, Shri G. V. Mathur, an officer of the Section Officers' grade of the C.S.S. in the cadre of Department of Industrial Development, is appointed as Assistant-Secretary-cum-Admn. Officer, on deputation basis, in the Bureau of Industrial Costs and Prices with effect from the forenoon of 7th June, 1979 until further orders.

L. KUMAR  
Chairman

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 13th June 1979

No. 12(710)/72-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri D. C. Srivastava, Deputy Director (Economics) Central Water Commission, New Delhi, as Deputy Director (Economic Investigation) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi with effect from the forenoon of 26th May 1979 and until further orders.

The 16th June 1979

No. 12(684)/71-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. R. Fouzdar, Asstt. Director (Gr. II) General Administrative (Division), Small Industries Service Institute, Patna, as Assistant Director (Gr. I) (General Administrative Division) at Small Industries Service Institute, Indore, on *ad-hoc* basis for a period of six months with effect from the 25th May 1979 (F.N.).

The 18th June 1979

No. A-19018(196)/75-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Sushil Kumar, Assistant Director (Gr. II) (Leather/Footwear), Extension Centre, Jullundur to officiate as Assistant Director (Gr. I) (Leather/Footwear) at Extension Centre, Jullundur, with effect from the 2nd April 1979 (F.N.), until further orders.

The 20th June 1979

No. 12(68)/61-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Mohd. Akram, Director (Gr. II) (Mechanical), Small Industries Service Institute, Allahabad as Director (Gr. I) (Mechanical) in Small Industries Service Institute, Allahabad on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 22nd April 1979.

M. P. GUPTA  
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 19th June 1979

No. A-1/1(1138)/79.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri B. K. Saxena, Superintendent to officiate on purely *ad-hoc* basis as Assistant Director (Admn.) (Grade II) in the office of the Director of Inspec-

tion, N.I. Circle, New Delhi, with effect from the afternoon of the 28th April, 1979 till 15-7-79 vice Shri Gian Chand proceeded on medical leave.

K. KISHORE  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi, the 23rd June 1979

No. A-17011(59)/73-A6.—Shri A. R. Hussainy, Asstt. Inspecting Officer (Textiles) in the office of Director of Inspection, Madras retired from service w.e.f. 31st May 1979 (AN) on attaining the age of superannuation.

P. D. SETH  
Dy. Director (Admn.)  
for Director General of Supplies & Disposals

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 30th June 1979

No. 1/14/78-SII.—Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri J. Gomes, D'Melo, Administrative Officer, Central Sales Unit, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Bombay to officiate as Sr. Administrative Officer at All India Radio, Madras on temporary basis with effect from 27th April 1979.

No. 1/1/79-SII.—Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri J. D. Jauhari, Headclerk/Accountant, External Services Division, All India Radio, New Delhi to officiate as Administrative Officer at high Power Transmitter, All India Radio, Khampur temporary basis with effect from 26-4-79.

S. V. SESADRI  
Deputy Director of Administration  
for Director General

New Delhi, the 30th June 1979

No. 1/5/78-SII.—Shri P. Doraiswamy, Accounts Officer, Regional Engineer, (S), All India Radio, Madras on deputation from the Central Board of Excises and Customs, Madras expired on 7-3-79.

Y. VARMA  
Section Officer  
for Director General

PUBLICATIONS DIVISION  
MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, 30th June 1979

No. A. 12025/2/73-Admn. I(DS(C)—The President has been pleased to appoint the following Officers against the posts of Business Manager in the Publications Division with effect from 25-6-1979 till further orders :

1. Shri O. P. Makkar at present Business Manager (ad hoc) New Delhi (H. Qrs.)
2. Shri N. Mishra at present Business Manager (ad-hoc) Sales Emporium Calcutta.
3. Shri M. R. Rajagopalan at present Asstt. Business Manager R. D. O. Madras.
4. Shri Ishwar Chandra at present Asstt. Business Manager New Delhi (H. Qrs.)

2. The following transfers/postings in the grade of Business Manager are also ordered with immediate effect :—

Sl. No.	Name of Officer	Place of present posting	Place to which posted/trans- fers.
1	2	3	4
<b>S/Shri</b>			
1.	S. L. Jaiswal . . .	Sales Empo- rium Bombay	New Delhi (H.Q.)
2.	O. P. Makkar . . .	New Delhi (H. Qrs.)	Sales Em- porium Cal- cutta.
3.	N. Mishra . . .	Sales Empo- rium Calcutta	Sales Emporium Bombay.
4.	M. R. Rajagopalan . . .	R.D.O. Madras.	Sales Em- porium Madras.
5.	Ishwar Chandra . . .	New Delhi.	Sales Em- porium Tri- vendrum.
S. P. GUPTA Dy. Secy			

## (FILMS DIVISION)

Bombay-26, the 20th June 1979

No. A.22013/3/77-Est.I.—Consequent on assumption of charge of the post of Assistant Administrative Officer, Films Division, Bombay, in the forenoon of 12th June 1979 by Shri S. N. Singh, Shri H. G. Bhandarkar Officiating Asstt. Administrative Officer, Films Division, Bombay, reverted to his substantive post of Superintendent on 12th June 1979 (FN).

The 21st June 1979

No. 5/4/56-Est.I.—Shri B. R. Dohling, Permanent In Between Animator, Films Division, Bombay, retired voluntarily from service from the afternoon of the 31st May, 1979.

M. CHANDRAN NAIR  
Administrative Officer  
for Chief Producer

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th June 1979

No. A.12025/13/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. Pramod Kumar Sarin to the post of Staff Surgeon (Dental) under the Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of 31st March, 1979 in a temporary capacity and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Staff Surgeon (Dental) under the Central Govt. Health Scheme, Delhi, Dr. Pramod Kumar Sarin relinquished charge of the post of Dental Surgeon, Dr. Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi on the forenoon of 31st March 1979.

The 30th June 1979

No. A.12025/22/77(FRSL)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri G. C. Roy, Junior Chemist, Regional Agmark Laboratory, Kanpur, to the post of Junior Analyst at the Food Research and Standardi-

sation Laboratory, Ghaziabad, on a temporary basis with effect from the forenoon of the 30th May 1979 and until further orders.

S. L. KUTHIALA  
Deputy Director Administration (O&M)

## DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

## POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 19th June 1979

No. PPED/3(282)/76-Adm.9572.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri M. S. Mohamed Iqbal, Section Officer (Accounts) in the office of the Controller of Defence Accounts (DRs), South Madras on deputation basis in this Division as Assistant Accounts Officer, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from the forenoon of May 23, 1979 until further orders.

B. V. THATTE  
Administrative Officer

## NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 3rd July 1979

No. NAPP/Adm/1(124)/79-S/7738.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri R. Jayaraman, Scientific Officer/Engineer grade SB in the Civil Engineering Group, Kalpakkam to officiate as Scientific Officer/Engineer grade SB in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of June 14, 1979 until further orders.

S. KRISHNAN  
Administrative Officer  
for Chief Project Engineer

## DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 19th June 1979

No. DPS/23(4)/77-Est. I/64,28—Director, Directorate of Purchase and Stores Department of Atomic Energy appoints the following Purchase Assistants to officiate as Assistant Purchase Officers in the scale of pay of Rs.650-30-740-35-810 EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad hoc basis in the same Directorate for the periods indicated against each.

Sl. No.	Name	Period
1.	Shri S. N. Deshmukh . . .	21-2-1979 to 23-3-79
2.	Shri J. T. Nerurkar . . .	9-4-79 to 19-5-79
3.	Shri D. R. Sakhare . . .	23-4-79 to 2-6-79
4.	Shri N. Prabhakaran . . .	23-4-79 to 1-6-79
5.	Shri S. G. Jamsandekar . . .	14-5-1979 to 16-6-79
6.	Shri V. C. Varkey . . .	30-4-79 to 22-6-79

C. V. GOPALAKRISHNAN  
Assistant Personnel Officer

## (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 25th June 1979

No. AMD-1/8/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri V. K. Sharma, Foreman 'A' (Mechanical) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st February 1979 until further orders.

No. AMD-1/8/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. C. Subudhi, Foremen (Mining) as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st February 1979 until further orders.

The 27th June 1979

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Zafar Husain as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12th June 1979 until further orders.

M. S. RAO  
Sr. Administrative & Accounts Officer

**HEAVY WATER PROJECTS**  
Bombay-400 008, the 26th June 1979

No. 05052/79/4121.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Tadavarty Venkateswara Gupta, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB), in the same project, with effect from the forenoon of February 1, 1979 until further orders.

No. 05052/79/4122.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Manoj Kumar Chakrabarty, a temporary Foreman of Heavy Water Project (Talcher), to officiate as Scientific Officer/Engineer (Grade SB) in the same project, with effect from the forenoon of February 1, 1979 until further orders.

K. SANKARANARAYANAN  
Senior Administrative Officer

**MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION**  
**INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT**

New Delhi-3, the 29th June 1979

No. A-22012(i)/II/79-E.I.—The President is pleased to appoint Dr. P. S. Pant, Dy. Director General of Meteorology (Forecasting), Pune, India Meteorological Department, as Deputy Director General of Meteorology (Physical Meteorology & Geophysics) at New Delhi in the same department with effect from 21-4-1979 and until further orders.

S. K. DAS  
Dy. Director General of Meteorology  
(Administration & Stores)

**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION**

New Delhi, the 16th June 1979

No. A-38013/1/79-EA.—Shri Mir Anwar, Controller of Aerodromes, office of the Regional Director, Madras Region, Madras Airport, retired from Govt. service on the 31st May, 1979 AN on attaining the age of superannuation.

The 20th June 1979

No. A-32013/3/79-ES.—In continuation of this office Notification of even No. dated 15-3-1979, the President is pleased to extend the *ad hoc* appointment of S/Shri S. Ranjan and Chaman Lal in the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection for a period of three months ending 13th Aug. 1979 or till regular appointments to the grade are made, whichever, is earlier on usual terms and conditions.

V. V. JOHRI  
Asstt. Director of Administration

**COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE  
AND CUSTOMS**

Indore, the 27th June 1979

No. 8/79.—Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise, Gr. 'B', Shri Sheikh Abdul, Insp. of Central Excise (S.G.) has assumed charge as Superintendent, Central Excise, M.O.R.I., Sagar in the forenoon of 14th May '79.

Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise, Gr. 'B', Shri R. K. Tiwari, Insp. of C. Excise (S.G.) has assumed charge as Superintendent, Central Excise (Preventive), Divl. Office, Sagar in the forenoon of 1st June, 1979.

S. K. DHAR  
Collector

**CENTRAL GROUND WATER BOARD**

Faridabad, the 7th June 1979

No. 3-564/79-Estt(M).—Sh. Balbir Singh is appointed as Asstt. Admn. Officer, C.C.S. Group 'B' (Gazetted) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on *ad hoc* and temporary basis w.e.f. 25-5-79 (F.N) in the Central Ground Water Board with his Headquarter at Faridabad till further orders.

B. K. BAWEJA  
Chief Hydrogeologist & Member

**CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT**  
**OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL (WORKS)**

New Delhi, the 26th June 1979

**CORRIGENDUM**

No. 27-E/T(15)/78-ECII.—For the date "5th June 1979" occurring in Fourth line of this Office Notification No. 27-E/T(15)/78-ECII dated 8th/13th June 1979 the following may be substituted "3rd June 1979 (AN) 0 3-6-1979 AN."

B. R. RATTU  
Dy. Director of Admn.  
for Director General (Works)

**CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY**

New Delhi the 28th June 1979

No. 6/2/79-Adm. II.—The Chairman Central Electricity Authority hereby appoints the undermentioned Technical Assistants/Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity with effect from the dates shown against their names until further orders :

Sl. No.	Name and Designation	Date of appointment
1.	Shri B. P. S. Fauzdar, Technical Assistant	3-5-79
2.	Shri A. K. Agnihotri, Technical Assistant	9-5-79
3.	Shri I. A. Khan, Technical Assistant	3-5-79
4.	Shri S. N. Mohanty, Technical Assistant	3-5-79
5.	Shri V. K. Singla, Technical Assistant	3-5-79
6.	Shri B. Jaganna, Technical Assistant	3-5-79
7.	Shri O. P. Arora, Technical Assistant	3-5-79
8.	Shri R. N. Mathur, Technical Assistant	3-5-79
9.	Shri G. G. Paul, Technical Assistant	11-5-79
10.	Shri D. K. Babuta, Technical Assistant	3-5-79
11.	Shri R. K. Sharma, Technical Assistant	3-5-79
12.	Shri S. K. Sakhooja, Technical Assistant	4-5-79
13.	Shri H. K. Khanduja, Technical Assistant	3-5-79
14.	Shri Om Prakash II, Technical Assistant	3-5-79
15.	Shri Sunil Kumar, Technical Assistant	4-5-79
16.	Shri U. K. Singhal, Technical Assistant	3-5-79
17.	Shri S. K. Shrivastava I, Technical Assistant	3-5-79
18.	Shri T. C. Sanyal, Technical Assistant	8-5-79
19.	Shri R. S. Moorjani, Technical Assistant	3-5-79
20.	Shri T. R. Bahl, Technical Assistant	3-5-79
21.	Shri R. K. Gatrg, Technical Assistant	3-5-79
22.	Shri R. G. Subbaraju, Assistant Technical	7-5-79
23.	Shri Rakesh Bhanot, Technical Assistant	3-5-79

1	2	3
24.	Sh. Chandan Roy, Technical Assistant	30.5.79
25.	Sh. R.C. Siwari, Technical Assistant	3.5.79
26.	Sh. A.K. Sood, Technical Assistant	3.5.79
27.	Sh. Batt Singh, Technical Assistant	3.5.73
28.	Sh. A.S. Roy, Supervisor	8.6.79
29.	Sh. K.S. Sandhu, Supervisor	4.6.79
30.	Sh. Surinder Prasad, Supervisor	8.6.79

S. BISWAS  
Under Secy.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS  
DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

(COMPANY LAW BOARD)  
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES  
Bombay, the 20th June 1979

No. 14690/LIQ.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. West End Bobbins Pvt. Ltd. has been ordered to be wound up by an order dated 15-11-78 passed by the High Court of Maharashtra and that Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

Sd. ILLEGIBLE  
Asstt. Registrar of Companies  
Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Flourishing Hire Purchase Finance & Chit Fund  
Private Limited

Jullundur, the 27th June 1979

No. G/Stat/560/2886/2497.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Flourishing Hire-Purchase Finance & Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Guru Ramdass Financiers & Chit Fund Company  
Private Limited

Jullundur, the 27th June 1979

No. G/Stat/560/3133/2504.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Guru Ramdass Financiers & Chit Fund Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Malik Lucky Scheme & Finance Private Limited

Jullundur, the 3rd July 1979

No. G/Stat/560/2798/L/2734.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Malik Lucky Scheme & Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL  
Registrar of Companies  
Punjab, H.P. & Chandigarh

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Trade Chemicals and Adhesive Company Private Limited  
Patna, the 27th June 1979

No. (842)560/A/1231.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Trade Chemicals and Adhesive Company Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Rai Sahab S. Arora and Company Private Limited

Patna, the 30th June 1979

No. (268)3/78-79/560/1265—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of sec. 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Rai Sahab S. Arora and Company Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE  
Registrar of Companies  
Bihar, Patna

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Hindustan Travels and Power Mills Limited

Madras-600 006, the 28th June 1979

No. 3709/560(5)/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Hindustan Travels and Power Mills Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Vennila Transports Private Limited

Madras-600 006, the 28th June 1979

No. DN/3727/560(3)/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Vennila Transports Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
T. B. N. Bus Private Limited

Madras-600 006, the 28th June 1979

No. DN/4404/560(3)/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of T.B.N. Bus Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

C. ACHUTHAN  
Asst. Registrar of Companies  
Tamil Nadu, Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Balkrishna Shah & Co. Private Limited*

Gwalior, the 29th June 1979

No. 239/Tech/1593.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Balkrishna Shah & Co. Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the REGISTRAR and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Kandoi & Saraf Private Limited*

Gwalior, the 29th June 1979

No. 722/Tech/1594.—Notice is hereby given pursuant to sub-section 5 of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Kandoi & Saraf Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

S. K. SAXENA  
Registrar of Companies  
Madhya Pradesh, Gwalior

## FORM ITNS

(1) Smt. Sushila Kumari W/o Shri Dev Raj Arora  
R/o C-58, Shivaji Park, Rohtak Road, New Delhi.  
(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/7-79/358.—Whereas, I. D. P. Goyal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-58 situated at Shivaji Park, Rohtak Road, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 9-10-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A single storeyed house, comprising of two bed rooms, one drawing dinning, one garrage, one kitchen, one W.C. and one latrine-cum-bath, built on free hold plot of land bearing Plot No. C-58, measuring 418 sq. yds. situated in the colony known as Shivaji Park, on Rohtak Road, area of village Madipur Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North : Property No. H-48/49.  
South : Road  
East : Property No. C-60  
West : Property No. C-56

D. P. GOYAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-7-1979

Seal : .

**FORM ITNS**

(1) Shri Cavas M. Desai S/o Sh. M. C. Desai R/o J-3/137, Rajouri Garden New Delhi as G. Attorney of Smt. Mehru Manak Desai.  
(Transferor)

(2) Smt. Neelam Khullar W/o Sh. S. R. Khullar R/o J-137, Rajouri Garden New Delhi  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE III,  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001**

New Delhi, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/7-79/357.—Whereas I, D. P. Goyal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-3/137 situated at Rajouri Garden, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 7-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Obojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A house, single storeyed, built on freehold plot of land bearing plot No. 137 in Block J-3, measuring 160 sq. yds. situated in the colony known as Rajouri Garden area of village Tatarpur Delhi State, Delhi bounded as under:—

North : Lawn  
South : Property No. J-3/136  
East : Service Road.  
West : Service Lane

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date : 3-7-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Faqir Chand Puri S/o Sh. Kesho Nath Puri  
R/o R-8, Indra Market, Sabzi Mandi Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Jagdish Lal Talwar S/o Sh. Ram Rakha Mal  
and his son Bharat Bhushan Talwar R/o D-91,  
Ajay Enclave New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/7-79/359.—Whereas, I, D. P. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. S-15 situated at Ajay Enclave New Delhi village Tihar Delhi State Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 10-1-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. S/15, Khasra No. 301/1, in Ajay Enclave Colony Delhi situated in area of Village Tihar Delhi State Delhi of 3 shops, Varandah and one hall room at the back, bath, latrine water and electric flush running connection area 200 sq. yds. and bounded as under :—

North : Plot No. S/14  
South : Plot S/16  
East : Service Lane  
West : Service Lane

D. P. GOYAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date : 3-7-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri S. Sarwan Singh So Minhan Singh R/o C-3/4,  
Rana Partap Bagh Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar S/o Om Parkash Nayar R/o R-  
8, Green Park New Delhi  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/7-79/360.—Whereas I, D. P. Goyal being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-26, situated at Green Park New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A 2½ storied residential building, constructed on a freehold plot No. 26, Block F, measuring 327 sq. yds. situated at Green Park New Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. F-25  
South : Plot No. F-27  
East : Road  
West : Plot No. F-59

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date : 3-7-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III,

4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/7-79/361.—Whereas, I, D. P. Goyal being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-7, situated at Inderpuri New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 13-11-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Vaid Prakash Bakshi A-112, Inderpuri New Delhi-110 012.  
(Transferor)

(2) Mrs. Badami Devi (2) Charan Singh, (3) Kamal Kumar, (4) Mangal Singh and (5) Vinod Kumar all R/o 6125, Nabi Karim, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A 1½ storey house No. A-7, Inderpuri New Delhi situated on a land measuring 207½ sq. yds bounded as under :—

North : Lane 10 ft.  
South : Road 30 ft.  
East : Road 40 ft.  
West : House No. A-8

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date : 3-7-79

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE I  
4/14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 3rd July 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R.III/10-1978/731.—Whereas I, Miss Anjani Oza being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural lands situated at Sultan pur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 21-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Kumaranji Jaya Laxmi Shah W/o Lt. Col. Maharaj Kumar Shardul Bikram Shah and Kunwarani Mahima Shah wife of Raj Kumar Sagar Bikram Shah through attorney Raj Kumar Sagar Bikram Shah son of Maharaj Kumar Sardul Bikram Survey No. 74 part C.T.S. No. 564 situated at Mulund (Transferor)

(2) Mrs. Suman Bansi Lal wife of Bansi Lal R/o. F-18 N.D.S.E. Part-I, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural lands situated at Sultan pur, New Delhi of the following khasra numbers : with tube well and fencing wires :

Khasra No.	Area
96/2	(1—0)
78/2,	(1—0)
9,	4—16)
12,	4—16)
22	4—16)
96/26	2—1 )
78/19	4—16)

situated at village Mehrauli, New Delhi

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Date : 3-7-1979  
Seal ;

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 5th July 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R.III/10-1978/697.—Whereas I, Miss Anjani Oza, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23 situated at Central Lane, (Bengali Market), New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 12-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mahinder Prashad Jain son of Late Shri Mahabir Prashad Jain; Resident of 25 Central Lane, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Arun Kumar (2) Shri Anil Kumar and Shri Ravinder Kumar sons of Late Shri Ganga Prashad and (4) Shrimati Raj Rani wife of Shri Vishnu Kumar; All Residents of : 1988 Gali Paranthewali Chandni Chowk, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A single storied house No. 23 Central Lane, constructed on a plot of land No. 60 in Block No. 205-C measuring 330 Sq. yards situated in Bengali Market, New Delhi and bounded as under :

North : 25 Central Lane, New Delhi

South : 21 Central Lane, New Delhi

East : Road

West : Play ground :

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Date : 5-7-1979

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**ACQUISITION RANGE I  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 4th July 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R.III/11-78/785.—Whereas I, Miss Anjani Oza being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 91 situated at National Park, Lajpatnagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 11-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

14—156GI/79

(1) Shri Rajeshwar Kapoor, son of Shri Keshwa Nand R/o : 35-A Nizamuddin East, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Shrimati Sushila Rani wife of Shri D. P. Singh : Resident of : 1 National Park, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A plot of land bearing No. 91 National Park, Lajpatnagar, New Delhi measuring 200 Sq. yards.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Date : 4-7-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Roshan Jal Khandpur son of Shri Harbans Singh Khandpur, Resident of : Q-49 D.S. Lajpatnagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Nath son of Shri Anant Ram, R/o : B-160 B. K. Dutta Colony, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I  
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 4th July 1979

Ref. No. I.A.C. Acq. I/S.R.III/10-1978/696.—Whereas I, Miss Anjani Oza

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 76 (shop) situated at Bhagat Singh Market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at New Delhi on 9-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A Government built Shop No. 76 measuring 399 Sq. ft. land charged 2/3rd to ground floor shop and 1/3rd to first floor flat situated at Bhagat Singh Market, New Delhi.

MISS ANJANI OZA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Date : 4-7-1979  
Seal :

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Neil John Creado  
2. Darryl Anthony Creado.  
3. Winston Joseph Creado.  
4. Colin Victor Creado.  
5. Astor Thomas Creado.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Messrs. L. L. Builders.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 28th June 1979

No. A.R.III/A.P.302/79-80.—Whereas J. V. S. Sheshadri being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.T.S. No. 853, 853/1, 853/2, 853/3, 853/6, situated at Marol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (in the office of the Registering Officer at Bombay on 2-12-1978 Document No. S-10 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1033/78 and registered on 22-12-1978 with the Sub-Registrar Bombay.

V. S. SHESHADRI  
Competent Authority,  
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III  
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 28-6-79

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 29th June 1979

No. A.R. IV/864/79-80.—Whereas I, V. S. Sheshadri, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 74 part C.T.S. No. 564 situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-12-1978 (Doc. No. S1434/78) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Laxman Marya Bhoir, Anandibai Laxman Bhoir.  
(Transferor)

(2) Bodhisatva Ambedkar Cooperative Housing Society Limited.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1434/78 (Bombay) and registered on 4-12-1978 with the Sub-Registrar Bombay.

V. S. SHESHADRI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III  
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 29-6-79

Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Shri M. Jesudhas,  
S/o Manosa,  
Yusudian Street,  
Nagercoil.

(Transferor)

(2) M/s Parthas Textiles,  
Cape Road,  
Nagercoil.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE III

Madras-6, the 1st February 1979

Ref. No. 41/Oct/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sur. No 2077/A-2 & B-2 situated at Nagercoil (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at JSRO I, Nagercoil (Doc. No. 3654/78) on 26th Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## TH5 SCHEDE

64 cents of land & superstructure thereon situate at Nagercoil in Sur. No. 2077-A-2 & B-2.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-6

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 1-2-1979  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri D. N. Chinnaraju;  
S/o Venkatramna Achari;  
2. Shri D. C. Thyagarajan;  
3. Shri D. C. Sudharasanam; &  
4. Cinor D. C. Krishnamoorthy;  
S/o Shri D. N. Chinnaraju  
Anjakara Street, Dharmapuri.

(Transferor)

(2) Shri AL. PL. Palanlappa Chettiar,  
S/o Alagappa Chettiar,  
Kasim Maistry Street,  
Dharmapuri

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-600 006, the 2nd March 1979

Ref. No. 44/Oct./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 situated at Kasim Maistry Street, Dharmapuri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Dharamapuri West (Doc. No. 1087/78 on 26-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1921) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land & buildings at Door No. 1, Kasim Maistry Street, Dharmapuri.

O. ANANDARAM.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 2-3-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1. Shri R. Sowrirajulu Chettiar,  
64 Sukravarpetta, Coimbatore Town.

2. Shri S. Rengarajan,  
S/o Shri R. Sowrirajulu Chettiar,  
3. Shri S. Bhuvanendran,  
S/o Shri R. Sowrirajulu Chettiar,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

(2) Janaba Mchboob Nessa,  
W/o late S. Abdul Rasheed,  
20, Azcez Rowther Lane,  
Palani.

(Transferee)

Madras-600 006, the 20th April 1979

Ref. No. 13/Oct/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 186 situated at Devangar Street, Palani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JERO I, Palani (Doc. No. 1308/78 on 25th Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land & buildings situated at No. 186, Devanagar Street, Palani.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—

Date : 20-4-1979

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-600 006, the 7th May 1979

Ref. No. 10/Oct./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 49H-1, Old Burial Ground Road, situated at Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III, Dindigul (Doc. No. 1622/78) on 31-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. Sundaresan,  
S/o Shri Ramasami Pillai,  
West Govindapuram,  
Dindigul.

(Transferor)

(2) Shri P. N. Arumugam Achari,  
S/o Nagalingam Achari,  
Nattanmai Naicker Lane,  
Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land & Buildings situate at Plot No. 9, at Door No. 49-H1, in T.S. No. 734/2A1 of Ward No. 1, Old Burial Ground Road, Dindigul.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 7-5-1979  
Seal :

## FORM ITNS —————

(1) Shri Madan Mohanji Mandir Trust,  
8, Perumal Kudali Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) 1. Shri M. Idris,  
2. Shri A. G. Athaulia,  
3. Shri A. G. Lukman,  
No. 85, Thambu Chetty Street,  
Madras-1.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-600 006, the 20th May 1979

Ref. No. 35/Oct./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 129, 130 & 131 situated at Angappa Naicken Street, Madras-1,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR I, Madras North (Doc. No. 4060/78) on 15-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 4060/78—JSR I, Madras North.

Land &amp; Buildings at No. 129, 130 &amp; 131, Angappa Naicken Street, Madras-1.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 20-5-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—  
15—156GI/79

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6**

Madras-600 006, the 20th May 1979

Ref. No. 40/Oct./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11 situated at Millers Road, Kilpauk, Madras-10. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at JSRO II Madras North. (Doc. No. 4278/78) on 31-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Amala Bangaru represented by her power of attorney agent Nesamoni Daniel Jose, Advocate, 13 B, Thalayari Street, Madras-4.

(Transferor)

(2) 1. Shri Tharmaraj Motcham Fernando  
2. Shri Benildes Nimal Fernando  
S/o Shri Tharmaraj Motcham Fernando  
3. Shri Francis Netton Fernando  
S/o Shri Tharmaraj Motcham Fernando  
4. Shri Bernard Newin Fernando  
S/o Shri Tharmaraj Motcham Fernando  
5. Shri Francis Nixon Fernando  
S/o Shri Tharmaraj Motcham Fernando  
No. 49, Malayappan Street,  
Mannady, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Document No. 4278/78  
Land & Buildings at Door No. 10, Miller Road, Kilpauk, Madras-10.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 20-5-1979  
Seal ;

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-600 006, the 24th May 1979

Ref. No. 21/Oct./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 223, 224, 225 & 226 situated at Salem Road, Tiruchengode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Tiruchengode (Doc. No. 1409/78) on 4-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. C. Lakshmiammal,  
W/o R. V. Chockalingam  
2. C. Ravichandran,  
3. C. Vijayakumar  
Maravaneri Extension Street No. 6,  
Salem.  
4. Smt. Jayanthi,  
W/o T. N. Chandra Mudaliar,  
Basavankudi, Tata Silk Firm Street,  
Bangalore City.

(Transferor)

- (2) 1. Shri R. Loganathan,  
S/o Shri A. Ramasami Mudaliar.  
2. Shri R. Saminathan  
S/o Shri A. Ramasami Mudaliar.  
3. Shri R. Ragunathan  
S/o Shri A. Ramasami Mudaliar.  
Salem Road, Tiruchengode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 1409/78.  
Land & Buildings at Door Nos. 223, 224, 225 & 226,  
Salem Road, Tiruchengode.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Madras-600 006.

Date : 24-5-1979  
Seal :

## FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri M. R. Rajan,  
S/o Shri R. Raja Gounder,  
Kattupulayam, Mannathai Village,  
Tiruchengode Taluk.

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-600 006, the 26th May 1979

Ref. No. 9/Oct./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 173 & 174 situated at Bungalow Street, Tiruchengode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at SRO Tiruchengode (Doc. No. 1453/78) on 31-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Shri T. R. Kumāraraja,  
S/o Shri T. N. Raja Gounder,  
Pallipalayam Road (Bungalow St.)  
Tiruchengode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 1453/78—SRO Tiruchengode,  
Land Buildings at No. 173 & 174, Bungalow Street  
Tiruchengode.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras 600 006.

Date : 26-5-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

(1) 1. Smt. Radha Lajapathi,  
C-61, Meenakshi Street,  
Thirunagar, Madurai-6.  
and  
2. Smt. V. R. Visalakshi  
D-17, Meenakshi Street,  
Thirunagar, Madurai.  
For M/s. Ravi & Co.,  
Thirunagar, Madurai.

(Transferor)

(2) 1. Shri KN. K. S. KN. Sokkalingam Chettiar.  
2. Smt. KN. S. Meenakshi Achi  
W/o Shri KN. K. S. KN. Sokkalingam Chettiar  
Nattarasankottai, Ramanathapuram Dt.

(Transferee)

Madras-600 006, the 26th May 1979

Ref. No. 19/Oct./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 253/2A1A situated at Thirupparankundram Village, Thirupparankundram Panchayat, Madurai Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Madurai (Doc. No. 1041/78) in Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or**

**(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Document No. 1041/78.

Land &amp; Factory Building.

R.S. No. 253/2A1A—Thirupparankundram Village, Thirupparankundram Panchayat, Madurai Dt.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 26-5-1979

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-600 006, the 29th May 1979

Ref. No. 3/Oct./78.—Whereas, I. O. ANANDARAM being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing S. No. 73/4D1 situated at P.N. Patti, Mettur Dam P.O. Salem Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mecheri. (Doc. No. 1802/78) in Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Mrs. Valli Ammal,  
W/o Sri P. Sidda Mudaliar,  
37/1, Salem Main Road,  
Mettur Dam P.O. Salem Dist.

(Transferor)

(2) M/s. Lakshmi Theatre,  
Mettur Dam P.O. Salem Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Document No. 1802/78 S.R.O. Mecheri.  
Land and semi permanent theatre building at S. No. 73/4D1 P.N. Patti, Mettur Dam P.O. Salem District.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 29-5-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6**

Madras-600 006, the 31st May 1979

Ref. No. 17/Oct./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, situated at Besan Road, Sokkikulam, Madurai, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Madurai (Doc. No. 3844/78) in Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Saraswathi Kalyanam,  
W/o Late Shri K. A. Kalyanam,  
8, Besan Road, Sokkikulam,  
Madurai.

(Transferor)

(2) 1. Shri S. Chidambrara Nadar,  
2. Shri Sivasubramaniam,  
3. Minor Shri Surash &  
4. Minor Shri Anand  
2/518, Matunga College Road,  
Bombay-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Document No. 3844/78. JSR I Madurai.  
Land & Buildings at Door No. 8, Besan Road, Sokkikulam, Madurai.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 31-5-1979  
Seal ;

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**

**ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6**

Madras-600 006, the 31st May 1979

Ref. No. 24/Oct/78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. lands (12.04 acres) situated at (S. No. 589/4 589/3, 589/6 & 589/1) Ayyampalayam Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Dindigul (Doc. No. 548/78) in Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

S/Shri  
(1) 1. Mohamed Salik,  
2. Shahul Hameed,  
3. Abdul Kareem,  
4. Abdul Majeed,  
5. Abubacker, &  
6. Sikkander.  
Ayyampalayam Village,  
Dindigul Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Naina Mohamed,  
S/o Shri Noor Mohamed,  
Uthamapalayam Village,  
Dindigul Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDEULE

Document No. 547/78 JSR I, Dindigul.

Agricultural lands—12-04 acres at Ayyampalayam Village, Dindigul Taluk, Survey Nos. 589/4 589/3, 589/6 & 589/1.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 31-5-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri K. S. Venkateswaran  
S/o Late K. V. Sivaramakrishna Jyer,  
No. 5, Town Hall Road, Madurai.  
(Transferor)

(2) 1. Mrs. A. D. Jaya,  
2. Mrs. A. D. J. Dharmambal  
3. Mrs. A. D. J. Prema,  
4. Mrs. A. D. Sasikala  
No. 4, North Street,  
District Board Colony, Madurai.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-600 006, the 14th June 1979

Ref. No. 11/Oct./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 70 situated at Tamilsangam Road, Madurai (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO Pudumandapam (Doc. No. 1861/78) on Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to, between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—156GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Document No. 1861/78—S.R.O. Pudumandapam,  
Land & Buildings at Door No. 70, Tamilsangam Road,  
Madurai.

O. ANANDRAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 14-6-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-600 006, the 15th June 1979

Ref. No. 25/Oct./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5, situated at General Collins Road, Madras-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at SRO Periamet, Madras on Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Antony Kenneth Kelly  
by power of attorney agent S. A. P. Alvares,  
No. 29, 4th Main Road, Ganeshi Nagar,  
Adyar, Madras-20.

2. Mrs. Mary Patricia Kouwen,  
No. 5, General Collins Road,  
Vepery, Madras-7.

(Transferor)

(2) 1. Shri B. Kantilal Jain,  
2. Shri S. Suresh Kumar,  
3. Smt. S. Shanta Bai,  
4. Smt. M. Godawari Bai.  
172, Mint Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Document No. 1073/78 S.R.O. Periamet.  
Land & Buildings at No. 5, General Collins Road, Madras-7.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 15-6-1979  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-600 006, the 15th June 1979

Ref. No. 46/Oct./78.—Whereas, I, O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 211, situated at Angappa Naicken Street, Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO North Madras (Doc. No. 3950/78) on Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mohamed Aysha Beevi,  
W/o Shri O. S. Ibrahim,  
No. 27/28, Armenian Street,  
Madras-1.

(Transferor)

(2) Mrs. A. S. Syed Johara Beevi,  
W/o Shri N. M. Mohamed Aboobacker,  
2/67, Main Road, Podakkudi,  
Tanjore District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Document No. 3950/78 S.R.O. North Madras.  
Land & Buildings at Door No. 211, Angappa Naicken Street, Madras-1.

O. ANANDARAM,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Madras-600 006.

Date : 15-6-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd June 1979

Ref. No. 6721.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39, situated at Soorappa Mudali St., Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 749/78) on Oct. 1978. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) S. Suseela Ammal & M. Sambandam Chetty No. 4, Narayana Chetty St., Madras-3.

(Transferor)

(2) K. Jamal Mohedeen J. Jainambec Beevi No. 30, I Lane Dr. Natesa Road, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and building at 39, Soorappa Mudali St., Madras-5.  
(Doc. No. 749/78)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-6-79  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Mudras-600 006, the 22nd June 1979

Ref. No. 6766.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 20 situated at Bajanai Koil St., Nandambakkam, Madras-89

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 4261/78) on Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) V. Seetalakshmi W/o. M. S. Parthasarathy, N. Kalyani W/o. M. S. Venkataramani, No. 10, Arcot Mudali St., Madras-17.

(Transferor)

(2) Prabha Chakravarti W/o. Kannan Chakravarti, No. 24, Kasturi Ranga Iyengar Road, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 20, Bajanai Koil St., Nandambakkam, Madras-89.

(Doc. No. 4261/78)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 22-6-79

Seal :

## FORM ITNS—

(1) E. K. Parthasarathy, Sanjay Parthasarathy, rep. by  
E. K. Parthasarathy, 15, Sathyana Rayana Avenue,  
Madras-600 028.

(Transferee)

(2) Dr. N. Varadarajan, 9, B, Edward Elliots Road,  
Mylapore, Madras-600 004.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd June 1979

Ref. No. 6675.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9B, Edward Elliots Road situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mylapore (Doc. No. 1421/78) on Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at 9B, Edward Elliots Road, Madras-4.  
(Doc. No. 1421/78)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 22-6-79  
Seal :

## FORM ITNS

(1) RM. S. Ramanathan Chettiar S/o. Sundaresan Chettiar, 59, Vattalam Road, Vevakottai.  
(Transferor)

(2) T. Natarajan, S/o. R. M. Thyagaraja Pillai, 12, Udayar St., Thiruvarur.  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**  
**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 22nd June 1979

Ref No. 8401.—Whereas, I, RADHA BALAKRISHNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 54. 5, 54.6, 54.7 situated at Karuppur Village, Nannilam Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruvarur (Doc. No. 2229/78) in Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land and building in RS. No. 54.5, 54.6, 54.7 Karuppur Village, Nannilam Tk.

(Doc. No. 2229/78)

RADHA BALAKRISHNAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 22-6-79  
Seal :

## FORM ITNS

1. Dr. Feroze Hussain, H. No. 11-5-404 at Red Hills,  
Hyderabad,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th June 1979

Ref. No. RAC.No. 57/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-5-404 situated at Red Hills Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

2. Dr. Jaweed Hussain, S/o Sri Mustansir Ali, Represented by G.P.A. Sri Mustansir Ali, H. No. 11-5-404 at Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House M. No. 11-5-404 situated at Red Hills, Hyderabad, measuring 1087 Sq. Mcts. registered vide Doc. No. 3886/78 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-6-1979  
Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 13th June 1979

Ref.<sup>1</sup> No. RAC. No. 58/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-24 situated at Shivunipally Village Warangal-Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal in October 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—156GI/79

1. Sri Pokala Chandraseh, R/o Ippagudem Village Jangaon-Tq, Warangal. Dist. (Transferor)
2. Sri Parshi Shankar Rao, S/o Lingayya, Shivunipally, Village, Warangal Tq. Warangal Dist. (Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House bearing Gram Panchayat No. 2-24 situated at Shivunipally Village, Warangal-Tq, Warangal. Dist, registered vide Doc. No. 4105/78 in the office of the Sub-Registrar Warangal.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-6-1979

Seal :

## FORM ITNS—

1. M/s Hotel Firdaus, H. No. 5-9-24/82 at Lake Hills,  
Road, Hyderaabd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th June 1979

Ref. No RAC. No. 59/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-24/82 situated at Lake Hills Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Building M. No. 5-9-24/82 known as "HYDERABAD INN HOTEL" at Lake Hills Road, Hyderabad, registered vide Document No. 4445/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13-6-1979

Seal :

## FORM ITNS

1. M/s. Bharat Construction Co., H. No. 15-1-503 at Siddiambur Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX**

**ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 13th June 1979

Ref. No. RAC. No. 60/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 15-1-503/B/29 situated at Ashok Market Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Doodhbowli in October 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

2. Sri Kanak Doshi, S/o Ratul Doshi, H. No. 15-1-503/B/29 at Ashok Market, Siddiambur Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Office room M. No. 15-1-503/B/29 in 2nd floor of Ashok Market Siddiambur Bazar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1219/78 in the Office of the Sub-Registrar Doodhbowli.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-6-1979

Seal :

## FORM ITNS

1. Smt. Vijayalakshmi Raghavan, H. No. 40-B at Sebastian Road, Secunderabad.  
(Transferor)
2. Smt. Raj Kapur, H. No. (18-A East Maredpally, Secunderabad) H. No. 9-1-155 & 156 at Sebastian Road, Secunderabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th June 1979

Ref. No. RAC. No. 61/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Port 9-1-155 & 156 situated at Sebastian Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on October-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Portion of premises No. 9-1-155 and 156 situated at Sebastian Road, Secunderabad, registered vide Document No. 2586/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1979

Seal :

**FORM ITNS**

1. Smt. Vijayalakshmi Raghavan, H. No. 40-B at Sebastian Road, Secunderabad.  
(Transferor)
2. Smt. Leela Chona, H. No. 40-A Sebastian Road, Secunderabad (9-1-155 and 156 at Sebastian Road, Secunderabad).  
(Transferee)
3. Sri Ravi Kumar Ohri, H. No. 9-1-155 at Hevastian Road, Secunderabad.  
(Person in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 13th June 1979

Ref. No. RAC. No. 62/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Port 9-1-155 and 156 Sebastian Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on October-78  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Portion of House M. No. 9-1-155 and 156 situated at Sebastian Road, Secunderabad, registered vide Document No. 2387/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-6-1979

Seal :

**FORM ITNS—**

1. M/s Shaw Builders, 22-7-269/3 Dewan Devdi, Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX (C.A.)  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th June 1979

Ref. No. RAC. No. 63/79-80.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 7 in situated at 22-7-269/3 Dewan Devdi, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on October-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—**

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Shop No. 7 Building No. 22-7-269/3 at Dewan Devdi, Salarjung Market, Hyderabad registered vide Doc. No. 2940/78 in the office of the Sub-Registrar Azampura.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1979

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th June 1979

Ref. No. RAC. No. 64/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/743, 12/744 situated at S.V.N. Road, Warangal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Warangal on October-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Sri Adepu Venkatadri, S/o Venkatanaraiah, Tailoring Business, Warangal, 2. Smt. D. Suvarnalaxmi, W/o Vykuontham, R/o S. V. N. Road, H. No. 12/744, Warangal.

(Transferor)

2. S/Shri Thuma Koteswara Rao, S/o Veeraswamy, 2. Thumma Upendramma, W/o Jagannadan, H. No. 12/744 at S.V.N. Road, Warangal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 12/743 and 12/744 situated at S.V.N. Road, Warangal, registered vide Document No. 3988/78 in the Office of the Sub-Registrar Warangal.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-6-1979

Seal :

## FORM ITNS

1. Sri Mir Kifayath Ali Khan, H. No. 9-4-86 Shaikpet,  
(Muneer Bagh) Hyderabad.  
(Transferor)

2. The Ideal Co-operative Housing Society Ltd. situated  
at 3-5-804/2/3 at Hyderguda, Hyderabad.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th June 1979

Ref. No. RAC. No. 65/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act.'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land S. Nos. 141, 142, 143 situated at Shaikpet, Villg. Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairtabad on October-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land in survey Nos. 141, 142 and 143 situated at M. No. 9-4-86 at Shaikpet village, Hyderabad, registered vide Document No. 2730/78 in the office of the Sub-Registrar Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 13-6-1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Bhagwathi Pershad, S/o Matadin, H. No. 3-5-170/A/9 at Narayangudu, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Sri U. Kuppuswamy, H. No. 1-8-702/31/2 at Nallakunta, Hyderabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th June 1979

Ref. No. RAC.No. 66/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat B1-F-5 situated at Poonam Apartment, Chiragali Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Flat No. B1-F-5 on 3rd floor in House M. No. 5-8-512 to 517-C at Chiragali lane, Hyderabad, ("Poonam Apartments") registered vide Doc. No. 4662/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 13-6-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

**FORM ITNS**

(1) Smt. Taramani W/o Sri Giriraj Goyal, G.P.A.  
holder, H. No. 5-3-1053 at Shanker Bagh, Osman-  
gunj, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sharda Bai, W/o Bala Pershad, H. No. 5-9-5,  
Saifabad, Hyderabad.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 13th June 1979

Ref. No. RAC. No. 67/79-20.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000 and bearing No. 1 & 2 on 1st floor of 5-8-918 & 519 at Chiragali Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDEULE**

Office room Nos. 1 and 2 in premises M, No. 5-8-518 and 519 at Jagdish Market, Chiragali Lane, Hyderabad, registered vide Document No. 4590/78 in the office of the Joint Sub-Regiistrar, Hyderabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-6-1979  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri K. Balaji Nagaraj, H. No. 5-9-194/2 at Chiragali lane, Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Khaleda Begum, W/o Sri Ali Bin Saleh, H. No. 23-8-367 at Shahli Banda, Hyderabad.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,**

**ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th June 1979

Ref. No. RAC. No. 68-79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-5-783/22 situated at Kingh Koti Road, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Premises No. 3-5-783/22 situated at Kingh Koti Road, Hyderabad, admeasuring 296 Sq. Yds. registered vide Doc. No. 4583/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-6-1979  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th June 1979

Ref. No. RAC. No. 69/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-674/1, situated at Panjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Premji Lalji s/o  
Shri Lalji Meghji,  
R/o Panjagutta,  
Hyderabad

(Transferor)

(2) Sri Vijay Anand Maduri,  
s/o Sri M. Rajeshwar,  
H. No. 6-3-674/1 at Panjagutta,  
Hyderabad  
(C/o Maduri Motors, Bashirbagh, Hyderabad).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land M. No. 6-3-674/1 admeasuring 900 Sq. Yds situated at Begumpet Road, Panjagutta, Hyderabad, registered vide Document No. 4573/78 in the office of the Joint Sub registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-6-1979

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th June 1979

Ref. No. RAC. No. 70/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-674/1, situated at Panjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Premji Lalji s/o  
Shri Lalji Meghji,  
R/o Panjagutta,  
Hyderabad

(Transferor)

(2) Sri Maduri Rajeshwar,  
s/o Jatc Krishnaiah,  
H. No. 8-2-416 at Banjara Hills,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Open land bearing M. No. 6-3-674/1, situated at Begumpet Road, Panjagutta, Hyderabad, ad measuring 1093 Sq. Yds, registered vide Document No. 4698/78 in the Joint Sub-Registrar office, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-6-1979

Seal :

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th June 1979

Re. No. RAC. No. 71/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8-3-933, situated at Srinagar Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri P. Narayana Rao,  
H. No. 8-3-933 Plot No. 7  
at Srinagar Colony,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri S. Raghavan,  
Behind Amrit Nivas Building,  
Bank Street,  
Hyderabad.

(Transferee)

*Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—*

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**THE SCHEDULE**

House M No. 8-3-933, Plot No. 7, situated at Srinagar Colony Hyderabad, registered vide Doc. No. 2809/78 in the office of the Sub Registrar, Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-6-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

(1) Sri Krapa Rangayya, s/o  
Brahmayya,  
R/o Gudianaram,  
C.P.A. of Pochagari Mallaya,  
H. No. 16-11-739 at Gaddiarnaram,  
Hyderabad-East.

(Transferor)

(2) Sri J. V. Poorniah Sharma,  
H. No. 1-8-80/3 at Chikkadpally,  
Hyderabad.

(Transferee)

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th June 1979

Ref. No. RAC. No. 72/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land S. No. 15, situated at Sahebnagar, Vig Village, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad-East on October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land measuring 5 A.M. in Survey No. 15 at Sahebnagar Kurn, Village Hyderabad-East, registered vide Doc. No. 6185/78 in the Sub-Registrar of Hyderabad-East.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-6-1979  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th June 1979

Ref. No. RAC. No. 73/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-161 160/3, 160/4 Chapel road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) 1. S/Sri Sultan Hussain Bin Omer,  
2. Smt. Sultan Jehan Begum,  
W/o Omer Bin Moh.  
3. Smt. Qamer Jehan Begum,  
W/o Khan Arif Khan,  
all residing at H. No. 5-9-161 at Chappel Road,  
Nampally, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Smt. Sita Jai Singh, W/o  
Sri P. B. Jai Singh,  
R/o Plot No. 1 Bansilalpet,  
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Double storey Building with open space and two shops bearing M. No. 5-9-161, 160/3, 160/4, situated at Chappel Road, Nampally, Hyderabad, registered vide Document No. 4188/73 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-6-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th June 1979

Ref. No. RAC. No. 74/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-3-25, situated at Jeera, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on October 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

19—156G1/79

(1) Smt. S. Meerkshi,  
W/o S. Narayanaswamy,  
H. No. 5-3-25 at Jeera,  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Hemlata K. Kotak, W/o  
Kiran Kumar V. Kotak,  
2. Mrs. Rajani M. Kotak,  
W/o Mahendru Kumar V. Kotak,  
both residing at H. No. 2-2-132 at M.G. Road,  
Secunderabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

**THE SCHEDULE**  
Door No. 5-3-25, situated at Jeera, Secunderabad, registered vide Doc. No. 2660/78 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-6-1979

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Sri Premji Lalji, s/o  
Lalji Meghji,  
R/o Panjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th June 1979

Ref. No. RAC. No. 75/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-674/1, situated at Panjagutta, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairtabad on October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sri Madhusudhan Maduri,  
s/o late Narsimha Rao,  
H. No 6-3-674/1 at Begumpet,  
Hyderabad.

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Open plot area 1080 Sq. Yds. bearing M. No. 6-3-674/1, situated at Begumpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 2788/78 in the office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-6-1979

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th June 1979

Ref. No. RAC. No. 76/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-545/1, 2, situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—.

(1) Smt. K. Vijayamma,  
W/o K. Krishna Reddy,  
H. No. 3-6-545/1 at Himayatnagar,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Fakirchand,  
8/o Bhagatram,  
R/o Bahadurpura, Hyderabad-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

House M. No. 3-6-545/1 and 2, situated at Himayatnagar, Hyderabad, registered in the name No. 4387/78 in the office of the Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-6-1979

Seal :

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS —————

(1) Sri B. Lingoji, s/o Narsoji,  
H. No. 6-14-10 at Hamalwadi,  
Nizamabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri Shardool Singh,  
s/o Ramsingh,  
R/o Khaleelwadi,  
Nizamabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th June 1979

Re. No. RAC. No. 77/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-23-2259, situated at Dubba Road, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nizamabad in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

House M. No. 6-23-2259, situated at Dubba Road, Nizamabad, registered vide Document No. 5521/78 in the Sub Registrar, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-6-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM II(NS)————

(1) Sri Premji Lalji,  
s/o Lalji Meghji,  
H. No. 6-3-673 at Panjagutta, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Smt. Kala Vijaya Anand,  
R/o 62-C at Sardar Patel Road,  
Secunderabad.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th June 1979

Ref. No. RAC. No. 78/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 6-3-674/1, situated at Panjagutta, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot of land in M. No. 6-3-674/1 admeasuring 1200 Sq. Yds, situated at Panjagutta, Hyderabad, registered vide Document No. 4515/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-6-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS —————

(1) Master Mherneesh B. Dittia,  
By guardian Sri B. F. Dittia, and Mrs. P. B. Dittia,  
Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 16th June 1979

Ref. No. RAC. No. 79/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

12-5-139, 142, 143, situated at Tarnaka, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Dr. Hari Kishenrao Maddiraju,  
H. No. 12-1-334 at Lallapet,  
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION.—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

**THE SCHEDULE**

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Premises No. 12-5-139, 142, 143 with Land and Building admeasuring 1994 Sq. Mts. situated at Vijayapuri Tarnaka, Secunderabad, registered vide Doc. No. 2518/78 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-6-1979

Seal :

Now, wherefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Smt. Munni Bai,  
W/o Mohanlal,  
15-2-403 Siddiamber Bazar, Ashok Market,  
Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/ Bhaut Construction Co.,  
15-1-503 Siddiamber Bazar Ashok Market,  
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 16th June 1979

Ref. No. RAC. No. 80/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15-1-503/A/72, situated at Ashok Market, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Mulgi bearing No. A/72 on the ground floor of 15-1-503 at Ashok Market, Siddiembar Bazar, Hyderabad, registered vide Document No. 1254/78 in the office of the Sub-Registrar, Doodbowli.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-6-1979

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Smt Munni Bai, W/o Mohanlal,  
15-2-403 at Siddiember Bazar, Ashok Market,  
Hyderabad.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th June 1979

Ref. No. RAC. No. 81/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 15-1-503/A73, situated at Siddiember Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doodbowli in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) M/s. Bharat Construction Co.,  
15-1-503 Siddiember Bazar Ashok Market,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Premises bearing M. No. 15-1-503/A/73, situated at Ashok Market, Siddiember Bazar, Hyderabad, registered vide Doc. No. 1269/78 in the office of the Sub-Registrar, Doodbowli.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-6-1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th June 1979

Ref. No. RAC. No. 82/79 80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

12-5-3/1, situated at Tarraka, Secunderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—156GI/79

(1) Sri Raj Anandaram,  
s/o Sri S. Anandaram,  
H. No. 131 "Uche" - Singar Colony,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Tulsidevi,  
W/o Sri T. Tulsi Ram,  
H. No. 12-5 3/1 at Bathkammakunta,  
Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House M. No. 12-5-3/1, situated at Bathkammakunta, Secunderabad, admeasuring 478 Sq. Yds registered vide Document No. 2615/78 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-6-1979

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th June 1979

Ref. No. PAC. NO. 83/79-80.—Whereas I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 15-1-503/A/3, situated at Ashok Market, Siddiamber Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (i) Sri Bharatkumar, 21-1-773, Patel Market, Hyderabad.  
 (ii) Sri Ishwarlal, 21-7-84/1, Ghansi Bazar, Hyderabad.  
 (Transferors)
- (2) (i) Smt. Mangani Bai,  
 (ii) Udayakumar (minor) represented by father Bharat Kumar, 15-2-744, Osmangunj, Hyderabad.  
 (Transferees)
- (3) Gowri Shanker Slate Industries, Siddiamber Bazar, Hyderabad.  
 [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Shop bearing No. 15-1-503/A/3 in Ashok Market, Siddiamber Bazar, Hyderabad registered through Document No. 1270/78 by the Sub-Registrar, Doodhbowl, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN  
 Competent Authority.  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.  
 Acquisition Range, Hyderabad

Date : 16-6-1979  
 Seal :

## FORM ITNS —

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bibi (Smt.) Rabiya Khatoon  
W/o Late Mr. Gulam Waris  
Resident of Exhibition Road Patna (near Vijaya Bank Ltd.).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 2nd April 1979

Ref. No. III-314/Acq/79-80.—Whereas, I,  
J. NATH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing deed no 6609, Holding No. 60/59 Circle No. 15 Ward No. 16 of Patna Municipal Corporation, situated of Subzibagh Ps. Pibahore, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Patna on 26-10-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Nehal Ashraf (Minor)  
S/o Md. Ashraf  
Prof. Patna Glass House Patna-4.  
(Resident of Darzi Tola)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

3. Kothas of land with 5 to 6 khaphraphes rooms bearing Holding no 60/59 Circle No. 15, Ward No. 16 of Patna Municipal Corporation situated at Mohalla subzibagh Ps. Pibahore Patna 4 described in deed No. 6609 dated 26-10-78 registered with the District sub registrar, Patna.

J. NATH.  
Competent Authority  
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-4-79  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bibi (Smt.) Rabiya Khatoon  
W/o Late Mr. Gulam Waris  
Resident of Exhibition Road Patna (near Vijaya  
Bank Ltd).  
(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX

(2) Nishal Ashraf (Minor)  
S/o Md. Ashraf  
Prof. Patna Glass House Patna-4.  
(Resident of Darzi Tola)

(Transferee)

## ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 2nd April 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref No. III-313/Acq/79-80.—Whereas, I,  
J. NATH,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have  
reason to believe that the immovable property, having a fair  
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
deed no 6608, Holding No. 60/59 Circle No. 15 Ward No.  
16 of Patna Municipal Corporation,  
situated at Subzibagh Ps. Pirbahore, Patna  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Patna on 26-10-78

for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property, and  
I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent  
of such apparent consideration and that the considera-  
tion for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922); or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

3 Kathay of land with 3 Pucca rooms bearing Holding  
No. 60/59, Circle No. 15, Ward No. 16 of Patna Municipal  
Corporation situated at Mohalla subzibagh Ps. Pirbahore  
Patna 4 described in deed No. 6608 dated 26-10-78 registered  
with the District Sub registrar, Patna.

J. NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Patna.

Date : 2-4-79  
Signature :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

## FORM ITNS

(1) Shri Ratindra Nath Mitra, Atindra Nath Mitra, Arpha Mitra and Ashok Mitra all resident of 25 Raja Dinendra Street, Calcutta-9.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 8th June 1979

Ref. No. III-321/Acq/7.—Whereas, I,  
J. NATH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Old holding No. 88, Settlement Plot No. 159 within the Deogher Municipality,  
situated at Mouza Purandaha, town Deogher dist. Santhal Praganas.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Deogher on 28-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt Kiran Devi Shroff Wife of Abhey Kumar Shroff resident of Baidyanath Dham, Deogher in the district of Santhal Praganas.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring about 18½ Kathas according to local Rohini Scale bearing Settlement Plot No. 158 within the Deogher Municipality, Ward No. 12 Holding No. 95, Old holding No. 88 situated at Mouza Purandaha in Deogher, district Santhal Praganas described more fully in deed No. 4328 dt. 28-10-78 registered with the DSR, Deogher.

J. NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna.

Date : 8-6-1979

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INNCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PATNA**

Patna, the 8th June 1979

Ref. No. III-320/Acq/7.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Old holding No. 88, New 95 in Ward No. 12 of Deogher Municipality, situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Deogher on 19-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ratiudra Nath Mitra, Atindra Nath Mitra, Argha Mitra and Ashok Mitra all resident of 25 Raja Dinendra Street, Calcutta-9.  
(Transferor)

(2) Smt. Kiran Devi Shroff Wife of Abhey Kumar Shroff resident of Baidyanath Dham, Deogher in the district of Santhal Praganas.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are defined in Chapter XVA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Partly one storeyed and partly two storeyed building to be known as "The Retreat" with the relative measuring 7415 (Seven thousand four hundred and fifteen) sq. ft. situated in mouza Purandaha Taluk Kuthiagara, Deogher in the district of Santhal Praganas bearing old holding No. 88, New 95 in Ward no. 12 of Deogher Municipality described more fully in decr. no. 3621 dt. 19-10-78 registered with the DSR, Deogher.

J. NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Patna.

Date 8-6-79  
seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 19th June 1979

Ref. No. III-330/Acq/79-80.—Whereas, I,  
J. NATH,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
'touzi No. 227/15347. Khata No. 342 survey Plot No. 372  
situated at Mouza Maulnachack Mahal Sadikpur Jogi Ps.  
Kadam Kuan, Patna  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Patna on 20-10-78,  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the purposes  
of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Narayan Pd. Singh S/o. Shri Ramashwari Pd. Singh Choudhary Tola PoOo Mahendra Ps. Sultanganj Distt. Patna as Attorney holding general power of attorney on behalf of Smt. Shiv Laxmi Devi W/o Shri Narendra Narayan Sharma resident of Choudhary Tola Jagannath Singh Lane P.O. Mahendra Ps. Sultanganj Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Sinha S/o Shri Ramamji Pd. Singh R/o Village & P.O. Maghra Ps. Biharasari Dist Nalanda All Present—'Maghra House' Bhikhnapahar Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A piece of land including compound wall measuring an area of 1 katha 1 Dhur and 3½ Dhurki that is about 1441 Sq. ft. situated at Mouza Maulnachack Mahal Sadikpur Jogi Ps. Kadam Kuan District Patna described in deed No. 6485 dated 20-10-78 registered with District Sub-registrar Patna.

J. NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna.

Date : 19-6-79

Seal :

## FORM I(INS)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
 OF INCOME-TAX  
 ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 19th June 1979

Ref. No. III-329 'Acq/79-80.—Whereas, I,  
 J. NATH,  
 being the Competent Authority under Section 269B of the  
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
 and bearing

Touzi No 227/15347. Khata No. 342 survey Plot No. 372  
 situated at Mouza Maulnachack Mahal Sadikpur Jogi Ps.  
 Kadam Kuan, Patna  
 (and more fully described in the Schedule  
 annexed hereto), has been transferred under the Registration  
 Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
 Patna on 20-10-78.  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
 the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
 persons, namely:—

(1) Shri Ram Narayan Pd. Singh S/o Shri Rameshwari Pd. Singh Choudhary Tola P.O. Mahendra Ps. Sultanganj Dist. Patna as Attorney holding general power of attorney on behalf of Smt. Sunita Kunoari Devi W/o Shri Narendra Narayan Sharma resident of Choudhary Tola Jagannath Singh Lane P.O. Mahendra Ps. Sultanganj Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Arbind Prasad Singh S/o Ramanuj Prasad Singh R/o Village & P.O. Maghra Ps. Biharsarit Dist. Nalanda At Present—'Maghra House' Bhikhnapahari Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons  
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
 immovable property within 45 days from the  
 date of the publication of this notice in the  
 Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A piece of land including compound wall measuring an  
 area of 1 Katha 7 Dhur and 51 Dhurki that is about 1845  
 Sq. Ft. situated at Mouza Maulnachack Mahal Sadikpur Jogi  
 P.S. Kadamkuan District Patna described in deed No. 6484  
 dated 20-10-78 registered with District Sub-registrar Patna.

J. NATH,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Patna.

Date : 19-6-79

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 19th June 1979

Ref. No. III-328/Acq/79-80.—Whereas, I,

J. NATH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 227/15347, Khata No. 342 survey Plot No. 372 situated at Mouza Maulnachack Mahal Sadikpur Jogi Ps. Kadam Kuan, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patna on 20-10-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Ram Narayan Pd. Singh S/o Shri Rameshwari Pd. Singh Choudhary Tola P.O. Mahendra Ps. Sultanganj Distt. Patna as Attorney holding general power of attorney on behalf of Smt. Shait Kumar Devi W/o Shri Narendra Narayan Sharma resident of Choudhary Tola Jagannath Singh Lane P.O. Mahendra Ps. Sultanganj Distt. Patna.

(Transferee)

(2) Smt. Karuna Devi W/o Shri Ramanand Prasad Singh R/o Village & P.O.—Sadanandpur Ps. Ballia Dist. Begusarai, at present—Maghra House Bhikhua-pahri, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

A piece of land with delapidated building (Garden House) measuring an area of 3 Katha 3 Dhur and 5 Dhurki that is about 4304 Sq. ft. situated at Mouza Maulna Chack Mahal Sadikpur Jogi Ps. Kadam Kuan Patna described in deed No. 6483 dt. 20-10-78 registered with District Sub registrar Patna.

J. NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Patna.

Date : 19-6-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—  
21—156GI/79

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, PATNA**

Patna, the 19th June 1979.

Ref. No. III-327/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATII, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Touzi No. 227/15347, Khata No. 342, survey Plot No. 372 situated at Mouza Maulnachack Mahal Sadikpur Jogi Ps. Kadam Kuan Patna. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 20-10-78. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Narayan Pd. Singh S/o. Shri Ramashwari Pd. Singh Choudhary Tola P.O. Mahendra Ps. Sultanganj Distt. Patna as Attorney holding general power of attorney on behalf of Smt. Shait Kumari Devi W/o Shri Narendra Narayan Sharma resident of Choudhary Tola, Jagannath Singh Lane P.O. Mahendra Ps. Sultanganj Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Ramanand Prasad Singh S/o Late Rambilash Prasad Singh R/o Village & P.O.—Sadanandpur Ps. Ballia Dist. Begusarai, present—Maghna House Bhikhnapahri Patna.

(Transferee)

**Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—**

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A piece of Jand with boundary wall measuring 3 Katha 10 Dhurs and 4 Dhurkis that is about 4778 Sq. ft. with Jogi Ps. Kadam Kuan Dist Patna described in deed No. 1487 Jogi Ps. Kadam Kuan Dist. Patna described in deed Ps. 1487 dt. 20-10-78 registered with District Sub registrar Patna.

J. NATH,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Patna

Date : 19-6-79  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX**  
**ACQUISITION RANGE**

Patna, the 19th June 1979

Ref. No. III-326/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Touzi No. 227/15347, Khata No. 342 survey Plot No. 372 at Mouza Maulnachack Mahal Sadikpur Jogi Ps. Kadam Kuan Patna. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 20-10-78. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Narayan Pd. Singh S/o Shri Rameshwari Pd. Singh Choudhary Tola P.O. Mahendra Ps. Sultanganj Distt. Patna as Attorney holding general power of attorney on behalf of Smt. Shait Kumari Devi W/o Shri Narendra Narain Sharma resident of Choudhary Tola Jagannath Singh Lane P.O. Mahendra Ps. Sultanganj Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Sabjanand Prasad Singh S/o Shri Yadunandan Prasad Singh R/o Village Lodipur Ps. Asthanan P.O. Amawan District Nalanda, at present—Rajendra Nagar Road No. 10 (H) in the building of Netajee Public School Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

A piece of land with delapidated buildings (Garden House) with boundary wall measuring area of 2 Katha 11 Dhur 16 Dharki that is about 3525 Sq. ft. situated at Mouza Maulana chack Mahal Sadikpur Jogi Ps. Kadam Kuan District Patna described in deed No. 6486 dated 20-10-78 registered with District Sub registrar Patna.

J. NATH,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 19-6-79

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE**

Patna, the 19th June 1979

Ref. No. III-325/Acq/79-80.—Whereas, I,  
**J. NATH**,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar,  
 being the Competent Authority under Section 269B of  
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
 to as the 'said Act'), have reason to believe that  
 the immovable property, having a fair market value  
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Holding No. 132/130 (old) 140/161 (New) Circle No. 20A  
 Ward No. 7 situated at Kadam Kuan, New Area Patna,  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908  
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
 Patna on 5-10-78.

for an apparent consideration which is less than the  
 fair market value of the aforesaid property, and I have  
 reason to believe that the fair market value of the property  
 as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
 more than fifteen per cent of such apparent consideration  
 and that the consideration for such transfer as agreed to  
 between the parties has not been truly stated in the said  
 instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
 persons, namely :—

(1) Shri Atma Ram Khana S/o late Dr. Shaligram  
 Khana resident of 45/11 East Patel Nagar, New  
 Delhi, at present Mohalla Kadam Kuan, District  
 and Town Patna and Miss Bimla Khanna D/o late  
 Shaligram Khanna resident of 42 Hardinge Road  
 Ps. Gardenibagh Dist Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Pyari Devi W/o Rajmuni Rai resident of  
 village Nitbhai Dihra Ps. Tarari Po. Basowri District  
 Bhojpur. (Arrah).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
 45 days from the date of publication of this notice  
 in the Official Gazette or a period of 30 days from  
 the service of notice on the respective persons,  
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable  
 property, within 45 days from the date of the  
 publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said  
 Act, shall have the same meaning as given  
 in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Double Storeyed pucca house "Fulvue" bearing old holding  
 No. 132/130 New 140/161 Circle No. 20A, Ward No. 7  
 situated at New Area, Kadamkuan district and town Patna  
 measuring more or less one Katha out of four Kathas within  
 the limits of Patna Municipal Corporation described in deed  
 No. 6282 dated 5-10-78 registered with the District Sub  
 Registrar Patna.

J. NATH,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 19-6-79

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Narendra Khanna Son of Sri Atma Ram Khanna resident of 45/11 East Patel Nagar, New Delhi through Attorney Sri Atma Ram Khanna and Smt. Nirmala Diwan w/o Shri Ishwar Das Diwan "Ionim" Colaba, Bombay 400005 through Attorney, Miss Bimla Khanna D/o late Dr. Shaligram Khanna, 42 Hardinge Road Ps. Gardanibagh District Patna,

(Transferor)

(2) Smt. Ram Dulai Devi D/o Shri Dusheshwar Singh, Village & P.O.—Andhari Ps. Sahar Dist. Bhojpur (Arrah).

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Patna, the 19th June 1979

Ref. No. III-324/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 132/130 (old) 140/161 (New) Circle No. 20A Ward No. 7 situated at Kadam Kuan New Area Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 5-10-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storied pucca house "Fulvuc" bearing old holding No. 132/130 New 140/161 Cinch No. 20A Ward No. 7 situated at New Area Kadam Kuan District Patna measuring more or less one Katha out of four Kathas within the limits of Patna Municipal Corporation described in deed No. 6283 dated 5-10-78 registered with the District Sub Registrar Patna.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

J. NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 19-6-79  
Seal :

**FORM ITNS**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PATNA**

Patna, the 19th June 1979

Ref. No. III-323/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Holding No. 132/130 (Old) 140/161 (New) Circle No. 20A Ward No. 7 situated at Kadam Kuan New Area Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 5-10-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Pradeep Khanna Minor Son of Shri Atma Ram Khanna through guardian, resident of 45/11 East Patel Nagar, New Delhi, at present, Mohalla Kadam Kuan District and Town Patna and Miss Sharda Khanna D/o late Dr. Shaligram Khanna resident of N-98 Greater Kailash I New Delhi-110048 through attorney Miss Bimla Khanna D/o Late Dr. Shaligram Khanna 42 Harding Road Ps. Gardinbagh District Patna.

(Transferor)

(2) Ram Naresh Chaudhary S/o Shri Kali Choudhary C/o Shri Muneshwar Prasad, Mohalla Gol Bagicha, L. N. Sahay Road Ps. Kotwali Dist. Gaya.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Double Storeyed pucca house "Ful Vue" bearing old holding No. 132/130 New 150/160 Circle No. 20A Ward No. 7 situated at New Area Kadam Kuan and Town Patna measuring more or less one Katha one of four Kathas within the limits of Patna Municipal Corporation described in deed No. 6284 dated 5-10-78 registered with the District sub Registrar Patna.

J. NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 19-6-79

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 19th June 1979

Ref. No. III-322/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Holding No. 132/130 (Old) 140/161 (New) Circle No. 20A, Ward No. 7 situated at Kadam Kuan, New Area Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 5-10-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mannohan Khanna Son of Sri Atma Ram Khanna resident of 45/11 East Patel Nagar, New Delhi through attorney Shri Atma Ram Khanna & Smt. Urmila Kukreja W/o Shri K. M. Kukreja resident of N-98, Greater Kailash I, New Delhi 48, through Attorney Miss Bimla Khanna D/o late Dr. Shaligram Khanna, 42 Harding Road Ps. Gardani-bagh Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Narain Rai, Minor Son of Sri Ramayan Rai Mohalla-Gol Bagicha Gobra par Ps. Kotwali District Gaya under the guardianship of father Sri Ramayan Rai S/o Sri Rajmuni Rai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed pucca house bearing old holding No. 132/130 New 140/161 Circle No. 20A ward No. 7 situated at New Area Kadam Kuan district and Town Patna measuring more or less one katha out of four kathas within the limits of Patna Municipal Corporation described the deed No. 6285 dated 5-10-78 registered with the District Sub Registrar Patna.

J. NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 19-6-79

Seal :

**FORM ITNS**

Shri Sriiam Suryanarayana Moorthy, Achanta, Narsapur  
Tq., West Godavari Dist.,  
(Transferor)

(2) Sri Ganesula Kondala Rao, P. Gannavaram, Kothapeta Tq., East Godavari Dist.,  
(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada the 4th May 1979

Ref. No. 884.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing RS No. 186 & 187.3 situated at Rice Mill at Deltagannavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambajipota on 21-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

The schedule property as per registered document No. 1369/78 registered before the S.R.O., Ambajipeta, during the F.N. ended on 31-10-1978.

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range (i/c) Kakinada.

Date : 4-5-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) (1) Kairam Ramachandra Rao, S/o Venkanna,
- (2) K. Rajabhusana Rao GPA Holder Sri K.
- (3) K. Gopalakrishna Rao Ramachandra Rao,
- (4) K. Bala Venkateswararao Sriramapuram,
- (5) K. Rama Mohan Rao Bhimavaram. W. G. Dist.,
- (6) K. Vivekananda Rao

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada the 10th May 1979

Acq. File Ref. No. 885 —Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

3-39-1, 2&3 situated at Bhamavaram  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
at Bhimavaram on 18-10-1978  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (2) (1) Manthena Ramasitayya, w/o. Sri Anandasitaramraju, Korukollu, Bhimavaram Tq., (2) Ehupatiraju Suryavathi, w/o. Sri Ananda Varma, Ballipadu, Narasipur Tq..

(Transferee)

- (3) (1) O/o. The Land Reforms Appellate Tribunal.
- (2) A. K. Roy Delta Papers Ltd., (3). Sri P. J. Raju, Bhimavaram.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

The schedule property as per registered document No. 2089/78 registered before the Sub-Registrar, Bhimavaram, during the F. N. ended on 31-10-1978.

B. V. SUBBA RAO,  
Competent Authority  
Acquisition Range (i/c) Kakinada.

Date : 10-5-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

22—156GI/79

## FORM ITNS

(1) 1. Shri Motilal 2. Shri Veerchand S/o Shri Bheru Lalji Bhandari R/o, Karnar Teh. Patlawat Distt. Jhabua.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prakashegand and Motilal S/o Shri Kantilal Bafan R/o, Neem Chowk, Ratlam.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1276/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 9-10-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two and half storied house Mpl. bearing No. 33, Ward No. 30, situated at Neem Chowk, Ratlam.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 6-6-1979.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Gayaprasad Sharma son of late Shri Aodhyaprasad Sharma R/O Ghampura, Jabalpur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Savitrit Kashyap W/O Shri Sharda Prasad Kashyap R/O Industrial Colony, Kanchghar, Jabalpur.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1277/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing HOUSE situated at JABALPUR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JABALPUR on 17-10-1978 for an apparent Consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Hous on plot bearing corporation no. 274/4 and 274/5, Shitalmatai ward, Ghampura, Krishna Colony, Jabalpur.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 6-6-1979.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

**FORM ITN8—**

(1) Shri Satyanarayan, S/o Shri Rameshwari Johri,  
Daulatganj, Lashkar, Gwalior.  
(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Smt. Savitri Devi, W/o Shri Yadunath Singh Chaturvedi, Chaturvedi Path, Bhind.  
(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 12th June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1278/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House (part) situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 28th Octr., for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) Tenants

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Part of house No. 12/93 known as 'Manik Vilas' with open land situated at hansi Road, Lashkar.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 12th June, 1979  
Seal :

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS**

(1) Shri Rameahwarlal Johri, S/o Shri Motilal Johri,  
Daulatganj, Lashkar, Gwalior.  
(Transferor)

(2) Shri Viren drasingh Chaturvedi, S/o Shri Yadunath-singh Chaturvedi, Chaturvedi Path, Bhind.  
(Transferee)

(3) Tenants.  
(Person in occupation of the property)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 12th June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1279/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (part) situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 27th Novr.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

Part of house No. 12/93 known as 'Manik Vilas' with open land situated at Jhansi Road, Lashkar.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12th June, 1979

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Kesharbai, W/o Moolchand ji Jaiswal, Jumerati, Jawahar Chowk, Bhopal.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Manorama, W/o Dr. Kailashchandra Goyal, Upsati Marg, Ujjain and Shri Rameshkumar, S/o Gopaldas Agrawal, Jawahar Chowk, Jumerati, Bhopal.  
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1280/79-80.—Whereas, I, D. C. GOEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 6th Oct, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Three-storeyed house No. 8 on Rakba 479 Sq. ft. (Santsn Kuti) at Jawahar Chowk, Jumerati, Bhopal.

D. C. GOEL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Competent Authority,

Date : 12th June, 1979  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

## FORM ITNS

(1) Shri Ubedur Rehman Khan, S/o Mohd. Ramzan Khan  
Opp. Moti Masjid, Sultanpur Road, Bhopal.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohd. Nazir Qureshi, S/i Qadar Bakhsh Qurashi  
Barkhedi Nagar, Bhopal.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1281/79-80.—Whereas, I,  
**D. C. GOEL**,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

House situated at Bhopal  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer at  
Bhopal on 19th Oct. 1978  
which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-  
tion therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for such  
transfer as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of  
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-  
ing Persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-  
vable property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette;

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter

## THE SCHEDULE

House No. 23, Opp. Moti Masjid, Sultanpur Road, Bhopal.

**D. C. GOEL,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 12th June, 1979  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Vinaychand, S/o Gopalraoji Meethonkar, 29,  
Pushakunj Society, Ahmdabad, Gujarat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 12th June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1282/79-80.—Whereas, I.  
D. C. GOEL,  
being the Competent Authority under Section 269-B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter re-  
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.  
House (Part) situated at Indore  
(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
at Indore on 25th Oct., 1978  
Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Parganas on 3-10-1978  
for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property, and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid ex-  
ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen  
per cent of such apparent consideration and that the consider-  
ation for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

(2) Smt. Rajkumari, W/o Dr. Gyanchand Pahadiar 1,  
Chhoti Gwaltoli, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

**THE SCHEDULE**

Southern Half Portion of House No. 4 consisting of land  
11438 sq. ft. with old house at 4, South Tukoganj, Indore.

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. GOEL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12th June, 1979  
Seal

## FORM ITNS—

(1) Smt. Saminder Kaur W/o S. Nirmal Singh 6711,  
Block 9-B, Dev Nagar, Karol Bagh New Delhi.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sita Ram S/o Sh. Omkar Mal  
R/o House No. 6711, Block 9-B Dev Nagar,  
Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III,  
4, 14A, ASAFA ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 3rd July 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/7-79/356.—Whereas J. D. P. Goyal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6711, Block No. 9-B, situated at Dev Nagar, Karol Bagh New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 6-10-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two and a half storeyed pucca built house Municipal No. 6711 Ward No. XVI built on lease hold plot No. 20, Khasra No. 279/ 152 Block No. 9-B Area 77 sq. yds. situated in Gali No. 8, Pearey Lal Road, Karol Bagh New Delhi bounded as under :—

North : Pearey Lal Road  
South : Gali No. 8  
East : House No. 6712  
West : House No. 6710

D. P. GOYAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range III  
Delhi/New Delhi

Date 3-7-1979  
Seal :

